www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, सोमवार, 4 सितम्बर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -149 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

भाजपा का चरित्र षड्यंत्रकारी : अखिलेश 02

■ 'सफाई व्यवस्था को लेकर प्रतिबद्ध' 03
■ महापंचायत में ग्रामीणों ने दी हाउस टैक्स न देने की चेतावनी

■ 'विद्यालयों में 'अबाया' पर पाबंदी लगाने में मदद करेगा... 07
■ ब्रिटेन में बढ़ेगा डेढ़ लाख स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन

सरगुन मेहता ने मुझे एक बेहतर अभिनेत्री बनने के... 10

सार संक्षेप

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को बुखार के कारण यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्रीमती गांधी को हल्के बुखार की शिकायत हुई है और उन्हें डॉक्टरों की सलाह पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनका स्वास्थ्य स्थिर बताया गया है और उनको देख रहे डॉक्टर बराबर उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं।

आठ नक्सलियों ने किया सरेंडर, छह किए गिरफ्तार

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस के समक्ष आठ नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया, जबकि छह नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सरेंडर नक्सली कटेकल्याण एरिया कमेटी से जुड़कर काम कर रहे थे। इनमें 2 नक्सलियों पर इनाम भी घोषित है। गिरफ्तार नक्सलियों में एक दम्पती भी शामिल है। इनकी गिरफ्तारी गोन्डेरास के जंगल से डीआरजी व बस्तर फाइटर्स की टीम ने की है।

ओडिशा में बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के छह जिलों में बिजली गिरने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और तीन लोग झुलस गए। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय (एसआरसी) कार्यालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि खुर्दा में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, बलांगीर में दो, अंगुल, बौध, जगतसिंहपुर और ढेंकनाल जिले में क्रमशः एक-एक की मौत हुई है।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में जवान ने खुद को मारी गोली

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि बिहार का सीआरपीएफ जवान बनिहाल-काजीगुंड सुरंग पर तैनात था। उन्होंने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। उन्हें तुरंत बनिहाल शहर के एक उप-जिला अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अरुणाचल विधानसभा का सत्र आज से

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा का सत्र चार दिवसीय बैठक के लिए सोमवार से शुरू होगा। राज्य सरकार द्वारा तीन महत्वपूर्ण विधेयक और एक विपक्षी विधायक द्वारा एक निजी विधेयक पेश किया जाएगा। नगर नियोजन मंत्री कामलुंग मोसांग अरुणाचल प्रदेश हवाईअड्डा क्षेत्र, योजना और विकास प्राधिकरण विधेयक, 2023 लाएंगे।

जी-20 सम्मेलन की सुरक्षा करेगा 'नेत्र' एयरक्राफ्ट

■ दिल्ली के हवाई क्षेत्र की करेगा निगरानी ■ 9 और 10 सितम्बर को होगा सम्मेलन

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को होने वाली जी-20 सम्मेलन में अमेरिका और फ्रांस के राष्ट्रपति समेत ब्रिटेन और जापान के प्रधानमंत्री भी आएंगे। भारत विदेशी मेहमानों की सुरक्षा के लिए पुख्ता व्यवस्था कर रहा है। भारतीय वायुसेना हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए स्वदेशी सर्विलांस और मॉनिटरिंग एयरक्राफ्ट 'नेत्र' तैनात करने की तैयारी कर रही है। वायुसेना का यह एयरक्राफ्ट फरवरी 2019 में बालाकोट स्ट्राइक के समय भी चर्चा में था। तब पाकिस्तानी एफ-16 लड़ाकू विमानों की निगरानी के लिए इसे तैनात किया गया था। दिल्ली की हवाई सुरक्षा के लिए मिसाइलें भी तैनात की जाएंगी। सेना के हेलिकॉप्टर एयर पेट्रोलिंग करेंगे। इनमें एनएसजी कमांडो रहेंगे। समारोह स्थल के आसपास बड़ी और ऊंची इमारतों पर सेना और एनएसजी तैनात होंगे। पहली बार एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है, यानी समिट के दौरान पतंग भी नहीं उड़ेगी। समिट की सुरक्षा के लिए दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरे भी लगाए गए हैं। कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखने पर ये कैमरे तुरंत सुरक्षा अधिकारी को अलर्ट मैसेज भेज देंगे। जहां विदेशी मेहमान ठहरेंगे, वहां एंटी ड्रोन सिस्टम और बुलेट प्रूफ शीशे लगवाए गए हैं।

थाली में होगा स्ट्रीट फूड व मिलेट्स

सम्मेलन के लिए आ रहे विश्व नेताओं को चांदनी चौक के स्पेशल फूड और

मिलेट्स के अलावा स्ट्रीट फूड परोसा जाएगा। जी-20 इंडिया के विशेष सचिव मुक्तेश परदेशी के मुताबिक शिखर सम्मेलन के लिए 10 हजार से ज्यादा लोगों के दिल्ली आने की उम्मीद है।

बुलेट-प्रूफ कारें मंगाई गईं

जी-20 सम्मेलन के लिए केंद्र सरकार ने लेफ्ट हैंड ड्राइव कारें मंगाई हैं। ये गाड़ियां बुलेट-प्रूफ होंगी और इनका इस्तेमाल विदेशी मेहमानों को लाने-ले जाने के लिए किया जाएगा। सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स के 450 जवानों को इन कारों को चलाने की ट्रेनिंग दी गई है।

पुलिस ने फिर की फुल ड्रेस रिहर्सल

दिल्ली पुलिस ने जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर शनिवार की तरह रविवार को भी पूरी वर्दी में अभ्यास किया और इस दौरान राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों से आए कार के काफिलों को सुरक्षा प्रदान करते हुए अन्य स्थानों तक पहुंचाया गया। इस दौरान पुलिस ने लोगों से कहा है कि वे हेल्प डेस्क पर बताए गए यातायात सुझावों का पालन करें।

जी-20 बैठकों को लेकर चीन की आपत्ति खारिज

■ प्रधानमंत्री मोदी बोले, देश के हर हिस्से में बैठक होना स्वभाविक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि यह स्वभाविक है कि जी-20 की बैठकें देश के हर हिस्से में आयोजित होंगी। प्रधानमंत्री ने चीन की उन आपत्तियों को खारिज कर दिया, जिनमें चीन ने अरुणाचल प्रदेश और कश्मीर में जी-20 बैठकों का आयोजन होने पर नाराजगी जताई थी। भारत की अध्यक्षता में जम्मू कश्मीर और अरुणाचल प्रदेश समेत कई जगहों पर जी-20 की बैठकें आयोजित की गईं। भारत की संस्कृति और विविधता को दर्शाने के लिए सरकार ने देश के अलग-अलग हिस्सों में जी-20 की बैठकें आयोजित की थी। ये बैठकें अरुणाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में भी आयोजित की गईं थी। इस पर चीन और पाकिस्तान ने आपत्ति जताई थी क्योंकि चीन अरुणाचल प्रदेश को और पाकिस्तान जम्मू कश्मीर को 'विवादित' मानते हैं। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने चीन, पाकिस्तान की आपत्तियों को खारिज करते हुए कहा कि 'यह सवाल उस वक्त वैध होता अगर हमने उन जगहों पर बैठकें करने से परहेज किया होता।

खड़गे ने कल विपक्षी दलों की बैठक बुलाई

■ संसद के विशेष सत्र को लेकर बनेगी रणनीति

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। संसद के विशेष सत्र से पहले कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने पांच सितंबर को अहम बैठक बुलाई है। बैठक में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सांसदों को बुलाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में विपक्षी दल 18 से 22 सितंबर तक होने वाले आगामी विशेष सत्र के लिए अपनी रणनीति तय करेंगे। बैठक खड़गे ने राजाजी मार्ग स्थित अपने आवास पर बुलाई है। संसद के इस विशेष सत्र के एजेंडे के बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। हालांकि, यह सत्र 9 और 10 सितंबर को राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर बैठक के कुछ दिनों बाद आयोजित होने जा रहा है। जोशी ने कहा कि संसद के इस विशेष सत्र में पांच बैठकें होंगी। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि अमृत काल के बीच आयोजित होने वाले इस विशेष सत्र के दौरान संसद में सार्थक चर्चा को लेकर आशान्वित हैं।

सरकार ने 18 से बुलाया है विशेष सत्र

एक देश एक चुनाव की चर्चा के बीच केंद्र सरकार ने संसद का पांच दिन विशेष सत्र बुलाया है। यह 18 सितंबर से शुरू होकर 22 सितंबर तक चलेगा। यह 17वीं लोकसभा का 13वां और राज्यसभा का 261वां सत्र होगा। इसमें 5 बैठकें होंगी। इस सत्र को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं। यह सत्र क्यों बुलाया गया है, इसे लेकर सरकार की तरह से अभी कोई बयान नहीं आया है।

महाराष्ट्र सरकार ने बातचीत के लिए खोले दरवाजे

जालना (महाराष्ट्र), 3 सितम्बर (एजेंसियां)। पिछले तीन दिनों से राज्य में मराठा अशांति के व्यापक प्रभाव से परेशान महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को आंदोलनकारी समूहों के साथ बातचीत के लिए दरवाजे खोल दिए हैं, क्योंकि संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रदर्शनकारियों को समर्थन दिया है। मराठों के लिए शिक्षा और नौकरी में कोटा सुनिश्चित करने के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सार्वजनिक आश्वासन के बाद डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भूख हड़ताल का नेतृत्व कर रहे मराठा क्रांति मोर्चा के नेता मनोज जारंगे को फोन किया और कहा कि सरकार प्रदर्शनकारियों पर पुलिस लाठीचार्ज का समर्थन नहीं करती है। शुक्रवार शाम को जालना में हिंसा भड़क उठी थी, इसके बाद भाजपा मंत्री गिरीश महाजन और विधायक नितेश एन. राणे अंतरावली-सरती गांव में प्रदर्शनकारियों से मिलने उनके टैंट में पहुंचे। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से अलग हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार को हिंसा की पूरी जांच के आदेश देने पड़े। समझा जाता है कि राज्य सरकार की ओर से महाजन ने मराठों के साथ बातचीत का प्रस्ताव पेश किया है, बशर्ते मराठा पहले भूख हड़ताल खत्म कर दें। हालांकि, जारांगे की प्रतिक्रिया स्पष्ट नहीं थी, लेकिन एक मराठा नेता ने कहा कि वे अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी समूहों के बीच परामर्श करेंगे। महाराष्ट्र संयुक्त किसान मोर्चा के नेता डॉ. अशोक धवले ने मंगलवार को मुंबई में संगठन के सम्मेलन से पहले प्रदर्शनकारी मराठों पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है।

मराठा आंदोलन

■ महाराष्ट्र संयुक्त किसान मोर्चे ने आंदोलन का किया समर्थन

एक देश-एक चुनाव पर बोले राहुल

यह भारतीय संघ पर हमला है

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। 'एक देश-एक चुनाव' के मुद्दे पर राजनीति गर्मा गई है। इस मुद्दे पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इंडिया यानी भारत, यह राज्यों का संघ है। 'वन नेशन-वन इलेक्शन' का आइडिया संघ और राज्यों पर हमला है। सरकार का यह कदम पूरी तरह से देश की संघीय प्रणाली के विरुद्ध है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार चाहती है कि लोकतांत्रिक भारत धीरे-धीरे तानाशाही में तब्दील हो जाए। 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर कमेटी बनाने की यह नौटंकी भारत के संघीय ढांचे को खत्म करने का हथकंडा है। 2024 में लोगों के पास 'वन नेशन वन सॉल्यूशन' है- भाजपा के कुशासन से छुटकारा पाना।

■ खड़गे बोले, लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहती है मोदी सरकार

सरकार का यह कदम पूरी तरह से देश की संघीय प्रणाली के विरुद्ध है : राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

सरकार ने बनाई है 8 सदस्यीय कमेटी

'एक देश-एक चुनाव' के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनाई गई समिति के लिए सरकार ने शनिवार को आठ सदस्यों का नाम जारी किया। इनमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और राज्यसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी का नाम शामिल है। कांग्रेस ने इस समिति को संसदीय लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश बताया।

कोविंद से मिले कानून मंत्रालय के अधिकारी

देश में एक साथ चुनाव कराने की संभावना पर बनाई गई समिति सक्रिय हो गई है। शीर्ष अधिकारियों ने समिति के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को प्रारंभिक जानकारी दे दी है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय कानून मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने रविवार को पूर्व राष्ट्रपति से मुलाकात की। कोविंद लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, स्थानीय निकायों के एक साथ चुनाव कराने की संभावना पर और इस सिलसिले में सिफारिशों के लिए बनाई गई उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष हैं।

इसरो ने आदित्य एल1 को अगली कक्षा में भेजा

■ 5 सितम्बर को फिर बदली जाएगी कक्षा

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। इसरो के वैज्ञानिकों ने रविवार को आदित्य एल 1 स्पेसक्रॉफ्ट की ऑर्बिट बढ़ाई। अब ये पृथ्वी की 245 किमी × 22459 किमी की कक्षा में आ गया है। यानी उसकी पृथ्वी से सबसे कम दूरी 245 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 22459 किमी है। इसरो ने बताया कि अब 5 सितंबर को दोपहर करीब 3 बजे एक बार फिर आदित्य की कक्षा बढ़ाई जाएगी। इसके लिए कुछ देर इंजन फायर करने पड़ेंगे। आदित्य को 2 सितंबर को लॉन्च किया गया था। लॉन्चिंग के 63 मिनट 19 सेकेंड बाद स्पेसक्राफ्ट को पृथ्वी की 235 किमी × 19500 किमी की कक्षा में स्थापित कर दिया था।

4 महीने बाद लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा

करीब 4 महीने बाद यह 15 लाख किमी दूर लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। इस पॉइंट पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज पर आसानी से रिसर्च की जा सकती है। लैगरेंज पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमैटीशियन जोसेफी-लुई लैगरेंज के नाम पर रखा गया है। इसे बोलचाल में रु नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्यूगल फोर्स बन जाती है।

उदयनिधि स्टालिन ने 'सनातन धर्म' पर की विवादित टिप्पणी

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। 'सनातन धर्म' पर विवादास्पद बयान को लेकर तमिलनाडु के मंत्री और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ दिल्ली पुलिस में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गई हैं।

ये शिकायतें सुप्रीम कोर्ट के वकील विनीत जिंदल और हिंदू सेना प्रमुख विष्णु गुप्ता ने दायर की हैं। जिंदल ने आरोप लगाया कि उदयनिधि मारन के भाषण में सनातन धर्म के खिलाफ भड़काऊ और अपमानजनक, टिप्पणियां थीं। जिंदल ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन के बयानों से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, जिन्होंने सनातन धर्म की तुलना मच्छरों, डेंगू, मलेरिया और कोरोना से की थी और इसके उन्मूलन का आह्वान किया था। शिकायतों में कहा गया है कि ये टिप्पणियां सनातन धर्म के प्रति घृणा प्रदर्शित करती हैं और तमिलनाडु सरकार में विधायक और मंत्री उदयनिधि मारन पर जानबूझकर धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है।

■ दिल्ली पुलिस में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गई हैं

इंफाल से अंतिम 10 कुकी परिवार भी निकले

■ जबरन निकालने का लगाया आरोप

इंफाल, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। मणिपुर में 3 मई से जारी हिंसा के 4 महीने पूरे हो चुके हैं।

मणिपुर हिंसा

इस बीच खबर है कि इंफाल घाटी में रह रहे अंतिम 10 कुकी परिवार भी चले गए हैं। इनका आरोप है कि उन्हें जबरन निकाला गया। सरकार की तरफ से इन कुकी परिवारों को 2 सितंबर को कांगपोकपी जिले में शिफ्ट किया गया। वहीं, एक अफसर का कहना है कि कांगपोकपी जिला कुकी समुदाय बहुल है, ऐसे में वे सुरक्षित रहेंगे। इन परिवारों को कांगपोकपी के मोटबंग ले जाया गया है। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से जारी हिंसा में अब तक 170 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

राजनीति कर्ज के बोझ तले दबा मध्यप्रदेश

भाजपा व कांग्रेस में मुफ्त घोषणाओं की होड़

भोपाल, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले, मुख्य प्रतियोगी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस मुफ्त की राजनीति की सीमाओं का परीक्षण कर रहे हैं। जहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ भाजपा मतदाताओं को लुभाने के लिए राज्य में एक के बाद एक मुफ्त या नकद प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा कर रही है, वहीं कांग्रेस भी चुनाव जीतने के लिए कई आकर्षक वादे कर रही है। कमल नाथ के नेतृत्व वाली राज्य कांग्रेस ने 'पांच गारंटियों' महिलाओं के लिए नकद हस्तांतरण (1,500 रुपए मासिक), 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर, पुरानी पेंशन योजना का कार्यान्वयन, रियायती बिजली और कृषि ऋण में छूट के साथ भाजपा के खिलाफ चुनावी लड़ाई में कदम रखा है भाजपा, जिसे अपनी 'लाडली बहना योजना' से बहुत उम्मीदें हैं कि विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले

घोषित हर महीने 1000 रुपए देने की महिला-केंद्रित नकद प्रोत्साहन योजना, सब्सिडी वाली बिजली के साथ 450 रुपए में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की पेशकश लेकर आई है। लाडली बहना योजना की घोषणा के ठीक तीन महीने बाद, मुख्यमंत्री चौहान ने अब अक्टूबर में योजना के तहत भुगतान की जाने वाली प्रोत्साहन राशि को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 1,250 रुपए करने की घोषणा की है। कांग्रेस अपने पांच 'वचनों' (वादों) के साथ उन परीक्षित योजनाओं पर दांव लगा रही है, जिनका उसने वादा किया था और कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में सत्ता में आने के बाद उसे लागू किया था। मध्य प्रदेश पर वर्तमान में 23,011 करोड़ की पेंशन देनदारी है, जो एक शोध रिपोर्ट के अनुसार 2030-31 तक 69,062 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। व्यावसायिक विशेषज्ञों ने रेखांकित किया कि वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान सहित राज्य का प्रतिबद्ध व्यय, 2016-17 और 2021-22 के दौरान राजस्व प्राप्तियों के 32 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हो गया।

■ मध्य प्रदेश पर 23,011 करोड़ रुपए की देनदारी
■ भाजपा को लाडली बहना योजना में उम्मीदें
■ कांग्रेस ने भी जनता को दी 'पांच गारंटियां'

देश

उवाच

एक राष्ट्र एक चुनाव बहुदलीय संसदीय लोकतंत्र और संघवाद के लिए एक आपदा होगा। यह स्पष्ट है कि यह पैनल सिर्फ एक औपचारिकता है और सरकार पहले ही इस पर आगे बढ़ने का फैसला कर चुकी है।

-असदुद्दीन ओवैसी,एआईएमआईएम अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	36.0	28.0
मुंबई	28.0	27.0
कोलकाता	32.0	27.0
चेन्नई	28.0	27.0

अवसरवादियों से हिसाब लेगी जनता

भोपाल,3 सितम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर कांग्रेस नेता और एमपी चुनाव

- **मप्र में भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर कांग्रेस ने बोला हमला**
- **जन आशीर्वाद यात्रा को बताया जन धोखा व धन लूट की अवसरवाद यात्रा**

प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने बड़ा हमला बोला है। सुरजेवाला ने जन आशीर्वाद यात्रा को जन धोखा और धन लूट की अवसरवाद यात्रा बताया। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस चुनाव प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने भोपाल में मीडिया से बातचीत में जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर कहा कि शिवराज सिंह चौहान वोट नहीं माफी मांगो। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पर निशाना साधते हुए कहा कि नड्डा आप जवाब दीजिए 18 सालों में मध्य प्रदेश को क्यों बर्बाद किया। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जनता धोखेबाजों से हिसाब क्यों ना ले। जनता अवसरवादियों को क्यों आशीर्वाद दें।

नड्डा का आना भाजपा जाने का शुभ संकेत

जेपी नड्डा के दौरे पर सुरजेवाला ने कहा कि जेपी नड्डा को अपने गृह प्रांत में उन्हें उनके लोगों ने ही धूल चटवाई है कांग्रेस की सरकार बनवाई है। जेप नड्डा का आना भाजपा के जाने का शुभ संकेत है। सुरजेवाला ने कहा कि किसानों की आमदनी को करने के लिए जन आशीर्वाद, किसान आज सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। 20 हजार 489 किसानों की आत्महत्या के लिए आपको आशीर्वाद दें।

भ्रष्टाचार व अत्याचार है तब भी भाजपा को माफी नहीं वोट की दरकार है : रणदीप सुरजेवाला

4 लाख 22 हजार करोड़ के कर्ज में प्रदेश को दवा देने के लिए आपका आशीर्वाद दें। क्या 50 प्रतिशत की सरकार चलाने के लिए आशीर्वाद दें। 58000 बहन बेटियों बहुओं के साथ बलात्कार करने के लिए आशीर्वाद दें। क्या 67 हजार बच्चियों के अपहरण के लिए आशीर्वाद दें। व्यापम से लेकर पटवारी तक भर्ती परीक्षाओं में 75 लाख नौजवान के भविष्य को बर्बाद करने के लिए आशीर्वाद दें। क्या महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार के लिए आशीर्वाद दें। आदिवासी लोगों पर अत्याचार और पेशाब करने के लिए क्या आशीर्वाद दें। 3 लाख से ज्यादा आदिवासी भाइयों के पट्टे खारिज करने के लिए आपको आशीर्वाद दें। दलित अत्याचार में प्रदेश को देश में नंबर वन बनाने के लिए आशीर्वाद दें। 29000 से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद करवाने के लिए आपको आशीर्वाद दें या लाखों बच्चों को स्कूल से निकाल देने के लिए आशीर्वाद दें। सूरजेवाला ने कहा कि अल्प वर्षा के चलते किसानों की फसलें खराब हो रही हैं बिजली के लिए हाहाकार मचा है। भ्रष्टाचार और अत्याचार है तब भी बीजेपी को माफी नहीं वोट की दरकार है। आपकी पाप की राजनीति का घड़ा भर गया है आप झोला उठाइए और जाइए क्योंकि अब मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आ रही है।

सिंधिया समर्थकों के कांग्रेस में शामिल होने पर सुरजेवाला ने कहा कि क्या यह नहीं दर्शा रहा है कि भाजपा बिखर रही है मध्य प्रदेश में भाजपा टूट रही है। शिवराज सिंह चौहान पैनिक मोड में हैं। इसलिए आनन फानन में प्रदेश की संपत्ति कर्ज में रखकर कुछ भी घोषणा करते जा रहे हैं। उन्हें भी मालूम है कि 2 महीने से ज्यादा वह चला नहीं सकते हैं।

भाजपा को आशीर्वाद में नहीं मिलेगा जनता का वोट : कमलनाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी जन आशीर्वाद यात्रा निकाल रही है। इस पर तंज कसते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि भाजपा कुछ भी कर ले, उसे जनता का वोट रूपी आशीर्वाद हासिल नहीं होगा। जन आशीर्वाद यात्रा को लेकर कमलनाथ ने कहा है, आज भाजपा को 'जन आशीर्वाद यात्रा' करके जनता तक जाने की जरूरत इसलिए पड़ रही है क्योंकि उनके काम जनता तक नहीं पहुंचे। अगर भाजपा जनता के बीच 'क्षमाप्रार्थी' बनकर जाएगी तो आशा है मध्य प्रदेश की बड़े दिलवाली जनता औपचारिकतावश उनकी यात्रा को पानी तो पिला दे, लेकिन भाजपा को वोट रूपी आशीर्वाद जनता फिर भी नहीं देगी। कमलनाथ ने आगे कहा मप्र को पिछले 20 सालों में पीछे धकेलने के बाद क्या अब भाजपा का अपराध बोध जागा है जो जनता के बीच जा रही है। दो दशकों में तो मप्र इतना शक्तिशाली हो जाना चाहिए था कि जनता को लुभाने के लिए झूठी घोषणा-पर-घोषणा नहीं करनी पड़ती। कमलनाथ ने कहा है कि मप्र में भाजपा दो रिकार्ड बनाने जा रही है उनमें एक है सबसे ज्यादा झूठी घोषणाओं का और दूसरा है सबसे ज्यादा वोटों से हारने का।

अरुणाचल विधानसभा का सत्र आज से

ईटानगर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा का सत्र चार दिवसीय बैठक के लिए सोमवार को यहां विधानसभा कक्ष में शुरू होगा। सदन में अन्य कामकाज के अलावा, राज्य सरकार द्वारा तीन महत्वपूर्ण विधेयक और एक विपक्षी विधायक द्वारा एक निजी विधेयक पेश किया जाएगा। सत्र की शुरुआत अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मंत्रियों करदु ताइपोदिया, नीलम ताराम और चाउ तेवा मीन के सम्मान में श्रद्धांजलि के साथ होगी, जिनका हाल ही में निधन हो गया। नगर नियोजन मंत्री कामलुंग मोसांग अरुणाचल प्रदेश हवाई अड्डा क्षेत्र, योजना और विकास प्राधिकरण विधेयक, 2023 लाएंगे। इस विधेयक का उद्देश्य एक विवाह को बढ़ावा देना, पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करना और राजनीतिक क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी है। पासीघाट पश्चिम के विधायक ने कहा कि एक पति या पत्नी वाले व्यक्तियों के लिए पात्रता को सीमित करके हमारा लक्ष्य एकल वैवाहिक रिश्ते के प्रति अखंडता और प्रतिबद्धता के सिद्धांतों को बनाए रखना है।

एनआईए ने तीन दशक से फरार दो और आतंकी पकड़े

जम्मू,3 सितम्बर (एजेंसियां)। तीन दशक से फरार दो और आतंकियों को एसआईए ने गिरफ्तार किया है। दोनों ने पाकिस्तान में हथियारों की ट्रेनिंग ली थी। नब्बे के दशक में डोडा में आतंकवाद में दोनों की सक्रिय भागीदारी रही है। पिछले तीन दिन में डोडा में 10 भगोड़े आतंकियों को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है। पकड़े गए भगोड़े आतंकियों में से ज्यादातर डोडा के रहने वाले हैं। इस बीच डीजीपी दिलबाग सिंह ने दावा किया है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं में जबर्दस्त कमी आई है। हम बचे हुए आतंकवाद को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं।

- **दोनों ने पाक में ली थी हथियारों की ट्रेनिंग**

पकड़े गए दोनों आतंकियों की शिनाख्त घाट गांव निवासी फिरदौस अहमद वानी व भारत गांव के खुर्शीद अहमद मलिक के रूप में हुई है। एसआईए की ओर से जम्मू कश्मीर को आतंकवाद मुक्त बनाने की दिशा में भगोड़े आतंकियों को चिह्नित करने तथा उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने का विशेष अभियान चलाया गया है ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। एसआईए ने आतंकवाद की 327 घटनाओं में शामिल रहे 734 भगोड़े आतंकियों की जानकारी हासिल की है। इनमें 417 कश्मीर और 317 जम्मू के हैं। अब तक इनमें से 369 आतंकियों की शिनाख्त की जा चुकी है। इनमें 215 जम्मू व 154 कश्मीर के हैं। जिन आतंकियों की शिनाख्त हुई है उनमें 80 की मौत हो चुकी है। 45 आतंकी पाक तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में रह रहे हैं। चार जेल की सलाखों के पीछे हैं। इसी वर्ष राजोरी के ढांगरी में हुए हिंदुओं के नरसंहार मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हमले के दो मास्टरमाइंड हाजी निसार अहमद उर्फ निसार अली और मुश्ताक हुसैन को गिरफ्तार किया है। दोनों पुंछ जिले के मेंढर के रहने वाले हैं। दोनों ने अपने घर से 2 किमी दूर जंगल में नरसंहार को अंजाम देने वाले आतंकियों के लिए आतंकी ठिकाना बनाया हुआ था। दोनों आतंकी संगठन लश्कर ए ताइबा के लिए काम करते हैं। आतंकियों को हथियार, पैसा, खाने-पीने का सामान और अन्य चीज इन्हीं दोनों ने मुहैया करवाई थी।

सार संक्षेप

केदारनाथ मंदिर के पीछे हुआ हिमस्खलन

रुद्रप्रयाग/देहरादून। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद के अंतर्गत, स्थित विश्व विख्यात भगवान शंकर के ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के ठीक पीछे रविवार सुबह हिम स्खलन हो गया व बर्फीला तूफान चला। समाचार लिखे जाने तक किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन केंद्र प्रभारी नंदराम रजवार ने बताया कि रविवार प्रातः 7:00 बजे केदारनाथ मंदिर के पीछे लगभग तीन से चार किमी की दूरी पर सरस्वती नदी के उदगम स्थल की ओर एवलांच फॉल की सूचना प्राप्त हुई। किसी भी प्रकार की क्षति की सूचना प्राप्त नहीं हुई है और न हीं सरस्वती नदी के जलस्तर में बदलाव आया है। सभी टीमों को अलर्ट मोड पर रख दिया गया है।

ओडिशा में बिजली गिरने से दस लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के छह जिलों में बिजली गिरने से कम से कम दस लोगों की मौत हो गई और तीन लोग झुलस गए। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय कार्यालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि खुर्दा में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, बलांगीर में दो, अंगुल, बौध, जगतसिंहपुर और ढेंकनाल जिले में क्रमश- एक-एक की मौत हुयी है। इन जिलों में शनिवार को दो घंटे से अधिक समय तक भारी बारिश हुई और बिजली गिरी। हादसों में तीन लोग झुलस गए जिन्हें खुर्दा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चोरी के शक में युवकों को उल्टा लटका कर पीटा

हैदराबाद। तेलंगाना के मनचेरियल जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। चोरी के संदेह में एक दलित सहित दो युवकों को उल्टा लटका कर पीटा गया। हैदराबाद से तीन सौ किमी दूर मनचेरियल जिले के मंदामरि में हुई। पीड़ितों को न सिर्फ उल्टा बांधा गया बल्कि उनके नीचे आग भी जलाई गई और दोनों की पिटाई की गई। प्रताड़ना का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर सामने आया। भेड़ फार्म में काम कर रहे तेजा और उसके दलित दोस्त किरण को मालिक और उसके परिवार के सदस्यों ने पकड़ लिया और शेड में उल्टा बांध दिया।

एसटीएफ ने 41.16 लाख मूल्य के नकली नोट किए जब्त

भुवनेश्वर। ओडिशा स्पेशल टास्क फोर्स ने सोनपुर जिले से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से 41.16 लाख रुपए से अधिक के नकली भारतीय मुद्रा नोट जब्त किए हैं। एसटीएफ सूत्रों ने कहा कि एफआईसीएन की छपाई और प्रसार करने वाले एक संगठित गिरोह के खिलाफ एक अभियान के तहत एक सितम्बर को उलुंडा, सोनपुर के पास छापेमारी की गई थी।

केरल में ओणम का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन

तिरुवनंतपुरम, 3 सितम्बर (एजेंसियां) केरल में पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित ओणम समारोह शनिवार की शाम यहां रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हो गया। राज्य के पर्यटन मंत्री पीए मोहम्मद रियास ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ऐतिहासिक कनककुन्नु पैलेस के विकास के लिए छह करोड़ रुपए लागत वाली परियोजना शुरू करेगी। इस परियोजना में कनककुन्नु में एक संग्रहालय और एक सभागार की स्थापना की जाएगी। समारोह में स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री वीना जॉर्ज, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री आर अनिल, परिवहन मंत्री एंटनी राजू तथा अन्य गणमान्य हस्तियां मौजूद रही। ओणम समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समापन समारोह में पुरस्कार दिए गए। इससे पहले राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में देश एवं राज्य की विविध कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलकियां पेश की गईं। प्रतियोगिता में लगभग 3,000 कलाकारों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गत 27 अगस्त को समारोह का उद्घाटन किया था।

गैस सिलेंडर के दाम में की गई कटौती चुनावी स्टंट : कांग्रेस

रांची, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार अमीरों को और अमीर एवं गरीबों को और गरीब बना रही है। ठाकुर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एलपीजी सिलेंडर सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में अत्यधिक वृद्धि के कारण आमजनों की पीड़ा की कभी परवाह नहीं की लेकिन वर्षों बाद चुनाव के नजदीक आने पर उन्हें जनता की दर्द का अहसास हुआ और रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 200 रुपए कम कर दी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए की कटौती मोदी सरकार द्वारा आगामी दिनों में 5 राज्यों में होने वाले चुनाव तथा उसके बाद लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को लुभाने का एक राजनीतिक स्टंट है। गैस सिलेंडर अब भी 960 रुपए है, मगर भाजपा यह ढोल पीट रही है कि गैस सिलेंडर सस्ता हो गया है। मोदी सरकार द्वारा गैस सिलेंडर सस्ता नहीं हुआ है बल्कि महंगाई का बेंचमार्क बदल दिया गया है। वर्तमान केंद्र सरकार द्वारा जनता की हालत ऐसी कर दी गई है कि 'प्यास से गला सूख जाए फिर दो बूंद पानी पिला कर कहो कि सबको पानी मिल गया है, प्यास से राहत मिल गई है'।

- **पिछले साढ़े नौ वर्षों में ईंधन में टैक्स से सरकार ने की 30 लाख करोड़ की मुनाफाखोरी**

ठाकुर ने कहा कि पिछले साढ़े 9 वर्षों में ईंधन में टैक्स द्वारा मोदी सरकार ने 30 लाख करोड़ की मुनाफाखोरी की है। रसोई गैस की कीमत 2014 से लगातार बढ़ी है और पिछले 9 वर्षों में दोगुनी से ज्यादा हो गई है और 2020 से भाजपा सरकार ने सब्सिडी देना भी बंद कर दिया है। पिछले 2 दशकों में एलपीजी सिलेंडर की मूल्य वृद्धि पर बारीकी से नजर डालने पर हर मतदाता की आंखें खुल जाएंगी और एक साधारण व्यक्ति भी स्पष्ट रूप से समझ सकता है कि कीमतें केवल भाजपा शासन के दौरान ही बेरहमी से बढ़ाई गई है।

पिछले साढ़े 9 वर्षों में मोदी सरकार ने रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाकर 31.37 करोड़ लोगों को लूटा है, उन्होंने जनता की जेब से 8 लाख 33 हजार 640 करोड़ रूपयेसे ज्यादा की लूट की। सिर्फ हमारे उज्जवला बहनों से ही 2017 से अब तक मोदी ने अड़सठ हजार सात सौ, दो करोड़ रुपए से अधिक की लूट किए। प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई पर चिंता का विषय है। महंगी गैस, महंगा तेल, थोक और खुदरा महंगाई आजादी के बाद सर्वोच्च शिखर पर है। सत्ता की भूख में मोदी सरकार आम जनता की कमर तोड़ रही है, फिर भी महंगाई से देशवासियों को लूटने का कोई भी अवसर नहीं छोड़ रही है।

पेट्रोल 100 के पार डीज़ल 95 पार, रसोई गैस 960 रुपए , खाने का तेल 200 रुपए के पार। उन्होंने कहा कि आम जनता बेबस और लाचार है पर मोदी सरकार केवल अपने चंद पूंजीपति मित्रों के मुनाफे की सोच रही है।

अमीरों को और अमीर व गरीबों को और गरीब बना रही सरकार : राजेश ठाकुर

2014 की तुलना में अब भी गैस सिलेंडर 167.5 प्रतिशत महंगा

2014 से अब तक मोदी सरकार द्वारा गैस सिलेंडर के दाम में 185 प्रतिशत की वृद्धि की गई, और अभी घटाया कितना गया मात्र 17.5 प्रतिशत। अर्थात 2014 की तुलना में अब भी गैस सिलेंडर 167.5 प्रतिशत महंगा है। आम जनता के खरीदने की क्षमता के अनुसार हमारे देश में दुनिया में सबसे महंगा सिलेंडर बिक रहा है। कितनी दीवाली, होली, रक्षाबंधन बीत गए और गैस सिलेंडर का दाम बढ़ता ही गया। जिन्होंने रसोई गैस में जनता को लूटा उनके द्वारा रक्षा बंधन के नाम पर माता-बहनों को राहत देने का नाटक किया जा रहा है। जिनका रिकॉर्ड है चुनाव के बाद लगातार दाम बढ़ाने का वो चुनाव से पहले थोड़ा दाम घटा के बड़ी राहत देने की ढोल पीट रहे हैं। देश की जनता भाजपा की मोदी सरकार के रग-रग से वाकिफ हो चुकी है, अब इनके कोई भी झांसे में नहीं फंसने वाली है।

भाजपा का चरित्र षड्यंत्रकारी : अखिलेश

लखनऊ, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा का चरित्र षड्यंत्रकारी है। प्रलोभन से वह अपनी सत्ता की भूख पूरी करना चाहती है। लूट और भ्रष्टाचार का बोलबाला है और कानून का राज चौपट है। वन ट्रिलियन डॉलर का झूठ फैलाकर जनता को झांसा दिया जा रहा है। भाजपा की इन चालों से सतर्क रहना है। अखिलेश ने प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में एकत्र कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का सत्ता से बाहर हो जाना तय है। जनता समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना चाहती है। समाजवादी पार्टी के साथ जनता है और जनता का सम्मान समाजवादी पार्टी और सरकार में ही सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने बिजली बनाई, भाजपा ने बिजली महंगी की और लोगों को धोखा दिया। भाजपा ने मंडी नहीं बनाई। अस्पतालों में दवा नहीं है।

- **महंगाई व चौपट कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल**

भाजपा सरकार में उद्योग नहीं लगे। विकास कुछ हुआ नहीं अपराधी बेलगाम हैं। भाजपा सरकार में महिलाओं का सम्मान नहीं है। सांड़ों के हमलों से राज्य में प्रतिदिन लोगों की जानें जा रही है। सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने कहा कि भाजपा को हराने के लिए बूथ स्तर तक समाजवादी पार्टी को मजबूती देने के लिए कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अभी से जुट जाएं। मतदाता सूची पर निगाह रखे। जनता को बताएं कि 10 साल में भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं किया। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटों पर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने का लक्ष्य लेकर चलना है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा का सत्ता से बाहर हो जाना तय : अखिलेश यादव

भाजपा सरकार की नीयत में विकास कार्य करना नहीं

अगर कोई जनप्रतिनिधि जनसहयोग से कुछ विकास करना चाहे तो उसकी जांच होने लगती है। अपने विपक्षियों को डराने और फर्जी केसों में फंसाने के लिए ईडी, सीबीआई पीछे लगा दी जाती है। जनता अब इस अत्याचारी भाजपा सरकार से छुटकारा पाना चाहती है। लोग सन् 2024 में भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सभी प्रत्याशियों को जीत दिलाएंगे।

महाराष्ट्र सरकार जनता की समस्याएं सुलझाने में असफल : पाटिल

कोल्हापुर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान परिषद में कांग्रेस नेता सतेज पाटिल ने बढ़ती महंगाई और आवश्यक वस्तुओं पर उच्च जीएसटी सहित लोगों की समस्याओं को हल करने में केंद्र और राज्य सरकारों पर असफल होने का आरोप लगाया। पाटिल ने कहा कि जनता में मौजूदा शिंदे-फड़नवीस-पवार सरकार के खिलाफ असंतोष है। कोल्हापुर जिला कांग्रेस ने पाटिल के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकारों की लक्ष्यहीन नीतियों से परेशान जनता को राहत देने के लिए जनसंवाद यात्रा शुरू की है।यह यात्रा कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले द्वारा घोषित राज्य स्तरीय आंदोलन के हिस्से के रूप में निकाली गई है। इसकी शुरुआत सुबह सात बजे जिले की चंदगढ़ तहसील के तंदुलवाड़ी गांव से हुई, जिसमें सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक, विशेषकर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग ले रही थीं।

बंगाल के राज्यपाल का फरमान

राजकीय विवि शिक्षा विभाग का निर्देश मानने के लिए बाध्य नहीं

कोलकाता, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी.आनंद बोस के कार्यालय द्वारा जारी ताजा अधिसूचना से राज्य विश्वविद्यालयों पर राज्य सरकार के अधिकार के स्तर को वस्तुत: शून्य पर लाने से गवर्नर हाउस और राज्य सचिवालय के बीच टकराव का एक और रास्ता खुल गया है। अधिसूचना में साफ तौर पर कहा गया है कि सभी राज्य विश्वविद्यालयों के फैकल्टी और नॉन फैकल्टी स्टाफ पहले चांसलर और फिर वाइस चांसलर के प्रति जवाबदेह हैं।

राज्यपाल स्वयं अपने पद के आधार पर सभी राज्य विश्वविद्यालयों के चांसलर भी होते हैं। राज्य सरकार राज्य विश्वविद्यालयों के अधिकारियों को निर्देश दे सकती है, लेकिन वे निर्देश विश्वविद्यालयों के अधिकारियों या कर्मचारियों के लिए बाध्यकारी नहीं हैं। अधिसूचना में यह भी बताया गया है कि राज्य सरकार या राज्य शिक्षा विभाग से किसी भी राज्य विश्वविद्यालय को कोई भी निर्देश तभी मान्य होगा जब उसे वाइस चांसलर द्वारा मंजूरी दे दी जाएगी। राज्यपाल ने 1 सितम्बर को घोषणा की कि वह राज्य विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में उन राज्य विश्वविद्यालयों के लिए अंतरिम वाइस चांसलर की भूमिका निभाएंगे जहां वर्तमान में कार्यात्मक प्रमुखों की कुर्सियां खाली हैं। इस फैसले की राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी। हालांकि, विपक्षी भाजपा ने इस कदम को राज्य सरकार द्वारा उन पर थोपे गए राजनीतिक निर्णयों से मुक्त विश्वविद्यालयों की स्वायत्त प्रकृति को सुरक्षित करने के लिए सही दिशा में एक कदम बताया है।

चिंता *वैष्णो देवी की यात्रा के आंकड़ों को लेकर श्राइन बोर्ड चिंतित*

उम्मीदों के अनुरूप वैष्णो देवी धाम में नहीं पहुंचे श्रद्धालु

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू,3 सितम्बर (देशबन्धु)। जो वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड इस साल वैष्णो देवी आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के एक करोड़ के आंकड़े को छूने की जो उम्मीद लगाए बैठा था वह अब पूरी होती नजर नहीं रही है जिस कारण वह अब चिंता में है। श्राइन बोर्ड की चिंता का कारण आने वालों की संख्या में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होना है।

इस साल अगस्त में पिछले साल के अगस्त महीने से 1.10 लाख कम श्रद्धालुओं के आने के कारण भी उसकी चिंता बढ़ी है। जबकि जुलाई तक 3 लाख से अधिक के कारण वह बहुत खुश था।

श्राइन बोर्ड द्वारा मुहैया करवाए गए आंकड़ों के मुताबिक, पिछले आठ महीनों में पिछले साल के मुकाबले डेढ़ लाख अधिक श्रद्धालु ही अभी तक वैष्णो देवी के दरबार में आए हैं। पिछले साल आठ महीनों में आने वालों की संख्या 63.81 लाख थी तो इस बार यह संख्या बढ़ कर 65.31 लाख हो चुकी है। जबकि पिछले पूरे साल में आने वालों का आंकड़ा 91.25 लाख था। जानकारी के लिए वर्ष 2023 के जनवरी माह में कुल 524189 श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे थे तो वहीं फरवरी माह में 414432 श्रद्धालु दर्शन को आए।

वहीं मार्च माह में 894650 अप्रैल माह में 1018540 मई माह में 995773 जून माह में 1195844 श्रद्धालु जुलाई माह में 776800 श्रद्धालु मां के दर पहुंचे थे। वर्ष 2022 के जनवरी माह में 438521 श्रद्धालु फरवरी माह में 361074 श्रद्धालु मार्च माह में 778669 श्रद्धालु अप्रैल माह में 902192 श्रद्धालु मई माह में 986766 श्रद्धालु जून माह में 1129231 श्रद्धालु जबकि जुलाई माह में 907542 श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे थे यानी कि वर्ष 2022 के पहले 7 माह में कुल 5503995 श्रद्धालु मां के दरबार हाजिर लगाने पहुंचे थे। और अगस्त में पिछले साल के मुकाबले 1.10 लाख श्रद्धालुओं के कम आने के कारण ही चिंता बढ़ी है। पिछले साल अगस्त में 8.77 लाख श्रद्धालु आए थे और इस वर्ष अगस्त में यह संख्या 7.10 लाख पर ही अटक गई। हालांकि अभी इस साल के 4 महीने बाकी हैं। जबकि आंकड़ों के बकौल, पिछले साल सितम्बर से दिसम्बर तक के अंत तक 27.43 लाख श्रद्धालु मां के दरबार में आए थे और अगर इस बार की यात्रा को एक करोड़ का आंकड़ा छूना है तो प्रतिदिन 30 हजार के करीब श्रद्धालुओं का आना जरूरी है। पर वर्तमान में आने वालों की संख्या के 12 से 15 हजार तक लुढ़क जाने के कारण श्राइन बोर्ड चिंता में है।

श्राइन बोर्ड की चिंता में बढ़ोतरी देश का राजनीतिक माहौल भी पैदा कर रहा है जिसमें यह चर्चा जारी है कि देश में समय से पहले लोकसभा चुनाव हो सकते हैं। श्राइन बोर्ड के एक अधिकारी के बकौल, अगर ऐसा हुआ तो पिछले साल के आंकड़े को भी छू पाना मुश्किल हो जाएगा।

- **इस साल अब तक 65.31 लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी के दरबार पहुंचे**

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

मरीज : डॉक्टर साहब ऑपरेशन पूरी सावधानी से करिएगा ?
डाक्टर : ऐसा क्यूं कहा ?
मरीज : क्यूंकि सर्जन और विसर्जन में बस जरा सा ही अंतर है ?
ऑपरेशन सही हुआ तो आप सर्जन और अगर हाथ हिल गया तो मेरा विसर्जन...

'सफाई व्यवस्था को लेकर प्रतिबद्ध'

■ जी-20 सम्मेलन को लेकर साफ-सफाई पर दिया गया विशेष ध्यान

नई दिल्ली,3 सितम्बर (देशबन्धु)। जी-20 के मद्देनजर एमसीडी ने 311 ऐप, 5 हजार कर्मचारी और 95 मशीनें लगाकर महज दो महीने में दिल्ली को चमका दिया है। नई तकनीक पर आधारित मशीनें लगाकर पहली बार दिल्ली में सफाई हो रही है। करीब 15 दिन पहले एमसीडी एप की नए सिरे से शुरुआत कर करीब 12 हजार शिकायतों का निस्तारण किया गया है। एमसीडी 311 ऐप पर शिकायत मिलते ही 24 घंटे में एमसीडी सफाई कर रही है। पहली बार कर्मचारियों को एक तारीख को तनख्वाह मिली, जिससे उत्साह के साथ सफाई कर्मचारी 24 घंटे मेहनत कर दिल्ली की सफाई कर रहे हैं। साथ ही दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने खुद एक-एक काम की मॉनिटरिंग की और समय-समय पर जरूरी सुधार के निर्देश दिए। एमसीडी की ओर से किए गए कार्यों की सिलसिलेवार

एमसीडी ने महज दो महीने में चमकाई राजधानी : शैली ओबरॉय

जानकारी देते हुए मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि जी-20 को लेकर सेंट्रल जोन में 1500, साउथ जोन में 1000, नजफगढ़ जोन में 1500, प्रगति मैदान के आसपास 250 सहित 12 हजार कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई है। पूरी दिल्ली में 55 हजार कर्मचारी व्यवस्था को संभाल रहे हैं। एमसीडी की 52 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें दिल्ली की सड़कों को साफ कर रही हैं। दिल्ली के राजघाट मार्ग, जवाहरलाल मार्ग, जू एरिया और भैरव मार्ग, विकास मार्ग, तिलक मार्ग की सफाई के लिए 250 से अधिक कर्मचारी लगाए गए हैं। कुतुब मीनार, दिल्ली छह, लाल किला सहित राजधानी के ऐतिहासिक स्थानों के आसपास के इलाकों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया है। निगम की आप सरकार ने एमसीडी-311 ऐप के जरिए 12 हजार से अधिक कूड़ा प्वाइंट को चिन्हित कर स्थायी तौर पर साफ किया है। नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि डोर टू डोर कूड़ा उठाने से लेकर सड़कों के सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई से संबंधित सभी कार्य पूरे हो चुके हैं। डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि दिल्ली में जी-20 के थीम पर हमने काबिले तारीफ पार्क बनाए हैं। जिसे देख कोई भी हैरान हो जाएगा। डॉ. शैली ओबरॉय ने जी-20 की तैयारियों को लेकर डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल और नेता सदन मुकेश गोयल के साथ आज महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। आम आदमी पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए मेयर ने कहा कि दिल्ली के लिए बड़े गर्व की बात है कि यहां जी-20 समिट का आयोजन होगा। इस वक्त पूरी दुनिया की नजर दिल्ली पर टिकी हुई हैं। जी-20 को लेकर तैयारियां भी लगभग पूरी हो चुकी हैं। दिल्ली सरकार और नगर निगम मेहमान नवाजी के लिए पूरी तरह तैयार है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में अब एमसीडी ने भी जी-20 के मद्देनजर जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। एमसीडी ने करीब 12 हजार से अधिक कुड़ा प्वाइंट (वनरेबल गार्बेज पॉइंट) को खत्म कर दिया है।

दिल्ली की सुनहरी याद लेकर जाएंगे विदेशी मेहमान : इकबाल

दिल्ली के डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली एमसीडी ने बहुत जल्दी काफी कुछ करके दिखा दिया है। जी-20 के लिए आने वाले विदेशी मेहमान पुरानी दिल्ली में मिर्जा गालिब की हवेली, टाउन हॉल, चांदनी चौक, जामा मस्जिद या दिल्ली छह के क्षेत्रों में घूमने आएंगे। क्योंकि ये ऐसी जगह है, जहां पूरी दुनिया घूमना चाहती है। इन जगहों का अपने-आप में एक इतिहास है।

निगम ने दिन-रात की मेहनत : मुकेश गोयल

एमसीडी के नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि जी-20 सम्मेलन को लेकर राजधानी दिल्ली पूरी तरह से तैयार है। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली की साफ-सफाई हो चुकी है। दिल्ली को साफ-सुथरा बनाने के लिए अरविंद केजरीवाल और निगम ने दिन-रात मेहनत की है। डोर टू डोर कूड़ा उठाने से लेकर सड़कों के सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई से संबंधित सभी कार्य पूरे हो चुके हैं। पिछले दिनों वर्षा के कारण जगह-जगह पर डेंगू और मलेरिया की बीमारी फैल रही थी। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने दिन रात मेहनत कर दिल्ली को साफ किया। इसके कारण डेंगू और मलेरिया जैसी सभी तरह की बीमारियां कंट्रोल में हो गई हैं, यह दिल्ली एमसीडी के लिए बड़ी बात है।

दिल्ली मुद्रा उत्सव का हुआ समापन, जनता में दिखा उत्सह

नई दिल्ली,3 सितम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली कॉइन सोसाइटी के सौजन्य से दिल्ली मुद्रा उत्सव का आयोजन किया गया। जिसे दिल्ली मुद्रा उत्सव के अध्यक्ष सुनील सिंघल सोनू के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

दिल्ली मुद्रा उत्सव 1, 2 व 3 सितंबर को दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी में दिल्ली नगर निगम की मेयर शैली ओबेरॉय ने शिरकत की। इस अवसर पर शैली ओबेरॉय ने दिल्ली मुद्रा उत्सव

के कार्य की सराहना की और कहा कि हमारे युवाओं को भी हमारे देश की धरोहर को संजोकर रखना चाहिए। दिल्ली मुद्रा उत्सव के इस भव्य आयोजन में सेक्रेटरी रवि गुप्ता, ट्रेजरर अरविंद दुबे, ज्वाइन सेक्रेटरी अनवीर अज़ीज़, असिस्टेंट ट्रेजरर अशोक कुमार जैन, एक्जीक्यूटिव मेंबर प्रदीप कुमार अग्रवाल, एच. एल. राय, कपिल गुप्ता, सैयद मोहम्मद असलम, रेनू गुप्ता, अरुण गुप्ता ने अपना भरपूर योगदान दिया। दिल्ली मुद्रा उत्सव के समापन समारोह में सांसद संजय सिंह, पूर्व सासंद जय प्रकाश अग्रवाल, अजय भाई जी, दिल्ली खाद्य मंत्री इमरान हुसैन सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

प्रगति मैदान के पास पटरी से उतरी ईएमयू ट्रेन

नई दिल्ली। पलवल से नई दिल्ली आ रही एक लोकल ईएमयू ट्रेन दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल प्रगति मैदान के पास रविवार सुबह पटरी से उतर गई। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पलवल-नई दिल्ली ईएमयू ट्रेन का पांचवां डिब्बा सुबह 9.47 बजे पटरी से उतर गया। उन्होंने कहा कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी के मुताबिक, ट्रेन में ज्यादा भीड़ नहीं थी। सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि ट्रेन डाउन मेन लाइन पर निजामुद्दीन और तिलक ब्रिज के बीच पटरी से उतर गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। रेलवे कर्मी मरम्मत के लिए पहुंच गए हैं। उत्तर रेलवे ने 300 से अधिक रेलगाड़ियों की सूची जारी की है, जिनकी सेवाएं 9-10 सितम्बर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के कारण प्रभावित रहेंगी।

बीमारी का जड़ से खात्मा करती हैं यूनानी दवाइयां : खान

नई दिल्ली। ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की ओर से यूनानी उपचार जनता के द्वार मिशन 2025 के तहत ललिता पार्क लक्ष्मी नगर में रविवार को 74वां नि-शुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 500 से ज्यादा मरीजों ने फायदा उठाया। इस मौके पर डॉ.सैयद अहमद खान ने कहा कि शिविर का बुनियादी मकसद लोगों को यूनानी चिकित्सा से लोगों को अवगत कराना और लाभान्वित करना है। यूनानी दवाइयां किसी भी तरह का नुकसान नहीं देती बल्कि बीमारी को जड़ से खात्मा करती हैं, इसलिए आज भी लोग यूनानी पर भरोसा करते हैं।

महापंचायत में ग्रामीणों ने दी हाउस टैक्स न देने की चेतावनी

नई दिल्ली,3 सितम्बर (देशबन्धु)। गांव में हाउस टैक्स के नोटिस देने, ग्रामीणों को मालिकाना हक नहीं देने, कृषि भूमि की म्यूटेशन बंद करने समेत करीब 12 मांगों और समस्याओं को लेकर दिल्ली के 360 गांव के ग्रामीणों ने रविवार को पीरा गढ़ी गांव में पालम 360 खाप की अगुवाई में महापंचायत हुई।

■ मांगे पूरी नहीं किए जाने पर एलजी व मुख्यमंत्री आवास का होगा घेराव : सोलंकी

महापंचायत की अध्यक्षता पालम 360 खाप के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने की। इस मौके पर ग्रामीणों ने एक स्वर में निर्णय लिया कि वह हाउस टैक्स जमा नहीं करेंगे। इसके अलावा 16 सितंबर तक उनकी मांगे नहीं माने जाने की स्थिति में वह उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। महापंचायत की अध्यक्षता करते हुए चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि आजादी के बाद से ही ग्रामीणों के साथ अन्याय होना शुरू हो गया था और यह सिलसिला लगातार जारी है, मगर अब ग्रामीण अपने साथ हो रहे अन्याय और अत्याचार को सहन नहीं करेंगे। वह उन सभी नियम और कानून को वापस कराने का कार्य करेंगे जो ग्रामीण विरोधी है।

इसके अलावा वह अपना हक प्राप्त करने के लिए भी पूरी ताकत लगाएंगे। उनकी कृषि भूमि अधिग्रहण करके उन्हें बेरोजगार कर दिया गया है। उनको आश्वासन देने के बावजूद न एक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी गई और न ही उनको वैकल्पिक प्लाट दिए गए।

गांवों में दी जाए समस्त सुविधा

सरकार से मांग की कि जैसे स्मार्ट सिटी बनाई जा रही है वैसे ही स्मार्ट गांव भी बनाए जाने चाहिए। इसके लिए एक अलग योजना बनाकर गांवों में समस्त सुविधा दी जाए, क्योंकि गांव विकसित हुए बिना शहर विकसित नहीं हो सकता और देश भी विकसित नहीं हो पाएगा। लिहाजा गांव की ओर खास ध्यान दिया जाना चाहिए। महापंचायत में प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विस में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, सांसद प्रवेश वर्मा व हंसराज हंस, विधायक राघवेंद्र शौकीन, पूर्व विधायक विजय लोचाव व मनोज शौकीन, पूर्व महापौर मास्टर आजाद सिंह, बवाना के प्रधान चौधरी दारा सिंह, लाडो सराय 96 के प्रधान चौधरी नरेश, आदि ने भी महापंचायत में विचार व्यक्त किए। सभी नेताओं ने ग्रामीणों की मांग का समर्थन करते हुए उन्हें पूरा कराने का आश्वासन दिया। खास तौर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि ग्रामीण हाउस टैक्स जमा ना करें, वह उनका हाउस टैक्स माफ कराएंगे।

कदम जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर मेट्रो ने उठाया कदम

मेट्रो टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड की बिक्री आज से

नई दिल्ली,3 सितम्बर (देशबन्धु)। जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली दर्शन के इच्छुक जी-20 प्रतिनिधियों और विदेशी पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए दिल्ली मेट्रो अपने चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों के विशेष काउंटरों से सोमवार 4 सितम्बर से अगले दस दिनों के लिए टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड की बिक्री शुरू करेगी। अनगिनत फेरों के लिए मान्य ये टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड विभिन्न स्टेशनों पर बने विशेष काउंटरों से खरीदे जा सकते हैं। ये दो प्रकार के होंगे-पहला, एक दिन के लिए मान्य और दूसरा, तीन दिन के लिए मान्य। एक दिन की मान्यता वाला टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड 200 रुपए का होगा जबकि तीन दिन की मान्यता वाला कार्ड 500 रुपए का होगा। इसमें लौटाई जा सकने योग्य 50 रुपए की सुरक्षा जमा राशि भी शामिल है। अनगिनत फेरों के अलावा ये कार्ड।

■ विदेशी पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उठाया कदम

पर्यटकों के लिए बहुत फायदेमंद हैं जिससे वे समूचे नेटवर्क पर उस दिन की पहली ट्रेन से लेकर आखिरी ट्रेन तक में बिना किसी रुकावट के यात्रा कर सकते हैं। किसी भी स्टेशन पर प्रवेश/निकास, सिस्टम में ज़्यादा देर तक ठहरने, अधिक दूरी तक यात्रा करने आदि के लिए टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड पर कोई जुर्माना या अतिरिक्त चार्ज नहीं लगाया जाएगा। दिल्ली मेट्रो नेटवर्क भारत का सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है जो दिल्ली महानगर के लगभग सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों से जुड़ा है। इनमें लाल किला, जामा मस्जिद, अक्षरधाम मंदिर, कालकाजी मंदिर आदि कुछ उल्लेखनीय स्थल हैं। पर्यटक इन कार्डों के उपयोग से

दिल्ली मेट्रो के विभिन्न कॉरिडोरों पर यात्रा करके निर्बाध रूप से इन पर्यटन स्थलों तक पहुंच सकते हैं। नेटवर्क के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने तथा अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए पर्यटक गूगल प्ले स्टोर से दिल्ली मेट्रो रेल ऐप को भी डाउनलोड कर सकते हैं। ऐप के होम पेज पर ही (टूर गाइड) नाम का एक खास सेक्शन भी है जहां से वे आस-पास के सभी स्टेशनों और पर्यटन स्थलों की सूची प्राप्त कर सकते हैं। टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड दिल्ली मेट्रो के समूचे नेटवर्क पर सभी मेट्रो स्टेशनों (एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के अलावा) पर उपलब्ध हैं। दिल्ली दर्शन का इच्छुक कोई भी व्यक्ति दिन में किसी भी समय, किसी भी स्टेशन से इन कार्डों को खरीद सकता है।

यह हैं विशेष काउंटर स्टेशन

कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, नई दिल्ली, राजीव चौक, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय, उद्योग भवन, लोक कल्याण मार्ग, जोर बाग, दिल्ली हाट-आईएनए, लाल किला, जामा मस्जिद, दिल्ली गेट, आईटीओ, मंडी हाउस, जनपथ, खान मार्केट, जेएलएन स्टेडियम, जंगपुरा, लाजपत नगर, बाराखंभा रोड, आरके आश्रम, झंडेवालान, सुप्रीम कोर्ट, इन्द्रप्रस्थ, साउथ एक्सटेंशन, सरोजिनी नगर, छतरपुर, कुतुब मीनार, हौज खास, नेहरू प्लेस, कालकाजी मंदिर, अक्षरधाम, टर्मिनल-1 आईजीआई व कारोल बाग शामिल हैं।

G20 Summit 2023 के दौरान पैसेंजर ट्रेन्स हैंडलिंग प्लान

दिल्ली क्षेत्र में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 'G20 Summit 2023' कार्यक्रम के सुरक्षा प्रबंधों के मद्देनज़र रेल प्रशासन द्वारा पैसेंजर रेलगाड़ियों हेतु निम्नलिखित 'ट्रेन्स हैंडलिंग प्लान' बनाया गया है। यात्रीगण कृपया तद्नुसार ट्रेन्स स्टेटस देखकर अपना रेलयात्रा कार्यक्रम प्लान करें।

दिनांक 08.09.2023 को निरस्त पैसेंजर रेलगाड़ियां
रेलगाड़ी सं. एवं रेलगाड़ी का नाम
04139 कुरूक्षेत्र जं.–अम्बाला छावनी जं. स्पेशल
04445 पलवल–शकूरबस्ती ईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04911 पलवल–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल
04999 दिल्ली जं.–शामली एक्सप्रेस स्पेशल

दिनांक 09.09.2023 को निरस्त पैसेंजर रेलगाड़ियां
04041/42 दिल्ली सराय रोहिल्ला–फर्रुख नगर–दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल
04089/90 नई दिल्ली–हिसार–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04128 दिल्ली जं.–गाजियाबाद स्पेशल
04176 पानीपत जं–अम्बाला छावनी जं. स्पेशल
04285 दिल्ली जं.–रेवाड़ी एक्सप्रेस स्पेशल
04339 बुलंदशहर–तिलक ब्रिज एक्सप्रेस स्पेशल
04340 तिलक ब्रिज–बुलंदशहर एमईएमयू एक्सप्रेस स्पेशल
04405 हज़रत निज़ामुद्दीन–कुरूक्षेत्र जं. एमईएमयू एक्स. स्पेशल
04406 कुरूक्षेत्र जं.–हज़रत निज़ामुद्दीन एमईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04407 पलवल–गाजियाबाद 12कार ईएमयू
04408 शकूरबस्ती–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04409 गाजियाबाद–शकूरबस्ती ईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04410 शकूरबस्ती–पलवल ईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04413 गाजियाबाद–दिल्ली जं. 12कार एक्सप्रेस स्पेशल
04416 शकूरबस्ती–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04421 पलवल–शकूरबस्ती एक्सप्रेस स्पेशल
04422 दिल्ली जं.–गाजियाबाद 12 कार एक्सप्रेस स्पेशल
04435 रेवाड़ी जं.–मेरठ नगर एमईएक्स स्पेशल
04437 पलवल–शकूरबस्ती 12कार ईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04438 नई दिल्ली–पलवल एमईएक्स स्पेशल
04443 गाजियाबाद–नई दिल्ली ईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04444 नई दिल्ली–गाजियबाद एमईएक्स स्पेशल
04447 गाजियाबाद–दिल्ली जं. एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04451 दिल्ली जं.–पानीपत एमईएक्स स्पेशल
04452 कुरूक्षेत्र जं.–दिल्ली जं. एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04453/54 नई दिल्ली–जींद जं.–नई दिल्ली एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04455 नई दिल्ली–गाजियाबाद एमईएक्स स्पेशल
04471/72 गाजियाबाद–पानीपत जं.–गाजियाबाद एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04485/86 गाजियाबाद–दिल्ली जं.–गाजियाबाद 12कार एक्सप्रेस स्पेशल
04581 दिल्ली जं.–पानीपत एक्सप्रेस स्पेशल
04586 पानीपत–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04599/04600 दिल्ली जं.–सहारनपुर–दिल्ली जं. एमईएक्स स्पेशल
04907 दनकौर–शकूरबस्ती एक्सप्रेस स्पेशल
04912 गाजियाबाद–पलवल 12कार ईएमयू
04913 पलवल–गाजियाबाद 12कार एमईएक्स स्पेशल
04915 बल्लभगढ़–शकूरबस्ती एक्सप्रेस स्पेशल
04916 नई दिल्ली–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04919 कोसीकलां–नई दिल्ली एक्स्प्रेस स्पेशल
04920/21 नई दिल्ली–पलवल–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04934 शकूरबस्ती–दनकौर एक्सप्रेस स्पेशल
04938 दिल्ली जं.–गाजियाबाद स्पेशल
04939/04940 गाजियाबाद–दिल्ली जं.–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल
04942 दिल्ली जं.–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल
04944 साहिबाबाद जं.–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04947 गाजियाबाद–नई दिल्ली स्पेशल
04949 गाजियाबाद–नई दिल्ली स्पेशल
04951 गाजियाबाद–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04952 नई दिल्ली–गाजियाबाद स्पेशल
04954 नई दिल्ली–गाजियाबाद स्पेशल
04955 गाजियाबाद–दिल्ली जं. स्पेशल
04956/57 दिल्ली जं.–गाजियाबाद–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04959 गाजियाबाद–नई दिल्ली स्पेशल
04960 शकूरबस्ती–बल्लभगढ़–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04965/04966 पलवल–नई दिल्ली–पलवल लेडीज़ स्पेशल
04968 गाजियाबाद–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04987/88 दिल्ली जं.–जींद–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04989 दिल्ली जं.–रेवाड़ी जं. पैसेंजर
04990 रेवाड़ी जं.–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
05000 शामली–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04139 कुरूक्षेत्र जं.–अम्बाला छावनी जं. स्पेशल
04445 पलवल–शकूरबस्ती ईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04911 पलवल–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल
04999 दिल्ली जं.–शामली एक्सप्रेस स्पेशल

दिनांक 10.09.2023 को निरस्त पैसेंजर रेलगाड़ियां
01617/01618 दिल्ली जं.–शामली जं.–दिल्ली जं. सेवा सर्विस
01620 शामली–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04019/20 दिल्ली जं.–शामली–दिल्ली जं. स्पेशल
04023/24 दिल्ली जं.–कासिमपुर खेडी–दिल्ली जं. स्पेशल
04089/90 नई दिल्ली–हिसार–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04127 दिल्ली जं.–पानीपत एक्सप्रेस स्पेशल
04128 दिल्ली जं.–गाजियाबाद स्पेशल
04140 अम्बाला छावनी जं.–कुरूक्षेत्र स्पेशल
04176 पानीपत–अम्बाला छावनी स्पेशल
04178 कुरूक्षेत्र–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04283 दिल्ली जं.–रेवाड़ी एक्सप्रेस स्पेशल
04285/04286 दिल्ली जं.–रेवाड़ी–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04339 बुलंदशहर–तिलक ब्रिज एक्सप्रेस स्पेशल
04340 तिलक ब्रिज–बुलंदशहर एमईएमयू एक्सप्रेस स्पेशल
04403/04404 दिल्ली जं.–सहारनपुर–दिल्ली जं. एमईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04405 हज़रत निज़ामुद्दीन–कुरूक्षेत्र एमईएमयू एक्सप्रेस स्पेशल
04406 कुरूक्षेत्र–हज़रत निज़ामुद्दीन एमईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04407 पलवल–गाजियाबाद 12कार ईएमयू
04408 शकूरबस्ती–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04409 गाजियाबाद–शकूरबस्ती ईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04410 शकूरबस्ती–पलवल ईएमयू एमईएक्सपी स्पेशल
04413 गाजियाबाद–दिल्ली जं. 12कार एक्सप्रेस स्पेशल
04416 शकूरबस्ती–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04421 पलवल–शकूरबस्ती एक्सप्रेस स्पेशल
04422 दिल्ली जं.–गाजियाबाद 12कार एक्सप्रेस स्पेशल
04425 दिल्ली जं.–नरवाना एक्सप्रेस स्पेशल
04429 दिल्ली जं.–शामली–सहारनपुर स्पेशल
04430 सहारनपुर–शामली–दिल्ली जं. स्पेशल
04432 जाखल–दिल्ली जं. एमईएक्स स्पेशल
04435 रेवाड़ी–मेरठ कैंट एमईएक्स स्पेशल
04437 पलवल–शकूरबस्ती 12कार ईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04438 नई दिल्ली–पलवल एमईएक्स स्पेशल
04443 गाजियाबाद–नई दिल्ली ईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04444 नई दिल्ली–गाजियाबाद एमईएक्स स्पेशल
04447 गाजियाबाद–दिल्ली जं. एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04451 दिल्ली जं.–पानीपत एमईएक्स स्पेशल
04452 कुरूक्षेत्र जं.–दिल्ली जं. एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04453/54 नई दिल्ली–जींद–नई दिल्ली एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04455 नई दिल्ली–गाजियाबाद एमईएक्स स्पेशल
04471/72 गाजियाबाद–पानीपत–गाजियाबाद एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल
04485/86 गाजियाबाद–दिल्ली जं.–गाजियाबाद 12कार एक्सप्रेस स्पेशल
04499/04500 दिल्ली जं.–रेवाड़ी–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04521 दिल्ली जं.–शामली–सहारनपुर एक्सप्रेस स्पेशल
04581/04586 दिल्ली जं.–पानीपत–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04599/04600 दिल्ली जं.–सहारनपुर–दिल्ली जं. एमईएक्स स्पेशल
04907 दनकौर–शकूरबस्ती एक्सप्रेस स्पेशल
04912 गाजियाबाद–पलवल 12कार एमईएमयू
04913 पलवल–गाजियाबाद 12कार एमईएक्स स्पेशल
04915 बल्लभगढ़–शकूरबस्ती एक्सप्रेस स्पेशल
04916 नई दिल्ली–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04919 कोसीकलां–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04920/21 नई दिल्ली–पलवल–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04934 शकूरबस्ती–दनकौर एक्सप्रेस स्पेशल
04938 दिल्ली जं.–गाजियाबाद स्पेशल
04939/40 गाजियाबाद–दिल्ली जं.–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल
04942 दिल्ली जं.–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल
04944 साहिबाबाद–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04947 गाजियाबाद–नई दिल्ली स्पेशल
04949 गाजियाबाद–नई दिल्ली स्पेशल
04951 गाजियाबाद–नई दिल्ली एक्सप्रेस स्पेशल
04952 नई दिल्ली–गाजियाबाद स्पेशल
04954 नई दिल्ली–गाजियाबाद स्पेशल
04955 गाजियाबाद–दिल्ली जं. स्पेशल
04956/57 दिल्ली जं.–गाजियाबाद–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04959 गाजियाबाद–नई दिल्ली स्पेशल
04960 शकूरबस्ती–बल्लभगढ़–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04968 गाजियाबाद–पलवल एक्सप्रेस स्पेशल
04987/88 दिल्ली जं.–जींद–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04989 दिल्ली जं.–रेवाड़ी पैसेंजर
04990 रेवाड़ी–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल
05000 शामली–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल

दिनांक 11.09.2023 को निरस्त पैसेंजर रेलगाड़ियां
04283 दिल्ली जं.–रेवाड़ी जं. एक्सप्रेस स्पेशल
04286 रेवाड़ी जं.–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल

दिनांक 09.09.2023 एवं 10.09.2023 को पैसेंजर रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी सं. एंव गाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग
04419 मथुरा जं.–गाजियाबाद 12कार ईएमयू एमईएक्स स्पेशल	हज़रत निज़ामुद्दीन–साहिबाबाद
04945 हज़रत निज़ामुद्दीन–गाजियाबाद एक्सप्रेस स्पेशल	हज़रत निज़ामुद्दीन–साहिबाबाद
04420 गाजियाबाद–मथुरा जं. 12कार ईएमयू एमईएक्स स्पेशल	साहिबाबाद–हज़रत निज़ामुद्दीन
04439 पलवल–गाजियाबाद एमईएक्स स्पेशल	हज़रत निज़ामुद्दीन–साहिबाबाद

दिनांक 09.09.2023 एवं 10.09.2023 को पैसेंजर रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/प्रारंभ

रेलगाड़ी सं. एंव गाड़ी का नाम	स्टेशन जहां रेलगाड़ी यात्रा समाप्त/प्रारंभ करेगी
04449 नई दिल्ली–कुरूक्षेत्र एमईएमयू	आदर्श नगर दिल्ली से
04092 दिल्ली जं.–खुर्जा जं. एमईएक्स स्पेशल	गाजियाबाद से
04288 दिल्ली जं.–अलीगढ़ जं. स्पेशल	गाजियाबाद से
04414 नई दिल्ली–अलीगढ़ जं. 12कार एमईएक्स स्पे.	गाजियाबाद से
04908 नई दिल्ली–अलीगढ़ जं. एक्सप्रेस स्पेशल	गाजियाबाद से
04930 दिल्ली जं.–अलीगढ़ जं. एक्सप्रेस स्पेशल	गाजियाबाद से
04932 दिल्ली जं.–दनकौर एक्सप्रेस स्पेशल	गाजियाबाद से
04914 दिल्ली जं.–पलवल स्पेशल	हज़रत निज़ामुद्दीन से
04439 पलवल–गाजियाबाद एमईएक्स स्पेशल	ओखला से
04446 शकूरबस्ती–मथुरा जं. 12कार ईएमयू एमईएक्स स्पे.	पलवल से
04450 पानीपत–नई दिल्ली एमईएमयू एमईएक्स स्पेशल	आदर्श नगर दिल्ली पर
04091 खुर्जा जं.–शकूरबस्ती एमईएक्स स्पेशल	गाजियाबाद पर
04287 अलीगढ़ जं.–दिल्ली जं. स्पेशल	गाजियाबाद पर
04415 अलीगढ़ जं.–नई दिल्ली 12कार ईएमयू एमईएक्स स्पे.	गाजियाबाद पर
04931 अलीगढ़ जं.–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल	गाजियाबाद पर
04967 मथुरा जं.–नई दिल्ली ईएमयू एक्सप्रेस स्पेशल	ओखला पर
04929 अलीगढ़ जं.–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल	साहिबाबाद पर

दिनांक 10.09.2023 को पैसेंजर रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/प्रारंभ

रेलगाड़ी सं. एंव गाड़ी का नाम	स्टेशन जहां रेलगाड़ी यात्रा समाप्त/प्रारंभ करेगी
04431 दिल्ली जं.–जींद–जाखल एमईएक्स स्पेशल	शकूरबस्ती से
04424 जींद–दिल्ली जं. एक्सप्रेस स्पेशल	शकूरबस्ती पर

रेलयात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए हमें खेद है।

रेलयात्रियों को परामर्श दिया जाता है कि दिनांक 08, 09 और 10 सितम्बर 2023 को रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 अथवा NTES App पर रेलगाड़ियों की स्थिति देखकर अपनी यात्रा प्लान करें।

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें | आज़ादी का अमृत महोत्सव | G20

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

शिक्षा और स्वास्थ्य देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम शिक्षक हैं इसपर गर्व होना चाहिए। शिक्षक के पढ़ाये हुए बच्चे देश के महानायक बनते हैं। चंद्रयान-3 में जुटे 790 वैज्ञानिक भी उनके शिक्षकों की ही देन हैं।

सीए अशोक कुमार सिंहल, इंस्टीट्यूशंस महासचिव

एक्सप्रेस वे पर अंडरपास का काम पूरा

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर सेक्टर-96 और 126 के बीच बन रहे अंडरपास का निर्माण पूरा हो गया है। अब सिर्फ रंगाई-पुताई और वाहन गुजार कर देखे जाने हैं। प्रॉजेक्ट से जुड़े इंजीनियरों का कहना है कि 15 दिन के अंदर ये काम पूरे करवाकर अंडरपास ट्रैफिक के लिए खोल दिया जाएगा। जून-2020 में इस अंडरपास का निर्माण शुरू हुआ था। ये अंडरपास खुल जाने से आस-पास के 14 सेक्टर के निवासियों का आवागमन आसान होगा। एक्सप्रेस-वे पर इसके पहले कोंडली और एडवंट अंडरपास भी अथॉरिटी बनाकर खोल चुकी है। करीब 96 करोड़ रुपए की लागत से यह अंडरपास बॉक्स पुशिंग तकनीक से बनाया जाना था। ऐसा होने पर एक्सप्रेस-वे के ऊपर ट्रैफिक चलता रहता और नीचे अंडरपास के कंक्रीट के बने बॉक्स मशीन से मिट्टी की कटाई कर रख दिए जाते। यही डीपीआर भी तैयार हुई थी। जनवरी-2023 तक काम भी इसी तकनीक पर चला। लेकिन आखिर में इंजीनियरों ने विशेष मंजूरी लेकर इस अंडरपास का काम पूरा करवाने के लिए एक्सप्रेस-वे की सड़क भी कटवाई।फिर अंडरपास का निर्माण पूरा हो पाया है। काम शुरू होने के बाद कई बार देरी भी हुई। कोविड व अन्य कारणों से बीच-बीच में काम भी रूकता रहा। अथॉरिटी ने दो बार जुर्माना भी लगाया है।

आज से नक्शा पास कराना और सीसी लेना होगा महंगा

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण से संबंधित आवंटित संपत्ति का नक्शा पास कराना और पूर्णता प्रमाण पत्र लेना आज (सोमवार) से महंगा हो जाएगा। अब नक्शा पास कराने के लिए 30 और पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से फीस देनी होगी। अभी तक दोनों मामलों में यह शुल्क 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर लगता था।

12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण की हुई 210वीं बोर्ड में ये शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। बोर्ड बैठक अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त एवं नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। अब इनको सोमवार से लागू किया जा रहा है। नई दरें लागू होने से अब घर बनाने के लिए नक्शा पास कराना और काम पूरा होने पर नोएडा प्राधिकरण से पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के अधिक जेब ढीली करनी होगी। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2010 के बाद नक्शा पास कराने व पूर्णता प्रमाण पत्र शुल्क में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई थी। जबकि जो शुल्क नोएडा प्राधिकरण ने अब तय किए हैं, वे पहले से ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में लागू हैं। ऐसे में उन्हीं शुल्क को नोएडा में भी लागू करने का निर्णय लिया गया था। अधिकारियों

■ नक्शा पास कराने के लिए 30 रुपए प्रति वर्ग मीटर और सीसी के लिए देना होगा 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर फीस

ने बताया कि नक्शा पास कराने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजिलों के ढके हुए क्षेत्र पर 30 रुपए प्रति वर्ग मीटर से शुल्क देना होगा। इसके अलावा अभिन्यास योजना के लए 4 हेक्टेयर तक के भूखंड क्षेत्र के लिए 2 रुपए प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े आकार के भूखंड के लिए 1 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा। इसी तरह पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजिलों के ढके हुए क्षेत्र पर 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर और अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर क्षेत्र तक के भूखंड के लिए 1 रुपए 50 पैसे प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े एरिया के भूखंड के लिए 75 पैसे प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा।

सरकार की प्राथमिकता में है जच्चा-बच्चा की सेवा और सुरक्षा : बृजेश पाठक

गाजियाबाद, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। उप-मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने रविवार को मुरादनगर में चार करोड़ की लागत से बने भवनों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चा की सेवा और सुरक्षा प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जनता की सेहत की चिंता करते हुए लगातार गाजियाबाद सहित सम्पूर्ण 75 जिलों स्वास्थ्य सेवाओं के निर्माण एवं विकास कार्यों पर प्राथमिकता से ध्यान दे रही हैं। उसी का असर है कि गाजियाबाद में लगातार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हेल्थ एंड वेलनेस सेन्टरों सहित अन्य स्वास्थ्य सेवा से सम्बंधित भवनों का निर्माण करवाया जा रहा है। पहले मामूली स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कई किलोमीटर जाना पड़ता था और अब वॉकिंग डिस्टेंस पर स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हो रहे हैं।

पाठक ने कहा कि जच्चा-बच्चा की सेवा एवं सुरक्षा करना सरकारी की प्राथमिकता है। सरकार हर क्षेत्र में उच्च स्वास्थ्य सेवाऐं देने की ओर अग्रसर है। इसी के मद्देनज़र सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में अल्ट्रासाउण्ड मशीने, सहित अन्य लैब मशीने लगवाई जा रही हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए एक कार्ड पर बारकोड़ जारी किया जाएगा उसके तहत वह प्राइवेट लैब में भी अपना टेस्ट नि:शुल्क करवा

■ उप-मुख्यमंत्री ने किया लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित भवनों का उद्घाटन

सकती है और बारकोड से स्कैन होने पर सरकार उसका बिल स्वयं वहन करेंगी। इसके लिए कई लैब अपना पंजीकरण करवा चुकी हैं और लगातार करवा रही हैं। पाठक जी ने कहा कि गाजियाबाद में जल्द ही क्रिटिकल केयर यूनिट लगवाई जाएगी। कार्यक्रम को केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह सांसद राज्यसभा सदस्य अनिल अग्रवाल मुरादनगर के विधायक अजीत पाल त्यागी ने भी संबोधित किया इस मौके पर जिला अधिकारी राकेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विक्रमादित्य मलिक तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भवतोष शंकर ने अतिथियों का स्वागत किया।

सार संक्षेप

सेक्टर-35 आरडब्ल्यूए चुनाव में एनपी सिंह पैनल जीता

नोएडा। आरडब्ल्यूए सेक्टर-35 नोएडा के चुनाव संपन्न हुए। चुनाव में एनपी सिंह

पैनल ने निर्विरोध जीत दर्ज की। अनिल तलवार कोषाध्यक्ष, सामाजिक सचिव एमपी सिंह, केसी के त्यागी सचिव के पद पर, बालकिशन दास गोयल एग्जीक्यूटिव मेंबर ये सभी निर्विरोध विजयी हुए। इसके अलावा महासचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और उपाध्यक्ष के 3 पदों पर वोटिंग हुई। इसमें भी एनपी सिंह पैनल की जीत दर्ज की। एनपी सिंह पैनल की ओर महासचिव राजीव जैन ने राजीव चौधरी को 4 वोटों से हराया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष यशपाल सिंगला ने आर के रैना को 12 वोटों से हराया। उपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल बने उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी कुंदन सिन्हा को 19 वोटो से हराया।

कंपनी में तोड़फोड़ करने पर दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। कोतवाली फेज-वन क्षेत्र के सेक्टर-दो स्थित लीसी लाइटिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की ओर से ग्रेसी बालियान ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उनका आरोप है कि 18 अगस्त की शाम अमिता शर्मा और उनके भाई अजय शर्मा कार्यालय में आए। दोनों ने सभी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। स्टाफ ने विरोध किया तो हाथापाई की। शोर सुनकर सिक्योरिटी गार्ड श्रीप्रकाश पहुंचे तो उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हुए जान से मारने की धमकी दी। यही नहीं आरोपितों ने आफिस में तोड़फोड़ करके लाखों रुपए का सामान नष्ट कर दिया। अब ये लोग कंपनी को बदनाम कर रहे हैं। कोतवाली प्रभारी ध्रुव भूषण दुबे का कहना है कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध रूप से पटाखे तैयार करने वाले सात लोग गिरफ्तार

गाजियाबाद। थाना मुरादनगर पुलिस टीम ने अवैध पटाखे व फायर शॉट्स तैयार करने वाले सात लोगों को खिमवती गांव

गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 261 फायर शॉट्स (कल्ड फायर पायरो) (पूर्ण निर्मित) व 46 किलो 300 ग्राम फायर शॉट्स बनाने में प्रयोग होने वाला सफेद पाउडर व 27 किलो 500 ग्राम फायर शॉट्स बनाने में प्रयोग होने काला पाउडर (बारूद) व 13 बोरौ में फायर शॉट्स बनाने वाली गत्ते की बेलनाकार नली, पटाखे बनाने के अन्य उपकरण व मशीन बरामद की गयी हुई। एसीपी मुरादनगर ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों में रिजवान, आरिफ, हसमुद्दीन, गफ्फार, आबिद अली, निसार निवासी फर्रूखनगर तथा साहिल निवासी कॉच का पुल मौहल्ला अहमदनगर लिसाडी गेट थाना लिसाडी गेट जिला मेरठ हैं। उन्होंने बताया कि ये लोग विस्फोटक तैयार करके बाजार में बेचते हैं। खासतौर पर अब ये ये लोग त्यौहारी सीजन के लिए पटाखे बनाने की तैयारी कर रहे थे।

गार्डन गैलेरिया मॉल के बार में हुई जमकर मारपीट, 2 लोग घायल

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा के सेक्टर-38 के गार्डन गैलेरिया मॉल में एक बार में दो समूहों के बीच झगड़ा हो

गया, जिसके बाद झगड़ा हो गया। इस घटना में दो लोग घायल हो गए। एक पुलिस सूत्र ने रविवार को बताया कि यह झगड़ा एफ-बार एंड लाउंज में शनिवार रात को हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दो गुटों को लड़ते हुए देखा जा सकता है।

दोनों गुटों के लोगों ने एक-दूसरे पर बोतलें फेंकी, जबकि अन्य लोगों ने हस्तक्षेप करने और लड़ाई रोकने की कोशिश की। एक सूत्र के मुताबिक, दो समूहों में तीखी बहस के बाद मारपीट हुई थी। पुलिस सूत्र ने कहा कि दोनों गुट शराब के नशे में थे। उन्होंने बार में जमकर हंगामा किया। इतना ही नहीं एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाए और बोतलें भी फेंकीं। घटना के पीछे का सटीक कारण अभी तक ज्ञात नहीं है।

बार स्टाफ और अन्य लोगों के हस्तक्षेप के बावजूद भी गुस्सा शांत नहीं हो सका। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

भारत-मॉरीशस के बीच राजनीतिक नहीं खून कर रिश्ता है : सुधीर माधू

■ मॉरीशस के समुद्री संसाधन, मत्स्य पालन और शिपिंग मंत्री सुधीर माधू पहुंचे नोएडा

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। मॉरीशस सरकार में समुद्री संसाधन, मत्स्य पालन और शिपिंग मंत्री सुधीर माधू रविवार को सेक्टर-6 स्थित एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नोएडा पहुंचे। जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भारत-मॉरीशस के बीच राजनीतिक नहीं खून का रिश्ता है। भारत हमेशा मॉरीशस के साथ सुख व दुख में खड़ा रहा है। पिछले दिनों भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर मॉरीशस की जनता ने बेहद खुशी का अनुभव किया। ऐसा लगा कि हमारे परिवार ने इस सफलता का स्वाद चखा है। पिछले दिनों भारत के विभिन्न हिस्सों में आई बिहार में आई बाढ़ के बाद खाद् पदार्थों के विदेशी निर्यात पर भारत सरकार ने रोक लगाई। जिसका असर मॉरीशस पर पड़ा। जिसको देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें विशेष रूप से खाद्य सामग्री भेजी। वहीं कारोना काल में भी भारत ने वैक्सीन भेज अपना फर्ज निभाया था। भारत मॉरीशस के लिए एक मॉ की तरह है। जब तब दिक्कत आती है वह उनको एक मॉ की तरह दूर करती है। वहीं जी-20 सम्मेलन में मॉरीशस को विशेष से शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्योता भेजा है। जो हमारे लिए बड़े गर्व की बात है और मॉरीशस के प्रधानमंत्री इस जी-20 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे है। मॉरीशस में मेट्रो रेल का निर्माण के अलावा विकास कार्यो के अन्य प्रोजेक्ट भी भारत सरकार की मदद से चल रहे है। मॉरीशस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अलग ही छाप है। उनकी विकास कार्यों के प्रति सोच व दृढ़ता काबिले तारीफ है। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मॉरीशस के हिन्दुओं के रोल मॉडल बनते जा रहे है। मॉरीशस में अप्रवासी सम्मेलन में योगी आदित्यनाथ ने भाग लिया था। जिसके बाद से मॉरीशस के युवाओं में योगी आदित्यनाथ का जबरदस्त क्रेज है। उनका बुल्डोजर मॉडल व धर्म की रक्षा के प्रति लगाव के चलते वहां के लोगों में उनके प्रति सम्मान बढ़ता ही जा रहा है। मॉरीशस के केन्द्रीय मंत्री नोएडा के सेक्टर-27 निवासी गारमेंट एक्सपोर्टर राकेश जैन के एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। जहां उनका ढोल नगाड़ो से स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में अतिशय जैन, मंगल जैन, अभिलेश मिश्रा, सचिन जैन, हिमांशु शर्मा, राहुल, अशोक गुलाबवानी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नगर आयुक्त नितिन गौड़ बने एचपीडीए के उपाध्यक्ष विक्रमादित्य मलिक नगर आयुक्त

गाजियाबाद, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर आयुक्त डॉ. नितिन गौड़ का तबादला कर दिया गया है। उन्हें हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण (एचपीडीए) का उपाध्यक्ष बनाया गया है जबकि गाजियाबाद के मुख्य विकास अधिकारी डॉ. विक्रमादित्य मलिक को गाजियाबाद नगर निगम का नगर आयुक्त बनाया गया है।

डॉ. नितिन गौड़ का कार्यकाल काफी बेहतर रहा है। उन्होंने आरडीसी में फ्लाई ओवर के नीचे स्पोर्ट्स प्लाजा का निर्माण उनकी बड़ी उपलब्धि रही। वहीं विक्रमादित्य मलिक भी सुलझे हुए अधिकारी माने जाते हैं।

महिला सशक्तीकरण का संदेश दे गया रंग साड़ी महोत्सव

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा के क्लब 26 में रंग साड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में 100 से ज्यादा महिला उद्यमियों ने हिस्सा लिया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलकियां भी देखने को मिली। साथ ही साड़ी में रैंप वॉक करने वाली महिलाओं को क्राउन पहना कर सम्मानित भी किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. निधि बंसल (फाउंडर 'रंग साड़ी'), दिपाली जैन (बेटियां फाउंडेशन) एवं अदिति बंसल (फाउंडर, स्टूडियो वोवेन वॉल्स) के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रीति शर्मा द्वारा गणेश वंदना से हुआ, संगीता दत्ता का मंच संचालन भव्य रहा। कार्यक्रम के माध्यम से महिला उद्यमियों के द्वारा चलाए जा रहे स्टार्टअप का आगाज हुआ। इस दौरान 'महिला उद्यमिता एवं वित्तीय साक्षरता' विषय पर सारिका जैन, अन्जू जैन, डॉ. संगीता तनेजा, कंचन मित्तल, संगीता वार्षणे आदि के द्वारा सारगर्भित परिचर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान डॉ. निधि बंसल ने 'बेटियां फाउंडेशन' के नोएडा डिस्ट्रिक्ट डायरेक्टर का पदभार ग्रहण किया। साथ ही डॉ. निधि बंसल को ओ.जे. आर्गेनिक्स का ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया।

फर्म में पार्टनरशिप के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी करने का आरोप

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस ने फर्म में पार्टनरशिप के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

■ पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर दर्ज किया मुकदमा जांच शुरू

सेक्टर-44 के सर्वजीत सिंह ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह दो सगे भाईयों रघुवीर सिंह व सुशील सिंह के साथ मिलकर पिछले 30 वर्षों से सोने-चांदी के आभूषण संबंधित व्यापार करते आ रहे हैं। तीनों ने मिलकर जी टेक इंडिया के नाम से एक कंपनी बनाई हुई है। कंपनी में तीनों भाई डायरेक्टर हैं। वर्ष 2015 में दिल्ली ग्रेटर कैलाश के राजेश सचदेवा और उनके बेटे राहुल सचदेवा ने उनसे संपर्क किया। राजेश और राहुल ने सर्वजीत सिंह से कहा कि वह उनके साथ ज्वैलरी का व्यवसाय करना चाहते हैं। जिसके बाद सर्वजीत सिंह और राजेश सचदेवा ने ज्वैल्स के नाम से व्यवसाय शुरू कर दिया। फर्म के भागीदारों के बीच 17 जनवरी 2019 को एक पार्टनरशिप डीड तैयार की गई। फर्म के लाभ हानि में दोनों 50-50 प्रतिशत के भागीदार थे। नियमानुसार कंपनी के नाम से बैंक में खाता खुलवाना था। कोतवाली प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर राजेश सचदेवा और राहुल सचदेवा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

व्हीलचेयर स्पोर्ट और कल्चरल प्रोग्राम में 100 से ज्यादा व्हीलचेयर यूजर ने लिया हिस्सा

नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नोएडा इंडोर स्टेडियम में चल रहे राष्ट्रीय चोट रोकथाम सप्ताह के तहत 'स्पाइनल कॉर्ड इंजरी डे' का आयोजन किया गया। इस मौके पर व्हीलचेयर स्पोर्ट एंड कल्चरल प्रोग्राम में 100 से ज्यादा व्हीलचेयर यूजर और लगभग 500 अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय चोट रोकथाम सप्ताह का तीसरा संस्करण भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में मनाया जा रहा है। इस इवेंट में भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक, नोएडा विधायक पंकज सिंह और नोएडा के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने हिस्सा लिया। इस मौके पर व्हीलचेयर बास्केटबॉल, व्हीलचेयर फुटबॉल, रग्बी, व्हीलचेयर रेस और व्हीलचेयर बाधा दौड़ जैसे खेलों में खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। व्हीलचेयर स्पोर्ट्स एक्टिविटीज दोपहर 2 से 4 बजे तक आयोजित की गईं। वहीं कल्चरल प्रोग्राम शाम 4.30 से

6.00 बजे तक आयोजित हुए। रंगारंग कार्यक्रम में प्रोफेशनल द्वारा हाई-एनर्जी कल्चरल डांस परफॉर्मेंस और व्हीलचेयर स्टंट हुए। इन परफार्मेंस ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरा इवेंट फिजकल मोड में हुआ। हालांकि इसे चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, कटक, लखनऊ, हैदराबाद, पटना और भोपाल सहित अन्य शहरों में लाइव या वर्चुअल दिखाया गया। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) अतुल गोयल ने अपने एक आधिकारिक बयान में कहा कि भारत में नेशनल इंजरी प्रीवेंशन वीक का उद्देश्य 'भारत को चोट से मुक्त' रखना है। यह इसका तीसरा साल है।

आयोजन मेवाड़ में रजत जयंती महोत्सव की 5 सितम्बर तक रहेगी धूम

आकर्षक रंगारंग कार्यक्रमों और नाटकों ने सबका मन मोहा

गाजियाबाद, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का रजत जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। आकर्षक प्रेजेन्टेशन्स, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पूर्व शिक्षकों एवं पुरातन विद्यार्थियों के सम्मेलन, रंगारंग कार्यक्रमों और नाटकों के मंचन ने सबका दिल जीत लिया। प्रबंधन ने भी अपने उद्बोधन में अपने इंस्टीट्यूशंस के 25 वर्षों की यात्रा में आये आरोह-अवरोह की जानकारी दी। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने नई शिक्षा नीति-2020 के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।

अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि मेवाड़ परिवार में जो एक बार शामिल हो गया उसे वह कभी नहीं भूलते। अब समय आ गया है कि मेवाड़ियन अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन कर दुनिया को तालियां बजाने पर मजबूर कर दें।

उन्होंने कहा कि भारत के पास जो 75 करोड़ नौजवानों की ताकत है, उसे चैनलाइज करने की आवश्यकता है। इससे देश को सही दिशा मिलेगी और हम फिर से विश्वगुरु बनेंगे। इंस्टीट्यूशंस के महासचिव सीए अशोक कुमार सिंहल ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम शिक्षक हैं इसपर गर्व होना चाहिए। शिक्षक के पढ़ाये हुए बच्चे देश के महानायक बनते हैं। चंद्रयान-3 में जुटे 790 वैज्ञानिक भी उनके शिक्षकों की ही देन हैं।

देश के प्रधानमंत्री भी उनके शिक्षक ने ही गढ़े हैं। इसलिए शिक्षक अपने आपको सबसे बड़ा समझें। स्वयं को महत्वपूर्ण मानें और देश के कर्णधारों में देशभक्ति की भावना का संचार करें। ताकि नौजवानों में देश एवं समाज के प्रति सेवाभाव जागे। इस मौके पर नृत्य, एकल गायन, नाटक आदि के मंचन किये गये। मेवाड़ पर बनी एक विशेष डाक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि रजत जयंती महोत्सव 5 सितम्बर तक चलेगा। चार सितम्बर की शाम देश के नामी-गिरामी लोग शामिल होंगे। 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा। इसमें संस्थान में 10 साल पूरे कर चुके लोगों, बाहरी स्कूल के प्रिंसिपल और संस्थान के शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित किया जाएगा।

■ प्रबंधकों ने मेवाड़ इंस्टीट्यशंस की 25 सालों की यात्रा की जानकारी दी

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदेश सह प्रभारी प्रदीप नरवाल ने की कांग्रेसियों के साथ बैठक

बुलंदशहर, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। रविवार को जनपद बुलंदशहर पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश सह प्रभारी प्रदीप नरवाल का शिप्रा होटल में कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश भाटी के नेतृत्व में फूल मालाओं व बुक के भेंट कर जोरदार स्वागत किया। उपरांत प्रदेश सचिव डॉ. शोएब व जिला प्रभारी के साथ प्रदीप नरवाल ने कांग्रेस के जिला शहर ब्लॉक पदाधिकारी के साथ उपस्थित कार्यकर्ताओं से बारी-बारी से वार्ता कर संगठन में चल रही कार्य की समीक्षा की तथा निष्क्रिय कार्यकर्ताओं के स्थान पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने के आह्वान के साथ वर्तमान में चल रहे संगठन के रिव्यू करने वोटर लिस्ट के कार्य में वोट बढ़ाने के साथ धरातल पर पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी जी के संदेश को जन-जन तक पहुंच कर पार्टी को बूथ स्तर व वर्तमान में देश व प्रदेश की सरकार को हर मोड़ पर विफल, महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार चरम पर, किसान नौजवान व्यापार मजदूर विरोधी बताया। उन्होंने इंडिया गठबंधन को आगामी 2024 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार बनवाने का आह्वान कर

समीक्षा बैठक में जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश भाटी जिला महासचिव ज्ञानेंद्र सिंह यादव, यूथ जिला अध्यक्ष जियाउल रहमान, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा गॉड, जिला सचिव रवींद्र प्रधान, पीसीसी सदस्य रवि लोधी, पीसीसी सदस्य ऋषि गौतम, युवा जिला बांध से दीपक कुशवाहा, शहर अध्यक्ष प्रशांत वाल्मीकि अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष डॉ सुजाता अली, सुभाष चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष धर्मवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश शर्मा, सभासद विशाल कुमार, योगेंद्र कुमार सहित कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

आने वाले 21 से 25 सितम्बर को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो एवं दिनांक 22 सितम्बर से 24 सितम्बर मोटो जीपी रेस का आयोजन जनपद में होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के उद्देश्य यातायात रूट प्लान निर्धारित किया गया है। **डॉ. नितिन मदान अपर जिलाधिकारी प्रशासन**

दादरी विधायक ने क्षेत्र के विकास के क्रम में किया शिलान्यास

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। दादरी विधानसभा के विधायक ने क्षेत्र में विभिन्न शिलान्यास किया, जिसमें चिटहैरा स्थित सारिका विहार कॉलोनी में 38.72 लाख की लागत से यादव के मकान से 'टी

पॉइंट' तक 500 मीटर की सीसी रोड, ग्राम रामगढ़ से बोड़ाकी एक किमी मार्ग जिसकी लागत 37.17 लाख है पुनर्निर्माण तथा जीटी रोड कुड़ी खेड़ा मार्ग से नवोदय विद्यालय 1.7 किमी मार्ग जिसकी लागत 96.51 लाख हैं। दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हमारा हर सम्भव प्रयास जारी रहेगा, केन्द्र व प्रदेश सरकार देश व प्रदेश के विकास के लिए काम कर रही है। इस अवसर पर दादरी विधायक के साथ ललित नागर, ईश्वर भाटी, विजय प्रधान, संदीप शर्मा, पंकज पंडित, राकेश पंडित, मनोज प्रधान, चाहतराम, राजवीर प्रधान, आजाद पहलवान, पिद्दु दरोगा, राकेश मास्टर, सुजीत बी.डी.सी, राज सिंह, विक्रम भाटी, इंदरपाल आदि लोग उपस्थित रहें।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो व मोटो जीपी रेस को लेकर जिला प्रशासन का मंथन

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारी को लेकर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है। इसी श्रृंखला में आगामी 21 से 25 सितम्बर 2023 को ग्रेटर नोएडा के एक्सपो सेंटर में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 के आयोजन को लेकर अपर जिला अधिकारी डॉ. नितिन मदान की अध्यक्षता में इंडिया एक्सपो के सभागार में जनपद के यातायात पुलिस, नोएडा/ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारीगण व बस एवं ऑटो संचालक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि आने वाले 21 से 25 सितम्बर को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो एवं दिनांक 22 सितम्बर से 24 सितम्बर मोटो जीपी रेस का आयोजन जनपद में होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को मानकों के

■ ऑटो व बस संचालक एसोसिएशन को ट्रैफिक रूट प्लान को पालन करने का निर्देश

अनुरूप सुनिश्चित करने के उद्देश्य यातायात रूट प्लान निर्धारित किया गया है, जिसका शत-प्रतिशत पालन समस्त बस एवं ऑटो संचालक एसोसिएशन प्रतिनिधियों द्वारा सुनिश्चित कराया जाए ताकि ट्रैफिक जाम की समस्या पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि जनपद में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड फेयर एवं मोटो जीपी रेस बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसमें देश विदेश के लोगों द्वारा प्रतिभाग करने के लिए जनपद में आवागमन किया जाएगा। अपर जिला अधिकारी ने बस एवं ऑटो संचालक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि आवागमन के दौरान अनावश्यक रूप से वाहन के किराये में वृद्धि न करें। उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया कि मानकों के अनुरूप निर्धारित रेट लिस्ट बस एवं ऑटो संचालक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को उपलब्ध करा दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी कार्मिशयल वाहन स्वामियों के द्वारा निर्धारित किराया से ज्यादा किराये की वसूली की जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव, एडीसीपी अशोक कुमार, एसीपी अरविन्द कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी सियाराम वर्मा, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, सम्बन्धित अधिकारीगण एवं एक्सपो मार्ट के प्रतिनिधियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा परिषद के एनईपी सत्र में जीबीयू के प्रतिनिधि हुए शामिल

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने अशोका होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में एनईपी 2020 के अनुरूप आईटीईपी पर सूचना-साझाकरण सत्र का आयोजन किया है। आईटीईपी (एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम) आईआईटी, एनआईटी, केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों सहित 42 संस्थानों/विश्वविद्यालयों को दिया गया था। इसमें उत्तर प्रदेश के केवल तीन विश्वविद्यालय शामिल थे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसे बीए, बीएड, बीएससी बीएड और बीकाम, बीएड जैसे कार्यक्रम मिले। प्रत्येक कार्यक्रम में 50 सीटों के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय है, जहां सभी तीन कार्यक्रम एक साथ मिलते हैं।

बैठक में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. विनोद कुमार शनवाल और डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव शामिल हुए। दोनों संकाय सदस्यों द्वारा कहा गया कि यह कुलपति प्रोफेसर रविंदर कुमार सिन्हा का दृष्टिकोण था, जिन्होंने उन्हें एनसीटीई के साथ तीनों कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। कुलपति विश्वविद्यालय के विकास के प्रति काफी संवेदनशील हैं। वह संकाय सदस्यों को एनईपी 2020 के कार्यान्वयन के लिए नए कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) उत्साही, प्रेरित, योग्य, पेशेवर रूप से प्रशिक्षित

■ 50 सीटों के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय उप्र राज्य का एकमात्र विश्वविद्यालय

और अच्छी तरह से सुसज्जित शिक्षकों के निर्माण की कल्पना करता है जो डिजाइनिंग और कार्यान्वयन में सक्षम हैं। स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों में छात्रों के लिए विकासात्मक रूप से उपयुक्त शिक्षण अनुभव। आईटीईपी यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भावी शिक्षकों को सामग्री, शिक्षाशास्त्र, मूल्यों और अभ्यास में उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा दी जाए। इसके अलावा, 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड बी.एड. शिक्षा के साथ-साथ भाषा, इतिहास, संगीत, गणित, कंप्यूटर विज्ञान, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, कला, शारीरिक शिक्षा आदि जैसे विशेष विषय में दोहरी प्रमुख समग्र स्नातक की डिग्री होगी। एनटीए ने सभी कार्यक्रमों के लिए परीक्षाएं आयोजित की हैं। जीबीयू में प्रवेश प्रक्रिया सोमवार, 4 सितम्बर 2023 से 10 सितंबर 2023 तक चलेगी। समन्वयक प्रवेश डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जीबीयू में प्रवेश संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सार संक्षेप

आठ दिन से अस्पताल कर्मी लापता, गुमशुदगी दर्ज

दनकौर। दनकौर क्षेत्र के कनारसी गांव निवासी एक अस्पताल कर्मी संदिग्ध अवस्था

में आठ दिन से लापता है। जिसके पिता ने रविवार को कोतवाली में उसकी गुमशुदा की दर्ज कराई है। शिकायत में रामफल ने कहा है कि उसका बेटा जयकरण (28) दनकौर में स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में काम करता है। जो रोजाना की तरह 26 अगस्त को घर से ड्यूटी की कहकर गया था। लेकिन अस्पताल नहीं पहुंचा। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं चल पाया है। साथ ही उसका फोन भी उसी दिन से बंद जा रहा है। जिसके चलते पिता ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि जल्द ही गायब युवक का सुराग लगा लिया जाएगा।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार दम्पत्ति को रौंदा, पत्नी की मौत, पति गंभीर

जेवर। जेवर कस्बे के वैना रोड निवासी बाइक सवार दम्पत्ति की बाइक शनिवार को बुलंदशहर के कपना गांव के पास निर्माणाधीन सड़क पर अनियंत्रित होकर फिसलने के बाद पति पत्नी दोनों तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। जिससे पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर अवस्था में पति का उपचार जारी है। महिला की मौत की सूचना पर स्वजनों में कोहराम मच गया। जेवर के वैना रोड नई बस्ती निवासी सहाबुद्दीन अपनी पत्नी शबनम के साथ शनिवार को अपनी रिस्तेदारी से जेवर वापिस लौट रहे थे। उसी दौरान इनायतपुर रजवाहे की पटरी पर गांव कपना के समीप निर्माणाधीन सड़क पर उनकी बाइक अनियंत्रित होने से पति पत्नी दोनो सड़क पर गिर गए। तभी पीछे से आ रहा ट्रैक्टर शबनम को रौंदता हुआ उनके ऊपर से होकर गुजर गया। जिससे शबनम (35) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राहगीरो की सूचना पर पहुची पुलिस ने दम्पत्ति को अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने शबनम को मृत घोषित कर दिया। को दी। कस्बे के निजी अस्पताल में सहाबुद्दीन उपचार जारी है। स्वजनों की मांग पर पुलिस ने मृतका के शव को स्वजनों को सौंप दिया। रविवार को गमगीन माहौल में मृतका के शव को दफनाया गया।

बिजली चली जाने से लोग सोसाइटी के लिफ्ट में फंसे, किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बीती रात रक्षा एडेला सोसाइटी में बिजली चली जाने के कारण कुछ लोग लिफ्ट में फंस गए। जिनको मुश्किल से बाहर निकल गया। जिसके बाद जहां के निवासी सड़कों पर उतार आए और सोसायटी के गेट कर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बिसरख कोतवाली पुलिस ने लोगों को समझा बुझा कर जाकर शांत कराया। बिसरख थाना क्षेत्र की रक्षा एडेला सोसाइटी के निवासियों ने रात में गेट पर प्रदर्शन किया। रात बिजली गुल होने के कारण कुछ लोग लिफ्ट में फंस गए। जिनको मुश्किल से बाहर निकल गया। जिसके बाद लोगों का बिल्डर के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा। निवासियों का आरोप है कि बार-बार मेंटेनेंस विभाग से बिजली आपूर्ति को लेकर शिकायत की जा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती है। सोसाइटी में पावर बैकअप के लिए डीजी सेट की व्यवस्था भी नहीं शुरू की गई है। बिजली जाने पर लोगों को गर्मी से जूझना पड़ता है। देर रात प्रदर्शन और हंगामे की जानकारी मिलते ही बिसरख कोतवाली की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

बिजली के बैकअप की समस्या को लेकर सोसाइटी निवासियों और बिल्डर्स के बीच बातचीत कर मामले को शांत कराया। पुलिस का कहना है कि लिफ्ट में कोई भी व्यक्ति फंसा हुआ नहीं है। रक्षा एडेला सोसाइटी के निवासियों का कहना था, कि सोसाइटी में शाम से ही बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी। हर आधे घंटे बाद बिजली की कटौती हो रही थी। शाम 6 बजे से रात 8 बजे के बीच में हर आधे घंटे के बाद बिजली आ जा रही थी। कुछ लोग लिफ्ट में सवार होकर ऊपर से नीचे आ रहे थे, तभी अचानक लाइट जाने के कारण वे सभी लिफ्ट में फंस गए। बड़ी मशक्कत के बाद लोगों को लिफ्ट से बाहर निकाला गया।

घर खरीदारों का 38वें सप्ताह प्रदर्शन कब होगी रजिस्ट्री-कब मिलेगा घर

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेनो वेस्ट में लगातार 38 हफ्ते से घर खरीदार हर रविवार को एक मूर्ति पर प्रदर्शन कर रहे हैं और रजिस्ट्री और घरों का पजेशन देने की मांग कर रहे हैं। घर खरीदारों का कहना है कि पूरे आंदोलन में सिर्फ आश्वासन ही मिला है, समस्याओं का समाधान नहीं। आंदोलन में अहम भूमिका निभा रहे महेश यादव, राजकुमार, ज्योति जायसवाल, रोहित मिश्रा, शंकर सिंह ने कहा कि सरकार क्यों समस्या के समाधान पर

गंभीर नहीं है ये समझ से परे है। अमिताभ कांत कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, लेकिन इस रिपोर्ट पर राज्य सरकार का रुख अभी तक साफ नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि वह इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द करना चाहते हैं। लेकिन अभी तक घरों की रजिस्ट्री और पजेशन पर कुछ नहीं हुआ है। हर हफ्ते विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे अनुराग खरे, रितेश श्रीवास्तव, आशीष सहित कई घर खरीदारों का कहना है कि उनका आंदोलन नहीं रुकेगा। सरकार को जल्द से जल्द रजिस्ट्री की प्रक्रिया को शुरु कर देना चाहिए।

बाइक चोर गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार,18 बाइकें बरामद

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। बीटा-दो कोतवाली पुलिस ने दिल्ली एनसीआर में वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के सरगना सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से

चोरी की 18 बाइक बरामद की है। दिल्ली व गौतमबुद्धनगर सहित एनसीआर के अन्य जनपदों में 20 से अधिक केस दर्ज हैं। एडीसीपी ग्रेटर नोएडा जोन अशोक कुमार ने बताया कि वाहन चोरों की तलाश में जुटी बीटा-टू कोतवाली पुलिस ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर दो अभियुक्तों को पीपल वाले गोलचक्कर के पास चोरी की फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों की पहचान सुरेंद्र उर्फ पहलवान पुत्र सुक्कन निवासी लडना बुलंदशहर व कपिल निवासी ग्राम फरीदपुर सिकन्द्राबाद बुलंदशहर हाल पता नटमढैया गौतमबुद्धनगर के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि अभियुक्तों की निशानदेही पर 17 बाइकों को सिग्मा-टू में खंडहर पड़े प्लाट से निशादेही के उपरांत बरामद किया गया। अभियुक्त शातिर किस्म के वाहन चोर हैं, जिनका एक पहलवान नाम का गैंग है। गैंग का सरगना सुरेंद्र उर्फ पहलवान है। कपिल व अनिल उर्फ मल्ला इस गैंग के सदस्य हैं। यह गिरोह नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर में सक्रिय है।

आरडब्ल्यूए के साथ गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने नगर राज बिल कानून पर की चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। दोस्त संस्थान के वैचारिक प्लेटफार्म नोएडा डायलॉग संस्था द्वारा सेक्टर-56 स्थित कम्युनिटी सेंटर में तृतीय चरण के रूप में आरडब्ल्यूए के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नोएडा के सभी सेक्टरों के आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने भागीदारी की, विशेषकर अध्यक्ष एवं महासचिवों ने अपने विचार रखें। चर्चा के दौरान कई पदाधिकारी ने अपने सेक्टर की विभिन्न समस्याओं को भी मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के सामने रखा। कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए की राजनीतिक सशक्तिकरण के विषय पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने समस्याओं के

समाधान में आरडब्ल्यूए की बड़ी भूमिका पर अपने विचार रखें और कहा कि आरडब्ल्यूए की राजनीतिक भागीदारी के लिए मॉडल नगर राज बिल कानून इस क्षेत्र में लागू करना आवश्यक है। इसमें आरडब्ल्यूए के संबंध में एक नीतिगत समाधान का प्रावधान है जिसमें आरडब्ल्यूए स्वैच्छिक नागरिक संघ के रूप में काम करता है। और आम जनता की रोजमर्रा की समस्याओं जैसे बिजली, पानी, सफाई, बागवानी आदि कार्यों पर सामूहिक निर्णय लेकर उसे अथॉरिटी के माध्यम से लागू करवा सकता है। इसका केंद्र सरकार ने 2008 प्रारूप नगर राज बिल कानून तैयार किया है जिसे कई प्रदेशों ने जैसे मध्यप्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा आदि ने लागू भी कर दिया है। हमें इसे नोएडा में अवश्य लागू करना चाहिए। मैं आप सब के सहयोग से इसे लागू करवाने की पहल करूंगा। कुछ वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए अथॉरिटी से फॉलो अप करने का भी आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डीडी आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष एन. पी. सिंह, कॉनरवा के अध्यक्ष पीएस जैन और नोवरा अध्यक्ष रंजन तोमर ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी की कांग्रेस ने मनाई जयंती

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय गौतम बुद्ध नगर में एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया,जिसमें स्वतंत्रता सेनानी और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं संविधानसभा के सदस्य कमलापति त्रिपाठी की जयंती मनाई गई, सभा का संचालन जितेंद्र चौधरी ने किया एवं सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने की। जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि कमलापति त्रिपाठी एक ऐसी शख्सियत थी, जिनका व्यक्तित्व सबके लिए आदर्श है। कमलापति त्रिपाठी ने स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजों के खिलाफ बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया, अनेक बार जेल गए और केंद्रीय रेल मंत्री रहते हुए रेल विकास की गति को आगे बढ़ाया, उन्होंने पुणे डीजल लोको शेड का निर्माण करवाया। कांग्रेस पदाधिकारियो ने संकल्प लिया, उदय सिंह नगर को जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी नियुक्त किया गया। संदीप नागर को कोषाध्यक्ष, कल्पना सिंह को

जिला मीडिया प्रभारी, मुकेश शर्मा एवं ब्रह्मपाल भाटी को जिला महासचिव नियुक्त किया। इस विचार गोष्ठी में मौजूद कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह संगठन प्रभारी, एमएल वर्मा जिला उपाध्यक्ष, आनंद शर्मा जिला प्रवक्ता, जितेंद्र चौधरी जिला मीडिया प्रभारी, कल्पना सिंह जिला उपाध्यक्ष, सलोनी सोलंकी एससी एसटी के जिला अध्यक्ष धर्म सिंह बाल्मीकि, महिला जिला अध्यक्ष राधा रानी, दादरी नगर अध्यक्ष किशन शर्मा, आकाश भारद्वाज जितेंद्र शर्मा जिला सचिव आदि मौजूद रहे।

महिला साइक्लिस्ट ग्रुप ने महिलाओं के लिए आत्मरक्षा कार्यशाला का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। ग्रेनो वेस्ट के प्रमुख महिला साइक्लिस्ट ग्रुप स्वैग नेचर ऑन व्हील के तत्वाधान में महिलाओं की निजी सुरक्षा के संबंध में वेद वन पार्क में एक वूमेंस सेल्फ डिफेंस कार्यशाला का आयोजन किया गया। रविवार को सुबह 5.30 बजे एक मूर्ति से महिला साइक्लिस्ट की राइड आरंभ हुई जो गौड़ चौक, पंचमुखी हनुमान मंदिर होते हुए वेद वन पार्क नोएडा पहुंची। सेल्फडिफेंस प्रशिक्षण कार्यशाला में महिलाओं की सुरक्षा के लिए एवं आत्मविश्वास जगाने के लिए मार्शल आर्ट्स के गुर बताए गए जिससे महिलाएं विषम परिस्थितियों में स्वयं की रक्षा कर सके। गर्डियन एंजल एंपावर संस्था की पूजा द्वारा जो सेल्फ डिफेंस के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित करने का कार्य करती हैं, कार्यशाला में ग्रेनो वेस्ट की विभिन्न ग्रुप्स से जुड़ी महिला सदस्यो एवं वेद वन के आस पास की सोसायटी की महिलाओं ने सेल्फ

डिफेंस के दांव पेंच सीखे ये उनके लिए एक नवीन अनुभव था। प्रशिक्षण में करीब 30 साइक्लिस्ट एवं स्थानीय महिलाओं एवं बच्चों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के उपरांत पौष्टिक नाश्ते का प्रबंध स्वैग और नेचर ऑन व्हील के प्रमुख भावना गौड़ एवं प्रिया,नेहा रही। प्रशिक्षण के दौरान एवं आयोजन को सफल बनाने में भावना गौड़, प्रिया, नेहा के अलावा नोएडा वेस्ट की विभिन्न साइक्लिस्ट आस्था, कौशिक, अंशू, अनंत, शिप्रा कल्पना श्वेता, शिल्पा, नेहा गांधी, राधा सिंह, उपासना सिंह आदि ने सहयोग दिया।

सपा ने अभियान चलाकर लोगों को दिलाई पार्टी की सदस्यता

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए जनसंपर्क अभियान के तहत रविवार को एनटीपीसी क्षेत्र के गांव पटाड़ी में एक जनसभा का आयोजन जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी की अध्यक्षता में किया कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव सुधीर तोमर ने किया। इस दौरान दर्जनों युवाओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान आकाश राणा को जारचा नगर क्षेत्र का अध्यक्ष घोषित किया गया। इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण आज देश में महंगाई और बेरोजगारी चरम सीमा पर है। प्रतिदिन काम में आने वाली वस्तुओं की कीमतों में हर दिन बढ़ोत्तरी हो रही है।

चुनाव के दौरान जनता की वोट लेने के लिए भाजपा बड़ी-बड़ी लोक लुभावनी घोषणाएं करती हैं। लेकिन चुनाव जीतने के बाद महंगाई बढ़ाकर जनता को छलने का काम करती है। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि आज केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार जनता के हितों को दरकिनार करते हुए उसका शोषण करने में लगी हुई है। इस मौके पर जिला महासचिव सुधीर तोमर ने कहा कि आज केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा निजीकरण को बढ़ावा देकर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। बढ़ती बेरोजगारी के कारण देश का नौजवान रोजगार के लिए परेशान है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों से प्रभावित होकर भारी संख्या में लोग समाजवादी पार्टी से जुड़ रहे है। कार्यक्रम के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्त्ता एनटीपीसी पर धरना दे रहे किसानों के बीच पहुंचे और किसानों की लड़ाई में हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय प्रवक्ता महेश आर्य, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इन्दर प्रधान, डॉ. महेंद्र नागर, कृष्णा चौहान, नवीन भाटी, सुबोध राणा, विनय शर्मा, विष्णु सिंह, अनूप तिवारी, विकास राणा, जितेंद्र अग्रवाल, सुरेश यादव, नरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

बौद्धिक संपदा अधिकारों में नवीन विचारों की संभावनाएं व चुनौतियों पर कांफ्रेंस

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ला ने बौद्धिक संपदा अधिकारों में नवीन विचारों की संभावनाएं और चुनौतियां पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अटार्नी जनरल ऑफ इंडिया आर वैंकटरमनी जस्टिस प्रतिभा एम सिंह दिल्ली हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट विकास सिंह, विभा दत्ता मखीजा, यूनिवर्सिटी के प्रो. चांसलर वाई.के. गुप्ता और वाइस चांसलर सिबाराम खारा ने दीप जलाकर किया। इस कार्यक्रम में जस्टिस प्रतिभा एम सिंह ने पेटेंट इंड्रस्टियल डिजाइन ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत,

■ पेटेंट इंड्रस्टियल डिजाइन ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेत आदि जैसे उपकरणों के परिचय पर चर्चा

व्यापार रहस्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आईपी कानून पंजीकरण की प्रक्रिया, औद्योगिक हस्तांतरण की बुनियादी बातें, पेटेंट और पेटेंट कानून आदि जैसे उपकरणों के परिचय पर चर्चा की। स्टूडेंट्स को यह भी बताया कि लॉ में अपना करियर कैसे बनाए। अटॉर्नी जनरल ऑफइंडिया आर वैंकटरमनी ने कॉपीराइट और लाइसेंस संपत्तियों पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। उन्होंने रचनाकारों के उनके काम के अधिकारों की सुरक्षा में कॉपीराइट सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। जबकि लाइसेंस दूसरों को विशिष्ट परिस्थितियों में कॉपीराइट कार्यों का उपयोग करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। आईपीआर नीतियों और कानून के माध्यम से नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका पर भी चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट की सीनियर एडवोकेट विभा दत्ता मखीजा ने कहा कि लॉ कभी भी बोरिंग नही हो सकता। आपको हमेशा एक नया चौलेंज फेस करना पड़ता। हमेशा भविष्य के बारे सोचों। आईपीआर फील्ड में आपको चुनौतियां का सामना पड़ेगा कौन कौन से चीज पेटेंट में आ रही है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट विकास सिंह ने बताया कि आईपीआर के क्षेत्र में कई सारी समस्या आ रही है वो आपको समझना पड़ेगा कि आप किस तरह उसका हल निकाल सकते है।

श्रीमद्भागवत कथा के साथ निकाली गई कलश यात्रा

ग्रेटर नोएडा, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। टेक्जोन-4 ग्रेटर नोएडा वेस्ट के प्रांगण में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। रॉयल नेस्ट पूजा के तत्वावधान में आयोजित इस यज्ञ के शुभारम्भ की कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान यज्ञाचार्य पंडित चेतन वसिष्ठ व उनके सहयोगियों ने वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सोसाइटी प्रारंभ हुई उक्त कलश यात्रा में शामिल महिलाओं व कन्याओं ने सिर पर कलश रख कर पूरी सोसाइटी की परिक्रमा की। कलश यात्रा सोसाइटी परिक्रमा के बाद रॉयल नेस्ट प्रांगण में स्थित कथा स्थल पर कलश को स्थापित कर

यात्रा का समापन किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष रविंद्र सिंह वर्मा ने बताया कि 10 सितम्बर तक चलने वाले इस यज्ञ में प्रतिदिन 3-30 बजे से भागवत कथा का रसपान किया जा सकेगा। वहीं 10 अप्रैल को इसकी पूर्णाहुति हवन के साथ होगी। इस मौके पर रत्नेश श्रीवास्तव, संतोष झा, कामवीर सिंह, प्रदीप भुतिआ, अजीत सिंह आदि के साथ अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

संपादकीय

नई दिल्ली, सोमवार 4 सितम्बर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया राम सुरजन

देश को संशय में डालती मोदी सरकार

संसदीय परम्पराओं की अवहेलना करने की आदी हो चुकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने अपनी इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए देश के इतिहास में पहली बार ट्विट के जरिये संसद का विशेष सत्र बुलाकर साबित कर दिया है कि वह न केवल गैरजिम्मेदार है वरन उसका पारदर्शिता से भी कोई लेना-देना नहीं रह गया है। ऐसे वक्त में जब संयुक्त विपक्ष का गठबन्धन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूज़िव एलाएंस) मुम्बई में 31 अगस्त व 1 सितंम्बर को 2024 के लोकसभा की चुनावी रणनीति में व्यस्त था, केन्द्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी कि 18 से 22 सितम्बर को विशेष सत्र होगा। भले ही इस सूचना को 'इंडिया' उपेक्षित कर अपनी कार्यवाही में लगा रहा लेकिन यह एक तरह से देश को अंधेरे में रखने जैसा है क्योंकि यह कार्यप्रणाली किसी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार की नहीं हो सकती। न ही यह 'इंडिया' की बढ़ती एकता के जवाब में होनी चाहिये।

इसे लेकर कई तरह के कयास हैं। इसमें वर्ष 2024 में होने जा रहे लोकसभा को समय से पहले करा लेने की सम्भावना से लेकर संविधान में संशोधन, चुनाव टाल देने या फिर मोदी को हमेशा के लिये पीएम बनाये जाने जैसी गुंजाइशें टटोली जा रही हैं। चीन द्वारा नया नक्शा जारी करना (जिसमें अरूणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा बताया गया है), मणिपुर हिंसा, गौतम अदानी को लेकर नये खुलासे, महंगाई आदि अनेक विषय हैं जिनके बारे में अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं कि इन मसलों पर सरकार कोई बात करना चाहती है। सही जानकारी किसी के भी पास नहीं है। फिर, हाल ही में तो संसद का सत्र हो चुका है। क्यों नहीं सरकार ने इन विषयों पर तब चर्चा कर ली? सवाल यह भी है कि क्यों लोगों या सांसदों को विषय को लेकर कयास लगाने के लिये छोड़ा जाये? क्यों नहीं सूचना के साथ ही विषय की जानकारी दे दी गई? संसद पर केवल सत्ता का हक नहीं है, जो अन्य लोगों को इसकी सूचना से वंचित रखा जाये। यह सत्र 5 दिनों का क्यों है, जबकि विशेष सत्र एकाध दिन के ही होते हैं? दुर्भाग्य से तमाशों के आयोजनों में पारंगत मोदी सरकार इसे भी इवेंट बना रही है।

आखिरकार विशेष सत्र कोई मज़ाक नहीं होता और न ही उसे सत्तापक्ष का कोई विशेषाधिकार समझा जाये, बावजूद इसके कि सरकार को ऐसा करने का पूरा हक है। तो भी, इस अधिकार का प्रयोग बहुत गम्भीरता से; और बेहद खास उद्देश्यों को लेकर होना चाहिये। विशेष सत्र का विषय क्या है, यह किन परिस्थितियों में आयोजित किया जा रहा है और इसे बुलाये जाने का प्रयोजन क्या है- यह सारा कुछ सरकार को बतलाना चाहिये था। यह सूचना प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से तथा बाकायदा एक अधिसूचना जारी कर नागरिकों को देनी थी। संसद पर पहला हक तो नागरिकों का होता है, चाहे वे स्वयं इसके प्रत्यक्ष सदस्य न हों। जो सदस्य दोनों सदनों में बैठते हैं वे अंतत: जनसामान्य की ही नुमाइंदगी करते हैं। सरकार को पहले तो इस पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये थी फिर अपना उद्देश्य बतलाना चाहिये था।

मोदी सरकार द्वारा संसदीय गरिमा व परम्पराओं को ध्वस्त करने की पूरी श्रृंखला है, जिसकी एक और कड़ी का सम्बन्ध इसी एपीसोड से है। सरकार ने एक समिति बनाई है जो 'एक देश एक चुनाव' की योजना बनाकर सरकार को सौंपेगी। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक सेवानिवृत्त राष्ट्रपति को किसी समिति का अध्यक्ष बनाकर सरकार के किसी विभाग को रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है जो कभी सिर्फ उस विभाग का नहीं वरन पूरी सरकार का प्रमुख हुआ करता था। वास्तविकता में चाहे न हो लेकिन संवैधानिक परिभाषा के अनुसार तो वह राष्ट्राध्यक्ष ही है जिसके अधीन पूरा देश होता है। संसदीय प्रक्रिया के अंतर्गत खुद मोदी इन्हीं राष्ट्रपति के अंतर्गत काम कर चुके हैं। न यह कोई पूछने वाला है और न ही कोई बताने वाला कि आखिर एक पूर्व राष्ट्रपति कैसे किसी समिति का प्रमुख बनकर सरकार को कोई रिपोर्ट दे सकता है। कायदे से तो कोई व्यक्ति जिस दिन इस पद पर पहुंचता है, उसी दिन से वह दलगत राजनीति से ऊपर हो जाता है; पर यह सब तभी सम्भव है जब किसी व्यक्ति या किसी राजनैतिक दल की ही आंखों का नहीं, किसी सरकार की आंखों का भी नहीं, बल्कि पूरे देश की आंखों का पानी मर जाये।

अगर 'एक देश एक चुनाव' की बात करें तो यह करा पाना बहुत कठिन है- प्रशासकीय और राजनैतिक दोनों कारणों से अव्यवहारिक। आजादी के बाद हुए पहले चार आम चुनावों के साथ विधानसभाओं के निर्वाचन हुए थे परन्तु तब की परिस्थितियां अलग थीं। आबादी कम थी, चुनावी हिंसा न्यूनतम थी। राजनैतिक दलों के बीच आज के जैसी वैमनस्यता भी नहीं थी। सबसे बड़ी बात कि चुनावों का आकार व स्वरूप विशाल नहीं था। इसके बावजूद अगर सरकार एक साथ चुनाव कराना ही चाहती है तो पहले वह इसके फायदे बतलाये। यह भी बताये कि सामान्य नागरिकों, विशेषकर मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी में डाले बगैर ये कैसे सम्पन्न होंगे। जब मणिपुर जैसे छोटे से राज्य की हिंसा को रोकने में सरकार 5 माह में भी सफल नहीं होती और ज्यादातर राज्यों के चुनाव कई चरणों में कराने पड़ते हैं, तो इतने बड़े देश में एक दिन में कैसे चुनाव हो सकते हैं। यह जानने का हक नागरिकों का है; और बतलाना सरकार का कर्तव्य।

इंडिया की सफलता से बौखलाया मीडिया

आप बाराती जानते हैं!

तो यह मीडिया आज बाराती प्रवृति का हो गया है। छिद्रान्वेषी!

इंडिया की बेहद सफल मुंबई बैठक में उसने बहुत सारी कमियां खोज ली हैं। जैसे वह बाराती सर्वश्रेष्ठ माना जाता है जो लड़की वालों के यहां जाकर यह कमी निकाल सके कि उसने कोकाकोला में चाय बनाकर नहीं पिलाई या पनीर चिकन नहीं बनाया! पनीर बनाया तो क्या? चिकन बनाया तो क्या?

बनाना तो पनीर चिकन या चिकन पनीर चाहिए था। कहते हैं कि बाराती तो राजा की लड़की की शादी में भी कमी निकाल सकता है। तो यही हाल आज हमारे मीडिया का हो गया है।

झंडा क्यों नहीं बनाया? झंडा था क्या कभी इससे पहले किसी गठबंधन का? जिस एनडीए को अब यह बीजेपी की जगह चुनाव जिता रहे हैं। क्या उसका कोई झंडा है? या केवल विपक्षी गठबंधन का ही चाहिए था! सारी शर्तें लड़की और लड़की वालों पर लागू हैं! अपने लिए तो हम हर बार नए नियम बनाते रहेंगे। पहले तो केवल आएगा तो मोदी ही का माहौल बना रहे थे। मगर जब आरएसएस ने कह दिया कि केवल मोदी के भरोसे कुछ नहीं होगा तो भाजपा की बात करने लगे। और अब जब विपक्ष एक हो गया तो भाजपा से आगे बढ़कर वे भी गठबंधन की बातें करने लगे। 2019 के बाद कहना शुरू कर दिया था कि देश से गठबंधन की राजनीति खत्म हो गई। मगर जब नीतीश कुमार के प्रयासों से इसने इतना व्यापक रूप ले लिया तो कूद कर एनडीए पर आ गए।

मुंबई का संदेश क्या है? इन्डिया के लिए कि छोटी-छोटी बातें छोड़ने से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है और मीडिया के लिए कि बने रहो पुछल्ले! तुम्हारी नियति यही है!

हालांकि इन्डिया के नेताओं ने मुंबई में मीडिया को बहुत प्यार से पुचकार कर समझाया। मीठे अंदाज में नीतीश कुमार ने कहा कि हम आपको भी मुक्त करवाना चाहते हैं। राहुल ने यही कहा कि डरो नहीं। हम आपको भी भयमुक्त कर देंगे। सारे नेता उदार भाव से मीडिया को समझाते रहे।

मगर इधर मीटिंग खत्म हुई उधर उनके अंदर मतभेद ढूंढने लगे। ममता बनर्जी कहां हैं? जबकि एक सितम्बर को मीटिंग खत्म होते ही शिवसेना के संजय राउत ने सबसे पहले यही बताया कि आपके सामने प्रेस कान्फ्रेंस में सब नेता मौजूद हैं। मगर ममता बनर्जी को जल्दी जाना था तो वे चली गईं। लेकिन कहानियां कहां रुकने वाली थीं। ममता नाराज की खबरें शुरू कर दीं।

सोचिए जो ममता एक सितंबर की सुबह मीटिंग शुरू होने से पहले सोनिया गांधी को शाल उढ़ाकर उनका सम्मान कर रही थीं। बेंगलुरू की प्रेस कान्फ्रेंस में माय फेवरेट राहुल कह रही थीं। वे किसी छोटी बात से नाराज होकर जा सकती थीं?

लेफ्ट से उनके मतभेद की खबरें लोकसभा के मतदान होने तक चलाई जाएंगी। लेकिन यह नहीं बताया जाएगा। तीन मीटिंगें हुईं पटना, बेंगलुरू और मुंबई। लेफ्ट के एक नहीं तीन तीन नेता, सीपीआईएम के सीताराम येचुरी, सीपीआई के डी राजा और सीपीआईएमएल के दीपंकर भट्टाचार्य उनमें ममता बनर्जी के साथ मौजूद रहे, खूब बातें करते हुए।

खींचतान कहां नहीं हैं? गोदी मीडिया में नहीं हैं? एक एंकर दूसरे चैनल को नीचा दिखाने के लिए तक-तक कब तक करता रहा! ज्यादा से ज्यादा जहरीला बनने के लिए कुछ एंकरों में कितना भयानक काम्पटिशन है। एक-दो को तो लगता है जैसे जहर के इंजेक्शन भी लगवाने पड़ते हैं! मगर यह भक्ति तो ऐसी चीज है कि कमी रह ही जाती है। अभी एक एंकर को सुनने को मिल गया कि जब जेल गए तो कैसा लगा? ऑन एयर बात हो रही थी जहर फैलाने में सबसे तेज निकल रहा एंकर बेचारा यह भी नहीं कह पाया कि हमारी तपस्या में कौन सी कमी रह गई!

बाकी एंकर और पत्रकार अभी यह नहीं सोच पा रहे कि कभी उनसे भी उनके चैनलों के मालिक ही पूछेंगे कि यह नफरत क्यों फैलाते थे? क्या हमने कहीं लिखकर कहा था? कोई जिम्मेदारी नहीं लेगा। एंकर, पत्रकार, मीडिया मालिक सब से सवाल होगा? अभी तो कुछ राज्य सरकारों की हिम्मत की वजह से दो-चार पत्रकार एंकर ही जेल में गए लेकिन अगर विपक्ष की खासतौर से कांग्रेस की राज्य सरकारें गोदी मीडिया से डरना छोड़ दें तो बड़ी तादाद में मीडिया को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। रिया चक्रवर्ती के मामले में क्या साबित हुआ? तो उन पर झूठे आरोप लगाने कैमरों से घेर कर उनसे पुलिसिया पूछताछ करने के आरोप में कितने लोग दोषी करार दिए जाएंगे? आर्यन के मामले में भी ऐसा ही हुआ। उसे गलत फंसाने के दोषी समीर वानखेड़े का साथ देने के मामले में मीडिया क्या कार्रवाई से बच जाएगा?

लेकिन अभी जैसा कि मुंबई में इन्डिया के नेताओं ने कहा कि हमारे कामों में एक मीडिया को गुलामी से निजात दिलाना भी है। नियंत्रण मुक्त तो सभी संवैधानिक संस्थाओं को करना है। लेकिन बाकी संस्थाएं और चाहे जो लोकतंत्र का नुकसान कर रही हों डायरेक्ट जनता को नफरती और क्रूर नहीं बना रही हैं। मीडिया तो जनता का चरित्र ही बदल रहा है।

प्रधानमंत्री लाल किले से कहते हैं हजार साल की गुलामी। चलो मान लिया। मगर हजार साल में भी भारतीय जनता ने अपनी सहज बुद्धि नहीं खोई। जितने विदेशी आए उसे बेवकूफ कोई नहीं कह सका। सबने उसकी बौद्धिक क्षमताओं की तारीफ की। मगर पिछले 9 साल में वह बौद्धिक अंधकार की तरफ बढ़ रही है। उसे रात-दिन नफरत और विभाजन सिखाया जा रहा है। पूरी दुनिया की निगाहें इस प्रयोग पर हैं कि क्या पूरे एक देश को 9-10 सालों में हजारों सालों की उदार सभ्यता को भुलाकर केवल और केवल नफरत पर जीना सिखाया जा सकता है? और अगर 140 करोड़ का पूरा एक देश नफरती बन गया तो दुनिया पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

अभी जी-20 हो रहा है। कुछ बड़े नेताओं चीन के, रुस के राष्ट्रपति, सऊदी अरब के प्रिंस ने तो आने से मना कर दिया। मगर कुछ देशों के शासनाध्यक्ष आ रहे हैं। वे अपने लिए सजाई सड़कों और गमलों को ही नहीं देखेंगे उसके पीछे भारत में क्या हो रहा है, यह भी देखेंगे।

एक देश एक चुनाव के लिए पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में कमेटी बना रहे हैं। मगर मणिपुर के अपने केन्द्रीय मंत्री, वहां के दूसरे सांसद को अपने ही देश की लोकसभा में बोलने नहीं दे रहे। संसद का विशेष अधिवेशन बुलाया क्या उसमें मणिपुर की बात होगी? वह भी तो देश का हिस्सा है। क्या यह सब बातें विदेशी अतिथियों के कानों में नहीं जाएंगी?

इन परिस्थितियों में इन्डिया आकार ले रहा है। जाहिर है एक बड़ा चैलेंज बन गया है। कह रहा है कि हम अपने नुकसान पर भी दूसरी सहयोगी विपक्षी पार्टी की मदद करेंगे। यह 'गिव एंड टेक नहीं होगा। सिर्फ गिव ही गिव होगा। मतलब देना ही देना।

और यह जरूरी है। अगर इस बार ऐसा नहीं किया तो कपिल सिब्बल जिनकी अप्रत्याशित मुंबई मीटिंग में एंट्री हुई की यह बात सच साबित हो जाएगी कि अगर इस बार भी मोदी जी जीत गए तो फिर विपक्ष चुनाव को भूल जाए। सही बात है। अगर मोदी जी तीसरी बार आ गए तो कई विपक्षी दल खतम हो जाएंगे। कई क्षेत्रीय नेता भी।

इसलिए सब 'गिव एंड टेक' की बात नहीं केवल 'गिव ही गिव' की बात कर रहे हैं। एक दूसरे को मजबूत करो। सब मजबूत हो जाओगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

शकील अख्तर

> एक देश एक चुनाव के लिए पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में कमेटी बना रहे हैं। मगर मणिपुर के अपने केन्द्रीय मंत्री, वहां के दूसरे सांसद को अपने ही देश की लोकसभा में बोलने नहीं दे रहे। संसद का विशेष अधिवेशन बुलाया क्या उसमें मणिपुर की बात होगी? वह भी तो देश का हिस्सा है। क्या यह सब बातें विदेशी अतिथियों के कानों में नहीं जाएंगी? इन परिस्थितियों में इन्डिया आकार ले रहा है। जाहिर है एक बड़ा चैलेंज बन गया है।

केरल ने खारिज की केंद्र की स्मार्ट मीटर योजना

■ पी. श्रीकुमारन

राज्य में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने राज्य में केन्द्र के प्री-पेडस्मार्ट बिजली मीटर के रोलआउट के लिए कुल व्यय (टोटेक्स) मॉडल को जोरदार ढंग से 'नहीं' कह दिया है। टोटेक्स मॉडल को लागू न करने और कोई अन्य लागत प्रभावी मॉडल चुनने का निर्णय मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन द्वारा बुलाई गई बैठक में लिया गया।

राज्य सरकार ने केंद्र सरकार पर ऐसे संशोधनों के माध्यम से देश की संघीय प्रणाली को खत्म करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया तथा हाल ही में संसद में पारित बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन का पुरजोर विरोध किया।

आधिकारिक तौर पर कहा गया कि केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) द्वारा एक वैकल्पिक प्रस्ताव विकसित किया जायेगा। प्रस्ताव के तहत, केएसईबी स्मार्ट मीटर परियोजना के लिए बिलिंग और संबद्ध सेवाओं के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करेगा। परियोजना के लिए आवश्यक संचार प्रणाली के लिए केरल फाइबरऑप्टिक नेटवर्क (के-फोन) का उपयोग किया जायेगा। केएसईबी का डेटा सेंटर डेटा का स्टॉक करेगा।

> राज्य सरकार ने केंद्र सरकार पर ऐसे संशोधनों के माध्यम से देश की संघीय प्रणाली को खत्म करने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया तथा हाल ही में संसद में पारित बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन का पुरजोर विरोध किया। आधिकारिक तौर पर कहा गया कि केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) द्वारा एक वैकल्पिक प्रस्ताव विकसित किया जायेगा।

पहले चरण में 37 लाख उपभोक्ताओं को प्रीपेड स्मार्ट मीटर से लैस करने का जो फैसला किया गया था उसे राज्य सरकार ने रद्द कर दिया है। अब केएसईबी के केवल औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ता, जिनकी संख्या तीन लाख से कम है, को ही स्मार्ट मीटर से लैस किया जायेगा।

स्मार्ट मीटर रोल-आउट केंद्र-सहायता प्राप्त पुनरुत्थान वितरण क्षेत्र योजना का एक घटक है। जब 15 जून को परियोजना के लिए निविदा आवेदन खोला गया, तो तीन निजी फर्मों ने भाग लिया, जिनकी सबसे कम बोली 3,475.16 करोड़ रुपये थी। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को प्रति स्मार्ट मीटर 9,500 रुपये का भुगतान करना पड़ता। बोर्ड ने प्रारंभिक चरण में 37 लाख उपभोक्ताओं के लिए परियोजना को लागू करने की योजना बनाई थी।

केएसईबी में वामपंथी और कांग्रेस समर्थित ट्रेड यूनियनों के कड़े विरोध के बाद इस योजना को छोड़ दिया गया। कर्मचारी संगठनों ने इस आधार पर इस योजना का विरोध किया कि इससे निजीकरण का मार्ग प्रशस्त होगा। उनका तर्क था कि बिजली मंत्रालय ने श्रम संगठनों की चिंताओं का समाधान नहीं किया है।

सीटू के महासचिव इलामारम करीम ने कहा कि केरल केएसईबी को कानूनी मुद्दों का हवाला देते हुए तुरंत निविदा प्रक्रिया को रद्द कर देना चाहिए था क्योंकि उसे एहसास हुआ कि स्मार्ट मीटर की कीमत 9,500 रुपये के करीब होगी, जबकि बोर्ड द्वारा निर्धारित आधार मूल्य 6,000 रुपये थी। राज्य के 1.35 करोड़ उपभोक्ताओं में से लगभग 50 लाख गरीब हैं और स्मार्ट मीटर लगाने में सक्षम नहीं हैं।

करीम ने दावा किया कि राज्य सरकार के सामने विकल्प टोटेक्स मॉडल को छोड़ना है और इसके बजाय सी-डैक द्वारा विकसित तकनीक को अपनाना है, जिसे सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा लागू किया जा सकता है। इसके अलावा, सीटू जैसे ट्रेड यूनियनों के अनुरोध के बाद, सीपीआई (एम) पोलित ब्यूरो ने परियोजना के कार्यान्वयन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था और कहा था कि इससे गरीबों और किसानों पर असहनीय बोझ पड़ेगा।

पिनराई विजयन के बयान में कहा गया है कि कई राज्यों को परियोजना को लागू करने और बिजली वितरण की जिम्मेदारी से हटने और अधिकतम लाभ के लिए इसे निजी कंपनियों को सौंपने के लिए मजबूर किया गया था। इससे गरीबों और किसानों पर असहनीय बोझ पड़ेगा। इसलिए इस प्रोजेक्ट को तुरंत रद्द किया जाना चाहिए।

सहकारी समिति अधिनियम में संशोधन के संबंध में, केरल ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा था कि संविधान की सातवीं अनुसूची की प्रविष्टि 32 के तहत सहयोग राज्य का विषय है। केंद्र सरकार अब नवीनतम संशोधनों के जरिए कानूनी झटके से उबरने और शीर्ष अदालत के फैसले को दरकिनार करने की कोशिश कर रही है।

केरल के सहकारिता मंत्री वीएन वासवन ने केंद्र सरकार पर ऐसे प्रावधानों को शामिल करने का आरोप लगाया, जिसके तहत राज्य सहकारी रजिस्ट्रार के तहत काम करने वाली वैधानिक समितियों को भी समाप्त किया जा सकता है और बहु-राज्य समितियों में परिवर्तित किया जा सकता है। किसी भी सहकारी समिति को शासी निकाय की बैठक के निर्णय और सामान्य निकाय की बैठक में बहुमत से एक बहु-राज्य समिति में परिवर्तित किया जा सकता है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, इस शर्त को हटा दिया गया है कि बहु-राज्य संघ बनने से पहले राज्य पंजीकरण रद्द कर दिया गया होगा और यह शर्त शामिल की गई है कि इसे स्वाभाविक रूप से रद्द कर दिया जायेगा।

केरल को यह भी आशंका है कि सोसायटी को अपनी संपत्ति और आय का उपयोग केंद्र सरकार या बड़े कॉर्पोरेट निवेशकों के निर्देश पर करने के लिए मजबूर किया जायेगा। इससे आम लोगों को मिलने वाली सहायता बहुत प्रभावित होगी और सहकारी समितियां उनकी पहुंच से बाहर हो जायेंगी। सबसे निर्दयी कटौती यह है कि संशोधन सहकारी समितियों के स्थानीय आर्थिक संसाधन के रूप में कार्य करने के प्राथमिक उद्देश्य को विफल कर देंगे, जिस पर कोई भी किसी भी समय भरोसा कर सकता है। ये संस्थान नई पीढ़ी के बैंकों जैसी कार्य संस्कृति अपनायेंगे जो केवल मुनाफे के लिए काम करते हैं। यही कारण है कि शीर्ष अदालत ने राज्यों के प्रति अनुकूल रुख अपनाया। जब यह स्पष्ट हो गया कि यह संघवाद के सिद्धांतों का उल्लंघन है तो उसने केंद्र सरकार के कदम को रोक दिया।

गुरवाणी विचार

जप मन सतनाम सदा सतनाम

थाल विच तिनि वस्तु पइओ-सत संतोख विचारो।
अमृत नाम ठाकुर का पइओ -जिसका सबस आधारो।।
जे को खावै जे को भुंचे-तिस का होय उधारो।
ऐह वसतु तजी नहीं जाई-नित नित रख उरिधारो।।
तम संसार चरण लगि तरीअै -सब नानक ब्रह्म पसारो।

गुरवाणी की इन पंक्तियों में पंचम नानक गुरु अर्जुन देवजी मानव मन को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं कि यह सारा संसार एक बहुत बड़ा थाल है। इस संसार रूपी थाल में तीन वस्तुएं सत्य, संतोष और विचार सृष्टि मान हो रहे हैं। इन तीनों वस्तुओं पर विचार करने पर पूरा इंसानी आध्यात्म समझ आ सकता है। क्योंकि यह तीनों वस्तुएं प्रभु नाम के मूल पदार्थ से उपजी हैं। प्रभु परमात्मा का नाम ही हर इंसान का जीवन ढाल सकता है। यही प्रभु परमात्मा नाम ही हर इंसान का ही ओट, आसरा है। इस नाम प्राप्ति हेतु उपरोक्त तीन चीजों की आवश्यक रूप से आवश्यकता है।

गुरुदेव ममझा रहे हैं कि थाल में मौजूद आत्मिक भोजन का सेवन करने वाले हर प्राणी का यकीनन रूप से भला होगा ही होगा। ये तीनों वस्तुएं हमें संभाल कर रखनी होगी और अपने जीवन में इन तीनों वस्तुओं का अमल करते रहना होगा। सत्य पर चल कर ही हम इस संसार में अपना आदर्श कायम कर पाएंगे बल्कि सत्य पर चल कर ही हम प्रभु परमात्मा की प्राप्ति भी कर वाएंगे। प्रभु का नाम भी सत्य ही है इसलिए तो हमें गुरवाणी द्वारा समझाइश दी गई है कि -जप मन सतनाम सदा सतनाम।

आगे संतोष के बारे में बताया गया है संतोष हमारे जीवन के लिए एक आवश्यक वस्तु है। संतोष एक ऐसा धन है जिसके आने पर हमें सारे धन धूरि के समान महसूस होने लगते हैं कहा भी गया है -

गौ धन गज धन बाज धन।
और रतन धन खान जब आवै
संतोख धन सब धन धूरि समान।।

फिर विचार धन का मतलब है प्रभु नाम का सिमरन बंदगी करते रहने प्रभु नाम का सिमरन (विचार) करते रहने पर हम प्रभु परमात्मा की प्राप्ति कर पाते हैं। इसीलिए तो हमें बार-बार हिदायत दी जाती है कि-

सांस सांस सिमरो गोविंद।
मन अंतरि की उतरे चिंद।। फिर हमें समझाया गया है
सिमरो सिमर सिमर सुख पाओ।
कलि कलेष तन माहि मिटाओ।।

इस संसार में हमारा मानव जीवन पाकर आना भी तभी सार्थक समझा जाएगा। जब हम प्रभु परमात्मा द्वारा दी गई प्रत्येक श्वांस रूपी पूंजी का प्रभु नाम सिमरन में खर्च करें। कुछ लोग इस बात पर किंतु परंतु करते हैं कि हर वक्त प्रभु नाम सिमरन करते रहने पर हम उदर पोषण अपने और अपने परिवार का कैसे कर पाएंगे तो वे इस बात को भूल जाते हैं कि जिस प्रभु परमात्मा ने हमें इस संसार में भेजा है वह हमारे खाने-पीने की व्यवस्था पहले लिख देता है- तूं जग उत्ते पिछों आवें। उह पहले लिख जांदा है।।

प्रभु परमात्मा में ब्यालीस लाख जीव जल में रखे हैं उनकी भी रोजी रोटी का वह इंतजाम कर रहा है। फिर हमें हाथ पांव से तो अपने उदर पोषण हेतु कार विहार करना ही है पर मन हमारा निरंकार से जुड़ना चाहिए। जिस तरह एक पतंग बाज आसमान में पतंग उड़ाता है। अपने साथ खड़े संगी साथियों से बातचीत भी करता रहता है पर ध्यान उस उसका पतंग पर ही रहता है। कब डोर छोड़नी है, कब खींचनी है। इस बात का पूरा ध्यान रखता है। ठीक इसी प्रकार हमें मन निरंकार के साथ जोड़ना है।

नाम कहे तिलोचना मुख ते नाम संभाल।
हाथ पांव से काम सब चित निरंजन नाल।।

सत संतोख पर चलते हुए प्रभु नाम पर विचार (सिमर बंदगी) करते हुए इस संसार समुंद्र से हम अपनी जीवन नौका से खेकर प्रभु परमात्मा के सांचे दरबार में उजले मुख से जा सकते हैं। इसी प्रकार प्रभु परमात्मा की रजा पर चलते रहने पर हमें इस बात का ज्ञान हो पाएगा कि प्रभु परमात्मा का नाम ही सदा सत्य है। सच्चा आचरण रखकर सच्चा विचार रखकर ही हमें जीवन की सूझ प्राप्त हो पाती है। इन तीनों सूत्रों पर चलकर ही हम इस लोक में सुखपूर्वक जीवनयापन कर उजले मुख से परलोक गमन कर जहां पर सुख ही सुख, आनंद ही आनंद की प्राप्ति कर पाएंगे।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

चन्द्रयान-3 और आदित्य-1 की लॉचिंग दुनिया के लिए आश्चर्य

भारत दुनिया का सरताज बन गया है। विश्वगुरू की ओर बढ़ते कदम ने दुनिया में भारत ने डंका बजा दिया है। इसरो के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत और लोकप्रियता, सरकार के मेक इन इंडिया नारे की गूंज दुनिया के देशों में छाप छोड़ने लगी है। वैज्ञानिकों के इस साहस का लोहा दुनिया ने माना है। विक्रम साराभाई जैन की देन थी कि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पहला कदम 1964 में रखा। 15लाख किमी की दूरी तय कर आदित्य-1 एल-1 की पॉइंट पर पहुंचेगा। सूर्य की स्टडी करेगा। शनिवार को श्रीहरिकोटा से सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया। दुनिया की नजर भारत पर टिकी थी। दुनिया आश्चर्यजनक स्थिति में है। भारत की इस कामयाबी में कई वर्षों की मेहनत और रिसर्च का सुखद परिणाम है। भारत कामयाबी के ऊंचे शिखर पर है। सूर्य की एनर्जी और सूर्य की स्टडी से पता चलेगा। पृथ्वी पर बदलाव और धरती पर जनजीवन को प्रभावित करने का मुख्य कारण का पता लगाना है। अमेरिका ने छह बार सोलर मिशन तो चीन में एक बार सोलर भेजने के बाद कोई उपलब्धि हासिल नहीं हुई थी। सूरज की विशालता का बड़ा पैमाना है और एक सूर्य में 13 लाख पृथ्वी समा जाए,यह वैज्ञानिकों का कहना है। भारत की इन उपब्धियों के पीछे सत्तारूढ़ सरकार की सफलता कारणभूत है। लेकिन यह पूरे देश और देशवासियों की उपलब्धि है जिसके कारण आज चांद और सूरज की परिक्रमा के लिए चंद्रयान 3 ने कार्य शुरू कर दिया है तो शनिवार को भारत की दूसरी कामयाबी में आदित्य-1 की लॉचिंग भारत की प्रसिद्धि की यह तस्वीर दुनिया ने नजदीक से निहारी है। भारत उत्तरोतर प्रगति का शंखनाद कर दुनिया को हर समय चौंकाने के लिए वैज्ञानिकों की मेहनत और देशवासियों की आस्था की सफलता कदम चूम रही है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

इसे विकास कहते गुस्सा आता है

अभनपुर से राजिम सड़क चौड़ीकरण इस नासमझी के साथ जारी है कि इसे विकास कहते हुए गुस्सा आता है। सड़क इतनी अधिक ऊंची हो गई है कि छह सौ से अधिक आवासीय और व्यावसायिक मकान-दुकान डूब गए हैं। विकास के नाम पर यह पागलपन यहीं नहीं रुकता। इस सड़क के दोनों तरफ जो नालियां बनाई जा रही हैं वह सड़क से ऊंची बनाई जा रही है इससे मुख्य सड़क पर आने और मुख्य सड़क छोड़कर गली में जाने के लिए यह नाली पहाड़नुमा ब्रेकर जैसा बन गया है जिस पर बुजुर्गों और बच्चों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस विकास के नाम हजारों हरे-भरे छायादार पेड़ बलि अलग चढ़ गए हैं। इसे इस कथित विकास की पुरौनी कह सकते हैं।

ताज्जुब तो इस बात पर भी होता है कि वैध आवासीय और व्यावसायिक मकान-दुकान के मालिक विकास के नाम पर हो रहे मनमानी पर क्यों चुप्पी साधे रहे? क्या नीचे हो चुके मकान-दुकान के गंदे पानी को पंप के द्वारा ऊंचाई पर बने नाली में पहुंचाया जाएगा?

क्या इस मुर्खतापूर्ण कार्य को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती थी? विरोधी दलों को तो इस मुद्दे पर आंदोलन कर देना था वह भी नहीं हुआ। गैर आबादी इलाके में ऊंची सड़क समझ में आने वाली बात है लेकिन आबादीयुक्त क्षेत्रों में सड़क को साल-दर-साल ऊंचा करने के बजाय सुविधाजनक विकल्प के बारे सोचा जाना चाहिए।

-दिनेश चौहान, राजिम

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770 ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

जिम्बाब्वे के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति एमर्सन आज लेंगे शपथ

हरारे। जिम्बाब्वे में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति एमर्सन म्नांगाग्वा सोमवार को अपने दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। सूचना, प्रचार एवं प्रसारण सेवा मंत्री मोनिका मुत्सवांगवा ने बताया कि शथग्रहण समारोह राजधानी हरारे में राष्ट्रीय खेल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। जिम्बाब्वे के चुनाव आयोग के अनुसार, 23-24 अगस्त के चुनाव में कुल पड़े वोटों में से 52.6 प्रतिशत वोट हासिल करने के बाद श्री म्नांगाग्वा को उनके दूसरे एवं अंतिम पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया।

काकर ने नौ मई की हिंसा को 'तख्तापलट का प्रयास' करार दिया

इस्लामाबाद, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर ने गत 09 मई की हिंसा को 'तख्तापलट और गृह युद्ध का प्रयास' करार देते हुए कहा कि इसका लक्ष्य सेना प्रमुख एवं उनकी टीम को खत्म करना था। द न्यूज की रविवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार जियो न्यूज के कार्यक्रम 'जिरगा' में श्री काकर ने इस साल मई में भ्रष्टाचार के मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुए दंगों की निंदा की। श्री

■ 'सेना प्रमुख एवं उनकी टीम को खत्म करना था लक्ष्य'

काकर ने कहा, नौ मई को हुई बर्बरता और आगजनी को पूरी दुनिया ने देखा और अंतरराष्ट्रीय समाचार पत्रों ने इस त्रासदी की रिपोर्ट की। सरकार के किसी भी रूप में इस तरह की हेराफेरी स्वीकार्य नहीं है। अपने पहले एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार यह धारणा नहीं बनाना चाहती कि नौ मई की हिंसा के आरोपियों से बदला लिया जा रहा है। उन्होंने हालांकि, कहा, अगर देश के कानूनों का उल्लंघन करने वाले और हिंसा का सहारा लेने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो हमें इस मामले में एक पक्ष के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल को दूसरों पर पत्थर फेंकने, उनके साथ दुर्व्यवहार करने और इमारतों को जलाने का अधिकार नहीं है। उन्होंने तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य प्रतिबंधित संगठनों के संबंध में पाकिस्तान की नीति पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सरकार की अग्रिम नीति को स्पष्ट करते हुए कहा, देश के पास टीटीपी या किसी भी प्रतिबंधित संगठन से निपटने के लिए बातचीत और बल दोनों उपकरण हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में आठ आतंकी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को कहा कि उन्होंने एक घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए प्रांत के वाशुक जिले में एक ऑपरेशन चलाया। बयान में कहा गया है कि घर पर छापेमारी के दौरान आतंकवादियों ने पुलिस पर गोलियां बरसाकर भागने की कोशिश की, इसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई, जिसमें पांच आतंकवादी मारे गए और दो भागने में सफल रहे। बयान में कहा गया है कि पुलिस ने उस परिसर से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया, जहां इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े आतंकवादी सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमले की योजना बना रहे थे। हमले के बाद भाग रहे आतंकवादियों को पकड़ने के लिए सीटीडी ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया। सीटीडी के बयान में कहा गया है कि प्रांतीय राजधानी क्वेटा में एक अलग अभियान में, पुलिस ने शहर से दो सप्ताह पहले अपहृत एक नागरिक को बरामद कर लिया और गोलीबारी में तीन हमलावरों को मार गिराया।

'विद्यालयों में 'अबाया' पर पाबंदी लगाने में मदद करेगा गृह मंत्रालय'

पेरिस, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। फ्रांस के गृह मंत्री जेराल्ड डर्मेनिन ने कहा है कि उनका मंत्रालय देश भर के विद्यालयों में पूरे शरीर को ढकने वाले मुस्लिम परिधान 'अबाया' पर प्रतिबंध लगाने में मदद करेगा। श्री डर्मेनिन ने शनिवार को लिले के दौरे के दौरान कहा, गृह मंत्रालय के कर्मचारी शिक्षकों और शिक्षा मंत्री (गेब्रियल अटल) के साथ सहयोग करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फ्रांस में अधिकारियों द्वारा अपनाए गए नियम का पालन किया जाए। विद्यालयों में तटस्थता होनी चाहिए। इसके बाहर हर किसी की अपनी राय हो सकती है।

■ पूरे शरीर को ढकने वाला मुस्लिम परिधान है 'अबाया'

उन्होंने कहा कि सरकार 'बिल्कुल सही' थी, जब उसने विद्यालयों में धार्मिक कपड़े पहनने पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया। पिछले महीने शिक्षा मंत्री ने कहा था कि सरकार चार सितंबर को विद्यालय वर्ष की शुरुआत के समय पर प्रतिबंध के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने तर्क दिया कि अबाया पहनने पर प्रतिबंध विद्यालय के माध्यम से छात्रों के खुद को मुक्त करने के अधिकार प्रदान करेगा। सरकार की इस घोषणा के बाद फ्रांस में राजनीतिक और सामाजिक जीवन पर देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और नागरिक स्वतंत्रता पर किस हद तक अतिक्रमण करती है, इसको लेकर बहस शुरू हो गयी है।

सुडोकू 6306

				9	3	7		4
					4			5
			2			6		
	2			1				
	1	8	6		7	3	9	
				8			5	
		2			9			
6			4					
9		1	7	2				

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 4 सितम्बर, 2023 भाद्र कृष्ण पक्ष 4

राशिफल

मेष - आज का दिन आपके लिए बेहद अनुकूल रहेगा। आप तन-मन से स्वस्थ होकर कई तरह के काम आसानी से पूरे कर पाएंगे। सफलता मिलने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। आज भाग्य आपका साथ देगा। इनकम बढ़ेगी।

वृषभ - आज आपको सावधान रहने की सलाह दी जाती हैं। आज अचानक होने वाली घटनाओं से आप चिंतित रहेंगे। स्वास्थ्य खराब होने और आंखों में दर्द होने की आशंका बनी रहेगी।

मिथुन - आज आपका दिन बहुत लाभदायी है। अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। धन प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। मित्रों से अचानक हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। मित्रों से लाभ होगा।

कर्क - आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आप आज हर काम सरलता से पूरे कर पाएंगे। नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे। आपकी पदोन्नति के योग हैं। अधिकारियों के साथ किसी महत्वपूर्ण बात पर चर्चा होगा।

सिंह - आज आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। पहले से निर्धारित काम के लिए आपका प्रयास ज्यादा रहेगा। आपका व्यवहार न्यायपूर्ण रहेगा। आज आपके धार्मिक एवं मांगलिक कामों में व्यस्त रहने की संभावना ज्यादा रहेगी।

कन्या - आज का दिन किसी भी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा है। हेल्थ का ध्यान रखने और खासकर बाहर के खाने-पीने से परहेज करने की सलाह आपको दी जाती है।

तुला - आज आपका दिन आनंद-प्रमोद में गुजरेगा। रोमांस के लिए आज का दिन अच्छा है और किसी खास व्यक्ति का साथ आपको आनंद देगा। मित्र एवं प्रियजन आपके प्रवास को आनंद से भर देंगे।

वृश्चिक - आज आप के घर में सुख शांति और आनंद का माहौल रहेगा। आपका शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा। जरूरी कामों पर धन खर्च होगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

धनु - आज आपको यात्रा ना करने की सलाह दी जाती है। संतान के स्वास्थ्य और पढ़ाई के संबंध में चिंता रह सकती है। मेहनत करने पर भी आज काम में सफलता नहीं मिलेगी।

मकर - आपको कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक समस्याओं का प्रभाव आपके मस्तिष्क पर पड़ेगा। माता के स्वास्थ्य की चिंता होगी। समाज में अपमानित होने का डर लगा रहेगा।

कुंभ - आज आपको मानसिक राहत मिलेगी। शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होने के कारण आपका उत्साह बढ़ेगा। दोस्तों और पड़ोसियों के साथ रिश्ते बेहतर होंगे। घर में रिश्तेदार और मित्रों के आने से खुशी का अनुभव करेंगे।

मीन - नकारात्मक विचारों को अपने मन से हटाएं। क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। किसी से वाद-विवाद या झगड़े को हर संभव टालने का प्रयास करें। खान-पान पर संयम बरतने की जरुरत है। शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

बांग्लादेश में डेंगू से 21 और लोगों की मौत

ढाका, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 21 और लोगों की मौत हुयी है और इसके साथ ही यहां अब तक इस वर्ष संक्रामक बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 618 हो गयी है। बंगलादेश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार इस अवधि के दौरान 2,352 अधिक रोगियों को वायरल बुखार के उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। नए रोगियों में से 982 को ढाका के अस्पतालों में और बाकी को राजधानी के बाहर भर्ती कराया गया है। राजधानी ढाका में 3,903 सहित कुल 8,632 डेंगू मरीज अब देश भर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। डीजीएचएस ने इस साल अब तक 127,694 डेंगू मामले और 118,444 रिकवरी दर्ज की है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बंगलादेश में डेंगू के मामले बढ़ने पर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा, डेंगू के मामले उच्च तापमान और उच्च आर्द्रता के साथ संयुक्त रूप से असामान्य बारिश के कारण सामने आ रहे हैं, जिससे इसके कारण पूरे बंगलादेश में मच्छरों की आबादी में वृद्धि हुई है।

सूडानी सेना ने खार्तूम में अर्धसैनिक बलों की चौकियों पर हमले किए तेज

खार्तूम, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) ने सूडान की राजधानी खार्तूम में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के ठिकानों पर हवाई हमले और तोपखाने बमबारी तेज कर दी है। खार्तूम के एक सूत्र ने शनिवार को शिन्हुआ को बताया कि एसएएफ युद्धक विमानों ने खार्तूम के उत्तर-पश्चिम में ओमडुरमन के भीतर आरएसएफ स्थानों पर हवाई हमले किए। इन हमलों ने ओमडुरमैन के पश्चिम में ओमबाडा और दार अल सलाम जैसे इलाकों के साथ-साथ दक्षिण में अल सलहा पड़ोस को निशाना बनाया। सूत्र ने कहा, सेना व वायु सेना ने खार्तूम के उत्तर में बहरी शहर के अल-कदारो पड़ोस में आरएसएफ पदों पर भी हमले किए। इस बीच, दक्षिण खार्तूम आपातकालीन कक्ष के प्रवक्ता मोहम्मद कंदाशा ने शनिवार को अपने फेसबुक पेज पर बताया कि वायु सेना ने दक्षिणी खार्तूम में अल-इंगहाज़, अल-अज़हरी और अल-सलामा इलाकों पर तीव्र बमबारी की। कंदाशा ने कहा, दक्षिण खार्तूम के इलाकों में सुबह से लगातार हवाई और तोपखाने बमबारी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अल-अज़हरी पड़ोस में रज़ी अस्पताल के पास एक आवासीय और वाणिज्यिक स्थल पर हमले के कारण दो लोग मारे गए और दस अन्य घायल हो गए, इनमें से कुछ गंभीर हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार आरएसएफ ने शनिवार को एक बयान जारी कर युद्धक विमानों द्वारा अंधाधुंध हवाई बमबारी की निंदा की, जिसके परिणामस्वरूप तीन शहरों में महिलाओं और बच्चों सहित कई नागरिक हताहत हुए। आरएसएफ ने यह भी बताया कि आबादी वाले इलाकों में भारी तोपखाने की गोलाबारी जारी रही, इसमें अल-सल्हा, अल-फतेइहाब और ओमडुरमैन में ओम्बाडा के साथ-साथ पूर्वी नील क्षेत्र भी शामिल है।

■ ओमबाडा और दार अल सलाम जैसे इलाकों को निशाना बनाया

वर्ग पहेली 6306

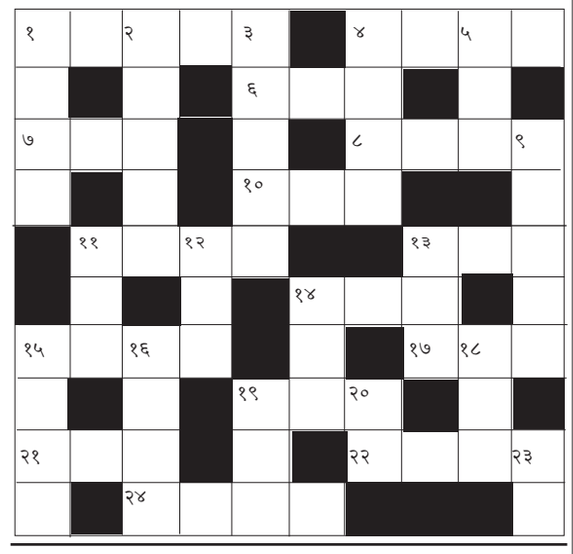

बायें से दायें:-

१. जिस पर विजय पाना कठिन हो, परमेश्वर
४. बंटवारा
६. माथा, ललाट
७. अनार
८. कोई चीज पाने के लिए हाथ बढ़ाना, झटपट चल पड़ना, किसी पर झपटना
१०. धमकाना, डराना, डांटना, क्रोध
११. शिकन आना, फर्क पड़ना (मुहावरा)
१३. गोलमाल, गड़बड़
१४. लोहे-बांस आदि की तीलियों आदि का बना एक तरह का टोकरा जैसी आकृति जिसमें पालतु पशु-पक्षी रखे जाते हैं
१५. कानूनी
१७. विफल (उर्दू)
१९. दूर में स्थित
२१. पाप रहित
२२. हवा में इधर-उधर होना
२४. कामना, अभिलाषा

ऊपर से नीचे:-

१. पीड़ादायक
२. राजप्रासाद
३. यमलोक की पीड़ा
४. किसी के खाते में खर्च की ओर कोई रकम लिखना
५. जन्म देने वाला
९. कठोर, जो कोमल न हो (उर्दू)
११. अधिकतर
१२. डर, खौफ़, दहशत
१३. कुल, वंश
१४. ललाई लिए हुए पीले रंग का, पीला
१५. पारिश्रमिक लेकर कार्य करने वाला
१६. बेजोड़, बेमिसाल
१८. मिस्र की राजधानी
१९. कठिन मुश्किल२०. दृढ़ और सूखी जमीन, स्थान
२३. अनेक, कई

वर्ग पहेली-6305

नौ	ज	ला	ध्य	क्ष		पा	की	ज	गी
नि		व		मा	हि	र		रू	
हा	सि	ल		या		प	धा	र	ना
ल		श्क		च	रि	त्र			व
	ब	र	स	ना			उ	त्क	च
	चा		चे		सं	जी	दा		ला
न	व	जा	त		प		र	ह	ना
व		दू		खि	न्न	ता		सी	
ल	वं	ग		ल		र	त	ना	र
ता		र	च	ना	त्म	क			ण

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

ब्रिटिश पाकिस्तानी टिकटॉकर मां को आजीवन कारावास

लंदन, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में लीसेस्टरशायर की एक अदालत ने दोहरे हत्याकांड के मामले में टिकटॉकर महेक बुखारी और उनकी मां अंसारीन बुखारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने महेक (24) को न्यूनतम 31 वर्ष और आठ महीने के आजीवन कारावास तथा उनकी मां अंसारीन को न्यूनतम 26 साल और नौ महीने के आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष लीसेस्टर के पास हुई दुर्घटना में साकिब हुसैन और हाशिम इजाजुद्दीन (दोनों 21 वर्षीय) की मौत हो गई थी। पूछताछ से पता चला कि तीन साल से अंसारीन और हुसैन में अवैध संबंध थे। जब अंसारीन बुखारी ने इसे खत्म करने का प्रयास तो हुसैन ने उनके पति के सामने रिश्ते को उजागर और उनके वीडियो साझा करने की धमकी दी। अंसारीन ने हुसैन द्वारा रिश्ते के दौरान खर्च किए गए पैसे वापस करने की पेशकश की और हुसैन के लिए अंसारीन तथा उनकी बेटी से मिलने की व्यवस्था की गई। न्यायाधीश का कहना है कि मामले को 'नृशंस हत्या' के रूप में वर्गीकृत करने में अभियोजन पक्ष सही था पुलिस ने न्यायालय में बताया कि अंसारीन और महेक बुखारी छह अन्य लोगों के साथ हैमिल्टन, लीसेस्टर में एक टेस्को कार पार्क में आयोजित बैठक में पहुंचीं। इसके बाद हुसैन अपनी कार में कार पार्क में पहुंचे जिसे उसका मित्र इजाजुद्दीन चला रहा थे। टक्कर इतनी भीषण थी की हुसैन की कार दो भागों में विभाजित हो गई और उनका इंजन कार से अलग हो गया। उन्होंने बताया कि आग लगने से पहले दोनों पीड़ितों की कई चोटों के कारण मौत हो गई। इंस्पेक्टर मार्क पैरिश ने कहा, यह एक क्रूर और निर्दयी हमला था जिसमें अंतत: दो लोगों की जान चली गई।

ब्रिटेन में बढ़ेगा डेढ़ लाख स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन

लंदन, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटेन सरकार ने रविवार को कहा कि देश की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के करीब एक लाख 50 हजार चिकित्सकों की हड़ताल समाप्त कराने की कार्रवाई के तहत इसी माह से उनके वेतन में वृद्धि की जाएगी। सरकार ने आज यहां जारी एक बयान में कहा, सरकार ने चिकित्सकों और दंत चिकित्सकों के पारिश्रमिक पर स्वतंत्र समीक्षा निकाय की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है और इस महीने से राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के करीब डेढ लाख चिकित्सकों को बढ़ा हुआ वेतन मिलना शुरू हो जाएगा। सरकार ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रथम वर्ष के चिकित्सको को 10.3 प्रतिशत , औसत कनिष्ट चिकित्सकों को 8.8 प्रतिशत और चिकित्सा सलाहकारों के छह प्रतिशत बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा। बयान में कहा गया, यह वेतन वृद्धि कर्मचारियों को महत्वपूर्ण वेतन वृद्धि देते हुए मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने की आवश्यकता को संतुलित करती है। कुछ कर्मचारियों को वेतन वृद्धि के साथ-साथ प्रदर्शन वेतन, ओवरटाइम, वेतन प्रगति और पदोन्नति से वेतन वृद्धि से भी लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य कर्मचारी भी कई महीनों से हड़ताल पर हैं, जिससे देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ गया है।

आज का इतिहास

1665 - मुग़लों और छत्रपति शिवाजी महाराज के बीच पुरंधर की संधि पर हस्ताक्षर।
1781 - स्पेन के निवासियों ने लॉस एंजिल्स की स्थापना की।
1825 - प्रमुख राजनीतिज्ञ दादा भाई नौरोजी का जन्म।
1888 - महात्मा गांधी ने इंग्लैंड के लिए समुद्री यात्रा शुरु की।
1944 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सैनिकों ने बेल्जियम के एंटवर्प शहर में प्रवेश किया।
1946 - भारत में अंतरिम सरकार का गठन।1967 - महाराष्ट्र का कोयना बांध भूकंप की चपेट में आकर ध्वस्त, 200 से ज्यादा लोगों की मौत।
1985 - 73 बरस पहले समुद्र में डूबे जहाज टाइटेनिक की तस्वीरें सामने आईं।
1999 - ईस्ट तिमोर में सम्पन्न जनमत संग्रह में 78.5 प्रतिशत जनता ने इंडोनेशिया से स्वतंत्रता के पक्ष में अपना मत प्रकट किया।
2000 - श्रीलंका के जाफना की बाहरी सीमाओं पर श्रीलंका सेना तथा मुक्ति चीतों के बीच संघर्ष में 316 लोग मारे गये।
2008 - केन्द्रीय कैबिनेट ने सात राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के सम्बन्ध में परिसीमन आयोग की सिफारिशों में सुधार के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
2009 - गुजरात उच्च न्यायालय ने जसवंत सिंह की मुहम्मद अली जिन्ना पर लिखी किताब पर गुजरात में लगा प्रतिबंध हटाया।
2012- पैरालम्पिक खेलों में गिरीश होसंगारा नागराजेगौड़ा ने भारत को पहला पदक दिलवाया ।

कूटनीति कुछ राष्ट्राध्यक्षों की अनुपस्थिति को लेकर चल रही चर्चाएं

जी-20 की पहली तीन बैठकों में ही उपस्थित हो सके थे शीर्ष नेता

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में कुछ राष्ट्राध्यक्षों की अनुपस्थिति को लेकर भले ही कुछ अलग तरह की चर्चाएं चल रही हों लेकिन यह भी तथ्य है कि 2008 से अब तक हुए 16 शिखर-सम्मेलनों में से केवल शुरुआती तीन में ही सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों ने भाग लिया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की अनुपस्थिति और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में अनिश्चितता को लेकर जी 20 शिखर-सम्मेलन की कामयाबी को लेकर कुछ हलकों में कुछ टीका टिप्पणियां की जा रही हैं लेकिन पिछले सम्मेलन पर निगाह डाली जाए तो कुछ और तथ्य सामने आते हैं।

पिछले रिकॉर्ड से पता चलता है कि वैश्विक शिखर सम्मेलनों में उपस्थिति का स्तर साल-दर-साल बदलता और व्यस्तताओं के चलते हर नेता के लिए हर शिखर सम्मेलन में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता है। कई बार नेता अपने निजी कारणों से शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले पाते हैं। यहां सबसे उदाहरण इटली में वर्ष 2021 का जी20 शिखर सम्मेलन है जहां नेताओं के लिए इसे छोड़ने का कोई बड़ा भू-राजनीतिक या स्वास्थ्य कारण नहीं था, लेकिन कुछ परिस्थितियां इस तरह से हुईं कि 20 सदस्य देशों में से छह देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों की बजाय उनके प्रतिनिधि नेताओं ने भाग लिया था।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 से, जी 20 का प्रत्यक्ष रूप से 16 शिखर सम्मेलनों और एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन (सऊदी अरब, 2020) का आयोजन हो चुका है। वर्ष 2009 और 2010 में दो-दो शिखर सम्मेलन हुए। इन 16 प्रत्यक्ष शिखर सम्मेलनों में से, 2008 और 2009 के पहले तीन शिखर सम्मेलनों को छोड़कर, 2010 से अब तक एक भी अवसर ऐसा नहीं आया जब कि इसमें प्रत्येक देश ने राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष स्तर पर भाग लिया हो। जी 20 शिखर-सम्मेलन के इतिहास को देखें तो छह बार - 2010, 2011, 2012, 2013, 2016, 2017 में एक देश के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष ने भाग नहीं लिया। पांच बार 2010, 2014, 2015, 2018, 2019 में दो देशों के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष नहीं आये। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद वर्ष 2022 में तीन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष शामिल नहीं हुए। वर्ष 2021 में (यूक्रेन युद्ध से पहले, कोविड के बाद) छह देशों के शीर्ष नेता नहीं आए थे।

ऐसे नौ देश - कनाडा, जर्मनी, भारत, इटली, दक्षिण कोरिया, तुर्की, ब्रिटेन , अमेरिका , यूरोपीय संघ हैं जिन्होंने हमेशा हर शिखर-सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष के स्तर पर शिरकत की है। मेक्सिको के राष्ट्रपति ने 2018 से स्वयं भाग नहीं लिया है।

■ रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन सम्मेलन में नहीं कर रहे शिरकत

दुनिया को जानें

चीन-आसियान एक्सपो में दिखेगी आकर्षक हांगझाऊ शहर की झलक

बीजिंग, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। चीन का आकर्षक शहर होने के नाते हांगझाऊ 20वें चीन-आसियान एक्सपो में दुनिया को शहर का आकर्षण और जीवन शक्ति दिखाएगा और एक्सपो के दौरान आर्थिक व व्यापारिक आदान-प्रदान बैठक का आयोजन करेगा। बताया जाता है कि एक्सपो में हांगझाऊ आधुनिक प्रदर्शन प्रौद्योगिकी और ऑडियो, वीडियो, वस्तु व अन्य माध्यम से एशियाई खेल, डिजिटल अर्थव्यवस्था और वैश्विक धरोहर तीन भागों में दुनिया को अपना आकर्षण दिखाएगा। हांगझाऊ एशियाई खेलों का उद्घाटन 23 सितंबर को होगा। एशियाई खेलों के खंड में खेल मैदान, प्रतिस्पर्धा, कार्यक्रम और शुभंकर आदि से एशियाई खेलों की तैयारी में हांगझाऊ का प्रयास दिखाया जाएगा। डिजिटल अर्थव्यवस्था के खंड में देश का प्रथम डिजिटल अर्थव्यवस्था शहर बनाने में हांगझाऊ में मिली उपलब्धियां दिखाई जाएंगी। कई डिजिटल अर्थव्यवस्था के औद्योगिक पार्क हांगझाऊ में स्थित हैं। विश्व डिजिटल व्यापार एक्सपो के आयोजन, मुक्त व्यापार पायलट क्षेत्र के निर्माण और ई-कॉमर्स के विकास में प्रगति हासिल की।

प्रादेशिकी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र 18 से 25 सितम्बर

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 18 से 25 सितंबर तक चलेगा और सत्र की सात बैठकें होंगी। विधानसभा सचिवालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 सितम्बर को दिवंगत विधायकों के शोकोद्गार के बाद दो बजे सत्र शुरू होगा। सत्र में रविवार के अवकाश को छोड़कर बाकी बैठकें लगातार होंगी। सत्र के बीच में इस बार 21 सितंबर को प्राइवेट मेंबर्स डे होगा। उल्लेखनीय है कि इस आपदा के चलते विधानसभा का यह मानसून सत्र महीने भर देरी से हो रहा है। पिछले साल जहां सत्र चार दिन का था तो इस बार सात दिन का रखा गया है। विधानसभा मानसून सत्र की घोषणा के साथ ही विपक्ष ने कांग्रेस सरकार को आपदा पर घेरने कर ली है। शनिवार को मानसून सत्र के लिए प्रदेश विधानसभा सचिवालय को 175 सवाल मिल गए थे।

पहाड़ से हौसले व जन सहयोग के साथ विपदा से उबरने की राह पर कदम बढ़ा रहा हिमाचल

शिमला, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। सोमा देवी शिमला शहर के पंथाघाटी में रहने वाली एक वरिष्ठ नागरिक हैं। गत दिनों वे मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू से विशेष तौर पर मिलने पहुंचीं और अपनी एक माह की पेंशन 61 हजार रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए अंशदान के रूप में प्रदान की। इसी तरह अवनि सिंह ने अपने 15वें जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री से भेंट की और उन्हें 51 हजार रुपए राहत कोष के लिए प्रदान किए। यह राशि उन आपदा प्रभावितों को सहारा देने के लिए स्वेच्छा से प्रदान की गई जिन्होंने भारी बारिश, बाढ़ एवं भू-स्खलन के कारण चंद पलों में ही जिंदगी को बिखरते हुए देखा है। इस प्राकृतिक आपदा में कई लोग हमेशा के लिए अपनों से बिछुड़ गए और सैकड़ों ने अपनी जीवन भर की मेहनत से बनाये आशियाने खो दिए। सोमा देवी, अवनि सिंह जैसे हजारों लोग विपदा की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों की मदद के लिए प्रदेश सरकार के हमराह व सहयोगी बन रहे हैं ताकि पहाड़ों का वह जज्बा कायम रहे कि संकट को सीने पर सहते भी हैं और इससे उबर कर पुन: खड़े होने का हौसला भी रखते हैं।

इस बरसात जुलाई और अगस्त माह में बहुत भारी बारिश के कारण प्रदेश भर में तबाही का एक ऐसा दौर शुरू हुआ जिसमें 330 से अधिक लोग असमय काल का ग्रास बने हैं। इसके अलावा निजी एवं सार्वजनिक सम्पत्ति को भी भारी नुकसान हुआ है। इस

- आपदा राहत कोष में 163 करोड़ रुपए से अधिक का अंशदान

प्राकृतिक आपदा से मिले जख्मों को भरने व प्रभावितों की मदद के लिए अनेक लोग एवं संस्थाएं प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग कर रही हैं और हजारों की संख्या में सहायता के लिए हाथ बढ़े हैं। इस वर्ष बरसात में बादल पिछले 50 वर्षों की तुलना में सर्वाधिक बरसे हैं जिस कारण सड़क अधोसंरचना, जल आपूर्ति परियोजनाएं, विद्युत लाईनें, भवन, निजी एवं सार्वजनिक सम्पत्ति बड़े स्तर पर क्षतिग्रस्त हुई है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अवरूद्ध मार्गों तथा बाढ़ के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे लगभग 80 हजार लोगों को सकुशल सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश सरकार ने आपदा के प्रथम दिन से ही राहत एवं बचाव सहित पुनर्वास कार्यों के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने आपदा राहत कोष-2023 स्थापित करने का सराहनीय निर्णय लिया और लोगों से इसमें सामर्थ्य अनुसार अंशदान करने की अपील की ताकि केंद्र से सीमित सहायता के बीच ऐसी कठिन स्थिति में इस कोष के माध्यम से अधिक से अधिक प्रभावितों को सहायता प्रदान की जा सके। कोष की स्थापना से अब तक समाज के सभी वर्गों की ओर से सहयोग मिला है और 2 सितम्बर तक इसमें 163 करोड़ रुपये से अधिक का अंशदान प्राप्त हो चुका है। प्रदेश में स्थित शक्तिपीठों ने भी आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए इस कोष में अंशदान दिया है। श्री ज्वालामुखी मंदिर न्यास ने 5 करोड़ रुपये, मां श्री चिंतपूर्णी ट्रस्ट ने दो करोड़ रुपये प्रदान किए, वहीं तारा देवी मंदिर, संकटमोचन मंदिर शिमला अन्य न्यास व संस्थान भी इसमें सहयोग राशि प्रदान कर रहे हैं।

हिमाचल में पटरी पर लौट रहा पर्यटन कारोबार, हवाई उड़ानें भी नियमित

शिमला। हिमाचल प्रदेश की पर्यटन नगरी 'शिमला' में मौसम खुलने के साथ कारोबार धीरे- धीरे पटरी पर लौट रहा है और वीकेंड पर शिमला के होटलों में ऑक्युपेंसी बढ़ी है। आज यहां प्राप्त जानकारी के अनुसार शिमला और आसपास के पर्यटन स्थलों में बीते दिनों से खिली धूप देखी जा रही है। इसके अलावा जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट से दिल्ली और धर्मशाला में नियमित उड़ानें भी शुरू हो गई है। लिहाजा दिल्ली से सीधा हवाई यात्रा के माध्यम से भी पर्यटक शिमला पहुंच सकते है। सडक़ मार्ग भी बहाल किये जा रहे है। कालका शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग भी खुल गया है। होटल कारोबारियों का कहना है कि इस वीकेंड पर शिमला के होटलों में 15 फीसद तक ऑक्यूपेंसी बढ़ी है। कम संख्या में ही सही, लेकिन शिमला में पर्यटक आने शुरू हो गए है। स्थानीय होटल संचालकों, दुकानदारों में उम्मीद जगी है कि आने वाले दिनों में पर्यटन कारोबार बढ़ सकता है। राजधानी में पिछले दिनों से बारिश और भूस्खलन की घटनाओं के चलते पर्यटन कारोबार ठप हो गया था। होटल संघ का कहना है कि एडवांस बुकिंग आ रही है। पर्यटन कारोबार कम होने से स्थानीय दुकानदारों, ढाबा संचालकों व टैक्सी मैक्सी ऑपरेटरों के कारोबार पर साफ नजर आ रहा है। बीते वर्षों की बात करें तो मॉनसून सीजन में राजधानी के होटलों में 40 से 50 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी रही, लेकिन इस बार बारिश व भूस्खलन के चलते कारोबार में कमी आई है।

हिमाचल को बीबीएमबी में हिस्सेदारी के एवज 4250 करोड़ की रकम मिलने की उम्मीद

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल को बीबीएमबी में हिस्सेदारी के एवज 4250 करोड़ की रकम मिलने की उम्मीद है। हिस्सेदारी के बकाया के एवज मिलने वाली इस राशि के खजाने में आने से प्रदेश की आर्थिकी को संबल मिलेगा। सर्वोच्च न्यायालय में पंजाब पुनर्गठन कानून के तहत राज्य के हिस्सेदारी की बकाया राशि के भुगतान को लेकर दायर प्रदेश सरकार की याचिका पर सुनवाई 6 व 8 सितंबर को होनी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब पुनर्गठन कानून के तहत हिमाचल पंजाब व हरियाणा से बीबीएमबी के तीन पावर प्रोजेक्टों 1325 मेगावाट भाखड़ा, 396 मेगावाट पौंग व 990 मेगावाट बीएसएल में हिस्सेदारी मांग रहा है। प्रदेश को हिस्सेदारी के इस मामले को लेकर 1998 में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। 2 सितंबर 2011 को सर्वोच्च न्यायालय ने हरियाणा व पंजाब को पंजाब पुनर्गठन कानून के तहत बीबीएमबी प्रोजेक्टों में हिमाचल की हिस्सेदारी देने को कहा। दोनों ही राज्य सरकारों ने 3 अक्तूबर 2011 से तो प्रदेश को बीबीएमबी में हिस्सेदारी देनी प्रारंभ की। मगर इससे पहले के बकाया को लेकर पंजाब व हरियाणा टाल मटोल कर रहे हैं। लिहाजा हिमाचल ने हिस्सेदारी की बकाया राशि को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की।

- इस राशि के खजाने में आने से प्रदेश की आर्थिकी को संबल मिलेगा
- पंजाब पुनर्गठन कानून के तहत राज्य के हिस्सेदारी की बकाया राशि के भुगतान को लेकर दायर प्रदेश सरकार की याचिका पर सुनवाई 6 व 8 सितंबर को होनी है

ऊर्जा विभाग के सचिव राजीव शर्मा का कहना है कि भाखड़ा पावर प्रोजेक्ट में एक जनवरी 1966 से अक्तूबर 2011 तक की हिस्सेदारी बकाया है। बीएसएल में 1977 से अक्तूबर 2011 तथा पौंग डैम में 1978 से अक्तूबर 2011 तक की हिस्सेदारी के एवज बकाया राशि का भुगतान पंजाब व हरियाणा को करना है। उन्होंने बताया कि तीनों पावर प्रोजेक्टों से 13066 मिलियन यूनिट बिजली बकाया के एवज मिलनी है। इस दौरान पावर प्रोजेक्टों के ऑपरेशन व मैनेजमेंट पर हुए खर्च में से हिमाचल को भी अपना हिस्सा देना होगा। उन्होंने बताया कि पंजाब व हरियाणा एनएफएल को दी जाने वाली बिजली के रेट पर बकाया देने की बात कह रहे हैं। मगर सरकार बीटीपीएस रेट पर बकाया का भुगतान करने की मांग कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आगामी 6 व 8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय में होने वाली सुनवाई में हिमाचल को बकाया के भुगतान बारे फैसला आने की उम्मीद है।

सार संक्षेप

सिरसा की कोमल वर्मा सहित तीन युवतियों मिलेगा बेस्ट योगासन प्रशिक्षक का पुरस्कार

सिरसा। योगा फेडरेशन 'योगासन भारत' वर्ष 2023 के लिए देश में तीन युवतियों को राष्ट्रीय बेस्ट योगासन प्रशिक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेगा। देशभर से चयनित इन तीन युवतियों में हरियाणा के सिरसा जिला के गांव घोड़ावाली की रहने वाली प्रशिक्षक कोमल वर्मा, अर्चना सिंह मुजफरनगर (उत्तर प्रदेश) तथा सुरभि सिंह (चितौड़गढ़) राजस्थान से हैं। पिछले वर्ष कोमल वर्मा को स्टेट अवार्ड से सम्मानित किया गया था। कोमल वर्मा पिछले डेढ़ साल से योगा के राष्ट्रीय खिलाडियों को प्रशिक्षण दे रही है। कोमल वर्मा के प्रशिक्षण में खिलाड़ियों ने खेलों इंडिया यूथ गेम्स में पांच स्वर्ण तथा पांच कांस्य पदक जीते है। गोवा में हुए खेलों में दो स्वर्ण, पांच सिल्वर तथा तीन कांस्य पदक देश की झोली में डाले है।

हिसार से करणपुर के लिए नई बस सेवा शुरू

सिरसा। हरियाणा राज्य परिवहन ने हिसार से वाया सिरसा होकर करणपुर के लिए नई बस सेवा शुरू की है। आज सुबह रोडवेज महाप्रबंधक शेर सिंह ने झंडी दिखाकर इस बस को रवाना किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक शेर सिंह ने बताया कि एक दो रोज में सिरसा से जोधपुर और जम्मू कटड़ा के लिए सीधी बस सेवा आरम्भ कर दी जाएगी। कोरोना काल के दौरान ये रूट बंद कर दिए गए थे। इस अवसर पर सिरसा डिपो के प्रधान पृथ्वी सिंह चाहर ने बताया कि यह बस हिसार से सुबह 9.30 पर चलकर सिरसा पहुंचेगी और सिरसा से इसका समय 12.32, ऐलनाबाद से 1.55, हनुमानगढ़ से 3.30 और श्रीगंगानगर से 5.15 पर चलेगी और करणपुर से इसकी वापसी का समय सुबह 5.50, श्री गंगानगर से सुबह 7.15, हनुमानगढ़ से 9.05 और ऐलनाबाद से 10.35 रहेगा। उन्होंने बताया कि इस बस सेवा को चलाने के लिए यात्रियों द्वारा लंबे समय से प्रयास किए जा रहे थे।

खिलाड़ियों के लिए हर जिले में दो नोडल अधिकारी नियुक्तः हेयर

चंडीगढ़। 'खेडां वतन पंजाब दियां - 2023' उद्घाटन समारोह के बाद शुरू हुए ब्लॉक स्तरीय मुकाबलों में राज्य के खेल मैदानों में खिलाड़ियों द्वारा पूरे ज़ोश से हिस्सा लिया जा रहा है। खेल विभाग द्वारा ब्लाक स्तरीय टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के सुचारू प्रबंधों की निगरानी के लिए हर जिले में दो नोडल अधिकारी लगाऐ गए। रविवार को यहाँ जारी प्रेस बयान में जानकारी देते हुये खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा कि इस समय पर कार्पोरेशन शहरों सहित 157 ब्लाकों में आठ खेलों के मुकाबले चल रहे हैं जिनमें डेढ़ लाख से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

सुडोकू 6306 का हल

2	8	6	5	9	3	7	1	4
1	9	7	8	6	4	2	3	5
4	3	5	2	7	1	6	8	9
7	2	9	3	1	5	4	6	8
5	1	8	6	4	7	3	9	2
3	6	4	9	8	2	1	5	7
8	4	2	1	3	9	5	7	6
6	7	3	4	5	8	9	2	1
9	5	1	7	2	6	8	4	3

कांग्रेस राज में ना गारंटी मिली, ना विकास : नंदा

शिमला, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी कर्ण नंदा ने कहा की कांग्रेस राज में जनता को ना गारंटी मिली ना विकास। आपदा प्रबंधन में सरकार जीरो साबित हुई और खर्चे करने में हीरो। उन्होंने कहा की जब कांग्रेस ने चुनाव लड़ना होता है तो कांग्रेस के नेता झूठी गारंटी का ढोल पीटने शुरू कर देते है और जब चुनाव खत्म हो जाता है तो कांग्रेस नेताओ की याददाश्त हो चली जाती है। उन्होंने कहा की महिलाओं को 1500 प्रति महीना और युवाओं को रोजगार देने वाले वादे को कांग्रेस पार्टी की सरकार पूरी तरह से भूल चुकी है। हाल ही में कोरोना काल में विभिन्न विभागों में रखे आउटसोर्स कर्मियों ने सुक्खू सरकार से नौकरी से न निकालने की गारंटी मांगी है। यह गारंटी इसलिए मांगी है क्योंकि कर्मचारियों को भी सरकार और मंत्रियों पर भरोसा नहीं है। आउटसोर्स कर्मियों का कार्यकाल 30 सितम्बर तक बढ़ाया गया था, लेकिन सरकार की ओर से जारी आदेशों में एक लाइन और जोड़ी गई है, इसमें कहा गया है कि इस तिथि के बाद इन्हें रिलीव ऑर्डर भी जारी किए जाएंगे। यह वही कोरोना काल के योद्धा है जिन्हें सरकार ने सम्मानित भी किया है। कोरोना काल में 1,844 कोरोना वॉरियर ने जान जोखिम में डालकर हिमाचल के अस्पतालों में सेवाएं दी हैं। प्रदेश सरकार को इनकी सेवा विस्तार अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा की कांग्रेस सरकार की 10 गारंटियों को याद कराते हुए सेवा विस्तार की गारंटी की मांग की है। नंदा ने कहा की कोरोना के मुश्किल समय में उन्होंने सेवाएं दी है जब ज्यादातर लोगों में डर का माहौल था। पिछले करीब 3 महीने से उन्हें वेतन भी नहीं मिला है, अब नौकरी की उम्मीद भी नहीं लग रही है। हम सरकार से मांग करते है की इन योद्धाओं के प्रति सरकार संवेदनशीलता के साथ काम करें।

- महिलाओं को न मिले 1500, युवाओं को ना मिली नौकरी

पराली प्रबंधन को सरफेस सीडर मशीन पर मिलेगी 40 हजार की सब्सिडी

जालंधर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से सरफेस सीडर मशीनें सब्सिडी पर उपलब्ध कराने के लिए आवेदन मांगे गए हैं। जिला उपायुक्त विषेश सारंगल ने रविवार को बताया कि इस संबंध में आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर, 2023 है, जिसके तहत जालंधर जिले में 200 मशीनें सब्सिडी पर दी जाएंगी। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि आवेदन करने के लिए किसान कृषि डायरेक्टर द्वारा समाचार पत्रों में दिये गये विज्ञापन में दिये गये बारकोड को भी स्कैन कर सकते है। इसके अलावा ब्लॉक या प्रधान कृषि कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। योजना के तहत सरफेस सीडर पर सब्सिडी की अधिकतम दर 40,000 रुपए प्रति व्यक्तिगत किसान और 64,000 रुपए प्रति कस्टम हायरिंग सेंटर होगी। सब्सिडी का लाभ उठाने के इच्छुक किसान 10 सितंबर, 2023 को शाम 5:00 बजे या उससे पहले ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों को इस योजना के लाभ के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया, जिसके लिए ग्रामीण स्तर पर सेमिनार और जागरूकता कैंप लगाने के आदेश दिये गये है।

कराधान विभाग द्वारा अगस्त माह में 873 वाहन जब्त : चीमा

चंडीगढ़, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने रविवार को कहा कि कराधान विभाग की स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रीवैंटिव यूनिट (सिपू) के मोबाइल विंगों की तरफ से अगस्त महीने के दौरान राज्य भर में कर चोरों के विरुद्ध चलाई गई मुहिम स्वरूप 873 वाहनों को ई-वे बिल और अन्य ज़रुरी दस्तावेज़ न होने के कारण 15.37 करोड़ रुपए का जुर्माना किया गया है। श्री चीमा ने कहा कि सिपू द्वारा अगस्त महीने के दौरान कुल 1052 वाहनों और जुलाई महीने के बकाया 70 मामलों में कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि इनमें से 873 मामलों में कुल कर चोरी के बारे फ़ैसला लेते हुये 15,37,30,704 रुपए का जुर्माना लगाया गया और बकाया 249 मामलों में 4.38 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूले जाने की संभावना है। चीमा ने बताया कि लगाऐ गए कुल जुर्माने में से 14,90,94,501 रुपए का जुर्माना वसूला जा चुका है और बकाया जुर्माना भी जल्द ही वसूला जायेगा। बढ़िया कारगुज़ारी दिखाने वाली सिपू टीमों के बारे जानकारी देते हुये वित्त मंत्री ने बताया कि सिपू शंभू द्वारा सबसे अधिक 184 वाहनों के विरुद्ध जबकि सिपू लुधियाना की तरफ से 172, सिपू पटियाला की तरफ से 158 और सिपू रोपड़ की तरफ से 134 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। उन्होंने कहा कि कर चोरों के विरुद्ध जारी इस मुहिम के अंतर्गत सिपू शंभू ने सबसे अधिक 3.21 करोड़ के जुर्माना लगाए और 3.18 करोड़ रुपए के जुर्माने वसूलने में सफलता हासिल की। इसी तरह सिपू पटियाला की तरफ से 2.80 करोड़ रुपए के लगाऐ गए जुर्मानों में से 2.67 करोड़ रुपए की वसूली करने में सफलता प्राप्त की गई।

सिपू की टीमों से तरफ से चलाई गई इस मुहिम की कामयाबी के लिए उनको बधाई देते हुये श्री चीमा ने उनको अपने प्रदर्शन में और सुधार लाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की तरफ से विभाग को हर तरह की आधुनिक तकनीक और साधन मुहैया करवाए जा रहे हैं जिससे ईमानदार करदाताओं की हर संभव सहायता करने के साथ-साथ कर चोरों के विरुद्ध शिकंजा कसा जा सके।

उपनल कर्मियों को धामी सरकार जल्द दे सकती है तोहफा, प्रस्ताव पहुंचा सरकार के पास

देहरादून, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में उपनल कर्मचारी के मानदेय में एक और बढोतरी हो सकती है। सरकार के निर्देश पर उपनल प्रबंधन ने वर्तमान मानदेय मे 10 प्रतिशत तक बढोतरी का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। अकुशल से अधिकारी स्तर तक पांचों श्रेणियों में 10 प्रतिशत वृद्धि से हर साल 40.62 करोड़ का अतिरिक्त आर्थिक भार आएगा। उपनल के एमडी ब्रिगेडियर जेएनएस बिष्ट (सेनि) ने प्रस्ताव भेजने की पुष्टि की। दरअसल उपनल कर्मियों के मानदेय में 21 अगस्त 2020 को 15 से 20 फीसदी तक वृद्धि की गई थी। उसके बाद अगले साल 21 अक्टूबर 2021 को त्रैमासिक प्रोत्साहन राशि को सेवा अवधि के अनुसार दोगुने तक बढ़ाया गया है। इसमें 10 फीसदी वृद्धि का स्लैबवार ब्योरा दिया गया है। इस पर अंतिम निर्णय शासन स्तर पर होगा। ब्रिगेडियर जेएनएस बिष्ट (सेनि) एमडी उपनल साल से कम सेवा वाले कार्मिकों को 2800 के बजाए 4800 और 10 साल से अधिक सेवा पूरी कर चुके कार्मिकों को 2800 के बजाए 5800 रुपए कर दिया गया था। यह प्रोत्साहन राशि सामान्य मानदेय से अलग दी जा रही है।

व्यक्ति की सफलता में अध्यापकों व अभिभावकों की अहम भूमिका : अग्निहोत्री

ऊना, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मेधावी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्थाई सफलता व्यक्ति को केवल निरंतर परिश्रम व प्रयासो से ही हासिल हो सकती है, इसलिए युवा पीढ़ी को जीवन में परिश्रम के साथ निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए तभी मनवांछित लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सफलता के सफर में कई बार असफलताओं का सामना भी करना पड़ता है बावजूद इसके हमें लक्ष्य से भ्रमित हुए बिना निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। जिला के विभिन्न स्कूलों में बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत व इससे अधिक अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में जिला भर के 64 सरकारी व निजी विद्यालयों के 171 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

श्री अग्निहोत्री ने युवाओं का आह्वान किया कि जीवन में कभी भी नशा न करने का संकल्प लें तथा इसके बारे में अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। श्री अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश में नशे के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया गया है तथा नशे के कारोबार में संलिप्तता पाए जाने वाले किसी भी दोषी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा चाहे वह किसी भी विचारधारा का क्यों ना हो। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि 5 ग्राम से कम मात्रा में चिट्टा पकड़े जाने पर भी दोषी की जमानत न हो। इसके लिए केंद्र सरकार से मामला उठाया गया है। उन्होंने कहा कि

हिमाचल प्रदेश सरकार शिक्षा में गुणात्मक सुधार तथा ढांचागत विकास के लिए अनेक सार्थक कदम उठा रही है तथा गरीब बच्चों को उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रदान करने के लिए हर संभव मदद मुहैया करवा रही है। उन्होंने कहा कि जिला ऊना में माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, 15 सौ करोड रुपए की लागत से जिला की नदी व खड्डों का तटीकरण होना तथा नेस्ले व क्रोमिका जैसी औद्योगिक इकाइयों का होना जिला वासियों के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जुलाई और अगस्त माह में भारी बारिश के कारण प्रदेश भर में हुए नुकसान की तुलना में ऊना जिला में तटीकरण की बदौलत कम नुकसान हुआ है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला मुख्यालय ऊना में निर्माणाधीन पीजीआई सैटेलाइट सेंटर का कार्य रिकॉर्ड समय में पूर्ण किया जाएगा ताकि यथाशीघ्र क्षेत्र की जनता को इसका लाभ मिलना आरंभ हो सके। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में लगभग 400 करोड़ रुपए की लागत से ऊना जिला के कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र में लठियाणी-मंदली के मध्य एक बड़े पुल का निर्माण किया जा रहा है जिससे ऊना-हमीरपुर जिलों के मध्य में लगभग 20 किलोमीटर की दूरी कम होगी तथा हिमाचल प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आने वाले लोगों को भी इसका लाभ होगा।

विकास के वादे निभाए और निभाते रहेंगे : गहलोत

जयपुर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश की जनता से किए विकास के वादों को निभाया गया है और राज्य सरकार के प्रति जनता के विश्वास को आगे भी कायम रखते हुए वादे निभाते रहेंगे। श्री गहलोत रविवार को नवसृजित जिले फलौदी के परमवीर मेजर शैतान सिंह स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल के जिला स्तरीय प्रतियोगिता समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक साथ 17 नए जिलों और तीन सम्भागों के ऐतिहासिक फैसले से अब मुख्यालय से दूरियां कम हुई हैं। राजस्व, शिक्षा, पानी, विद्युत, चिकित्सा, सड़क सहित अन्य कार्यों में आमजन को राहत मिली है। कानून व्यवस्था को अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह खेल प्रतियोगिताएं देश में अनूठी पहल हैं। इससे प्रदेश में खेलों का माहौल बनेगा। प्रतिभाएं सामने आएंगी, उन्हें सरकार द्वारा निखारा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक जनहितैषी योजनाओं से हर वर्ग को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूती मिली है।

उन्होंने कहा कि देश में पहली बार स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी कानून, महंगाई राहत कैम्पों में 10 योजनाओं की गारंटी, अन्नपूर्णा फूड पैकेट, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, गिग वर्कर्स एक्ट, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णयों से राजस्थान पूरे देश में मॉडल स्टेट बना है।

श्री गहलोत ने कहा कि नए जिलों के सृजन से विकास को गति मिलेगी। अभी विभिन्न योजनाओं में कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अब हर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ राजस्थान को वर्ष 2030 तक देश के अग्रणी राज्यों में शुमार कराना है। इसके लिए 'राजस्थान मिशन-2030' के तहत भविष्य की योजना बना रहे हैं। श्री गहलोत ने राज्य के योजनाबद्ध तरीके से विकास के लिए प्रदेशवासियों से 'विजन-2030 डॉक्यूमेंट' में सुझाव देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का वादा किया था, उसे निभाया है। तीन लाख सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। स्वरोजगार और निजी समूहों से जोड़ने के लिए स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग के साथ जॉब फेयर लगाए जा रहे हैं। श्री गहलोत ने कहा कि भीलवाड़ा में छह सितम्बर को मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना का शुभारम्भ होगा। इसमें राज्य सरकार ही पशुपालकों का प्रीमियम भरेगी। उन्होंने कहा कि लम्पी रोग में गायों की मृत्यु पर 40 हजार रुपए प्रति गाय सहायता दी गई वहीं गौशालाओं को पांच वर्षों में तीन हजार करोड़ रुपए का अनुदान एवं सहायता दी जा चुकी है जबकि वर्ष 2013 से 2018 तक गौशालाओं को लगभग 500 करोड़ रुपए का ही अनुदान दिया गया था।

गहलोत ने राजस्थान की तरह पांच सौ रुपए में ही गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की केन्द्र सरकार से की मांग

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र सरकार से किसानों के कर्ज का वनटाइम सेटलमेंट, राजस्थान की तरह 500 रुपए में ही गैस सिलेंडर उपलब्ध एवं राजस्थान की तर्ज पूरे देश में एक समान सामाजिक सुरक्षा पेंशन की शुरूआत करने की मांग की है। श्री गहलोत रविवार को नवसृजित फलौदी जिले के परमवीर मेजर शैतान सिंह स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल के जिला स्तरीय प्रतियोगिता समारोह को सम्बोधित करते हुए यह मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के कर्ज का वनटाइम सेटलमेंट कराए। इसमें प्रदेश के किसानों का हिस्सा राज्य सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की तर्ज (न्यूनतम एक हजार रुपए पेंशन) पर केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में एक समान सामाजिक सुरक्षा पेंशन की शुरूआत की जाए।

राजस्थान में शहरी-ग्रामीण ओलंपिक खेल से बना खेलों का माहौल: गहलोत

जोधपुर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन से प्रदेश में खेलों का माहौल बना है और वर्ष 2030 तक राजस्थान को खेल सहित सभी क्षेत्रों में देश का प्रथम राज्य बनाना हमारा ध्येय है। श्री गहलोत रविवार को जोधपुर के उम्मेद राजकीय स्टेडियम में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का अवलोकन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले साल राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में 30 लाख खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया जिनमें 10 लाख महिला खिलाड़ी शामिल थीं। इस बार शहरी-ग्रामीण ओलंपिक खेलों में 58 लाख खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिनमें 25 लाख महिला खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों के आयोजन से प्रदेश में खेलों का माहौल बना है। खेलों से एक स्वस्थ शरीर के साथ उत्कृष्ट व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इसके अलावा खिलाड़ियों में दूरदृष्टि एवं तत्काल निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित होती है। हार-जीत की चिंता ना करते हुए सभी लोगों को खेलों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को तराशा जाएगा तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं हेतु तैयार किया जाएगा।

प्रादेशिकी

फर्रुखाबाद में बाइक की टक्कर से घायल हलवाई नें तोड़ा दम

फर्रुखाबाद,3 सितम्बर (देशबन्धु)। बाइक की टक्कर से हलवाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल लाया गया जहां शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। परिजनों में चीत्कार मच गई। थाना कादरी गेट के मसेनी टीकाबारी निवासी 50 वर्षीय झब्बू लाल पुत्र हरीराम हलवाई थे। उनका पुत्र कन्हैया कर्नलगंज चौकी भोलेपुर के सामने भाजपा नेता गौरव कटियार के होटल में कारीगर है। बीती शुक्रवार देर शाम झब्बू पैदल घर जा रहे थे उसी दौरान मसेनी आवास विकास मार्ग पर दीप पैलेस के बाइक नें टक्कर मार दी। जिससे झब्बू लाल गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन नें उसे निजी नर्सिंग होम रखा तिराहे पर भर्ती कराया। जहां उसे उपचार के बाद रिफर कर दिया गया। शनिवार सुबह लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान झब्बू नें दम तोड़ दिया।

जनता को संवेदनशील सरकार का एहसास कराएं अधिकारी : योगी

गोरखपुर, 3 सितम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान रविवार को जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और में मौजूद अधिकारियों को हिदायत दी कि जनता की हर समस्या का निराकरण कराएं जिससे जनता को हर पल संवेदनशील और हर संकट में साथ खड़ी रहने वाली सरकार का एहसास होना चाहिए। मुख्यमंत्री रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया। उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से बेहद अपनेपन से कहा कि चिंता नहीं करिए, घबराइए बिलकुल मत, हर शिकायत पर सुनिश्चित कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि समस्या कोई हो उसका समाधान कराएंगे। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे। एक-एक कर और इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं। उन्हें आश्वस्त किया कि वह सभी की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे। उनके रहते किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। प्रार्थना पत्रों को

■ **जनता दर्शन में जनसमस्याएं सुन अधिकारियों को दी हिदायत**

त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिप्रद हो हर समस्या का निस्तारण : योगी आदित्यनाथ

उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारकर आशीर्वाद दिया। उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और चॉकलेट गिफ्ट कर उन्हें खूब पढ़ने को प्रेरित किया।

महिला व्यवसायी को दिया पांच लाख का सहायता चेक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गोरखपुर में आग लगने की घटना में नुकसान उठाने वाली महिला कपड़ा व्यवसायी अनुपमा गुप्ता को आज मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 5 लाख रुपए की सहायता राशि का चेक प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने उनकी अन्य परेशानियों को दूर करने का आश्वासन भी दिया। योगी ने उनसे अग्निकाण्ड से हुए नुकसान की जानकारी ली और उन्हें भरोसा दिया कि वे चिंता न करें। प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है। उनके रोजगार को पटरी पर लाने में शासन-प्रशासन से भरपूर मदद मिलेगी। गौरतलब है कि विगत 29 अगस्त को विद्युत शॉर्ट सर्किट से महानगर के रायगंज दक्षिणी (पाण्डेयहाता) में वैष्णवी साड़ी सेन्टर नामक प्रतिष्ठान में आग लग गई थी। इससे दुकान में रखे सामान जल जाने से प्रतिष्ठान स्वामी को काफी आर्थिक नुकसान पहुंचा था। इस दुकान की प्रोप्राइटर अनुपमा गुप्ता पत्नी अरविन्द गुप्ता निवासी रायगंज दक्षिणी (पाण्डेयहाता) हैं।

क्षत्रिय महासभा की जंबोजेट जिला कार्यकारिणी घोषित

फर्रुखाबाद,3 सितम्बर (देशबन्धु)। क्षत्रिय महासभा ने अपनी कार्यकारिणी घोषित कर दी है। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौर, राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू के समक्ष प्रदेश अध्यक्ष रवि सिंह, मंडल अध्यक्ष शिवचरण सिंह ने जनपद की कार्यकारिणी घोषित करते हुए बढ़पुर स्थित होटल राजपूताना में बताया कि रामबहादुर सिंह को जिला अध्यक्ष, ब्रजेश सिंह परिहार को महामंत्री, अनन्त सिंह राठौर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अवनीश सिंह तोमर, रोहित राजावत उपाध्यक्ष, अरविन्द सिंह राजावत को कोषाध्यक्ष, युवाओं में आशुतोष सिंह राठौर, शिवम् राठौर को जिला मंत्री, कई युवाओं को विभिन्न पदों के लिए मनोनयन पत्र प्रदान किए गए। महिला विंग में जिला अध्यक्ष किरन सिंह, शशि चौहान को महामंत्री तथा कई महिलाओं को विभिन्न पदों के लिए मनोनयन पत्र प्रदान किए गए। सभी को मनोनयन प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदान किए।भारी संख्या में युवाओं को देखकर राष्ट्रीय व प्रदेश के पदाधिकारियों ने कहा कि इस बार दशहरा जोरदारी से मनाया जाएगा। अंत में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौर ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया।

बाइक सवार सिपाही को बस ने मारी टक्कर, मौत

मेरठ,3 सितम्बर (देशबन्धु)। थाना पल्लवपुरम क्षेत्र में रोडवेज बस ने बाइक सवार यूपी पुलिस के सिपाही को टक्कर मार दी। जिसके कारण सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने गंभीर हालत में उसे निकट के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सिपाही की मौत हो गई थी। अलीगढ़ के ग्राम नगला चोखे निवासी सिपाही धर्मेंद्र कुमार पुत्र राम बृजेश सिंह सिपाही के पद पर तैनात और उसकी पोस्टिंग मेरठ के पल्लवपुरम थाने में चल रही थी। थाना प्रभारी के अनुसार सिपाही धर्मेंद्र थाने से डाक लेकर अपनी बाइक से कंकरखेड़ा को ऑफिस जा रहा था।

■ **बीस मीटर तक खींचती हुई ले गई बस**

जब धर्मेंद्र बाइक लेकर पल्लवपुरम चेक पोस्ट स्थित मेरठ-देहरादून हाईवे पर पहुंचा। इसी दौरान तेज गति से आ रही भैसाली डिपो की बस ने सिपाही की बाइक में टक्कर मार दी। उसे करीब 20 मीटर तक खींचती हुई ले गई। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने गंभीर रूप से एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं आसपास के लोगों ने रोडवेज बस के चालक को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि बस ने सिपाही की बाइक में टक्कर मारने के दौरान सिपाही को करीब 20 मीटर तक खींचा। लोगों के शोर मचाने के बाद चालक ने बस को रोका। इसके बाद उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का कहना है कि रोडवेज बस तेज गति से हरिद्वार की ओर आ रही थी।

इसी दौरान सिपाही को टक्कर मार दी। जिससे सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है।

सार संक्षेप

एबीसी कंडक्टर में आग लगने से लाखों का नुकसान

मवाना। नगर में सत्संग भवन से होली चौक तक बिजली विभाग के ठेकेदार द्वारा एबीसी कंडक्टर बदलने का कार्य किया जा रहा था। वहां पर शनिवार शाम देर होने के कारण ठेकेदार ने तीन खबो पर एबीसी कंडक्टर नहीं लगाया और जमीन पर राउंड में कंडक्टर के नीचे पड़े होने के दौरान उसमें करंट प्रभावित कर दिया, जिस कारण से तीन खाबो के एबीसी कंडक्टर में आग लग गई। एबीसी कंडक्टर में आग लगने से जोरदार पटाखे की आवाज होने लगी। क्षेत्र के उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बिजली घर से लाइन बंद कराई गई और एबीसी कंडक्टर को काटकर अलग किया गया। होली चौक के आसपास की बिजली आपूर्ति हुई तीन घंटे तक ठप रही।

राधा कृष्ण के रूप में बच्चों ने मोहा मन

मेरठ। संस्कार भारती मेरठ महानगर द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर राधाकृष्ण रुप सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन शास्त्री नगर स्थित बालेराम बृजभूषण सरस्वती विद्या मंदिर में संस्था अध्यक्ष डा.मंयक अग्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती व भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन संस्था ध्येय गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डा.नीरज सिंहल विभाग प्रचार प्रमुख ने अपने सम्बोधन में कहा कि भगवान श्रीकृष्ण हिन्दू धर्म में भगवान विष्णु के आठवें अवतार है। कृष्ण निष्काम कर्मयोगी आदर्श दार्शनिक

अभद्रता के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। शहर के आईटीआई चौकी इंचार्ज से अभद्रता मामले में मुख्य आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी विकास कुमार ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ईनाम घोषित कर रखा था। जिसके चलते बीते दिनों दो आरोपियों ने थाना कादरीगेट में सरेंडर कर दिया था। बताते चलें कि आज आईटीआई चौकी इंचार्ज सुरजीत सिंह से अभद्रता करने वाले ईनामी एंव मुख्य आरोपी भाजपा नेता आशीष प्रताप सिंह उर्फ सचिन ठाकुर पुत्र ग्रीश चन्द्र निवासी नारायनपुर थाना कादरीगेट व उसका साथी 15 हजार का ईनामी अमित ठाकुर पुत्र रघुपाल सिंह निवासी भुवनपुर ताजपुर थाना अमृतपुर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

रामलीला कमेटी की बैठक में पुरानी कार्यकारिणी गठित

फर्रुखाबाद। रामलीला मण्डल की बैठक स्टेट बैंक रोड स्थित अग्रवाल सभा भवन नम्बर-1 में अध्यक्ष लालजी टंडन की अध्यक्षता में हुई। बैठक में रामलीला कमेटी का गठन किया गया जिसमे पुरानी कमेटी को ही दोहराया गया। संरक्षक डा.रजनी सरीन, अध्यक्ष लालजी टंडन, उपाध्यक्ष रमन सारस्वत, जितेंद्र सिंह, गौरव सारस्वत, मंत्री कपिल गुप्ता, उपमंत्री डा.राजेश हजेला, विवेक मिश्रा बबुआ, धर्मेंद्र कनौजिया, भैयान मिश्रा, हिमांशू चौहान, अन्नू शुक्ला, गोपाल सारस्वत, विश्वास सारस्वत, कोषाध्यक्ष अशोक गर्ग, लेखा परीक्षक प्रदीप कुमार शुक्ला सहित कार्यकारिणी के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

एचटी लाइन का तार टूटने से ट्रांसफार्मर फुंका

मवाना,3 सितम्बर (देशबन्धु)। मवाना नगर में सुभाष चौक के पास पशु अस्पताल के बाहर रखे 630 केवीए ट्रांसफार्मर पर शनिवार देर श्याम पास से जा रही 11000 एचटी लाइन का तार टूटकर ट्रांसफार्मर पर गिर गया। ट्रांसफार्मर में आग लग गई और उसे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 4 घंटे की कड़ी मस्कट के बाद बिजली कर्मचारियों ने वहां पर 630 केवीए सर्विस ट्राली का ट्रांसफार्मर लगाया। जिस कारण रात्रि 11 बजे बिजली आपूर्ति चालू हो सकी। मवाना नगर के मुख्य सुभाष चौक के पास पशु चिकित्सालय है। पशु चिकित्सालय के बाहर 630 केवीए का ट्रांसफार्मर क्षेत्र की बिजली आपूर्ति के लिए लगा रखा है। बिजली विभाग के अवर अभियंता अमित त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार शाम 7 बजे अचानक 11000 एचटी लाइन का तार टूटकर ट्रांसफार्मर पर गिर गया जिस कारण ट्रांसफार्मर में आग लग गई और उस क्षेत्र की बिजली आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई। जानकारी होने पर वहां बिजली कर्मचारियों की टीम लगाई गई। बिजली कर्मचारियों ने कड़ी मेहनत के बाद वहां पर सर्विस टोली का ट्रांसफार्मर लगाया और रात 11 बजे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति व्यवस्था चालू कराई ।

■ **मवाना नगर में सुभाष चौक क्षेत्र में चार घंटे रहा अंधेरा**

अधिवक्ता के साथ मारपीट, दो को भेजा जेल

मवाना,3 सितम्बर (देशबन्धु)। नगर में पक्के तालाब के पास बैनामें के प्लॉट में काम करा रहे अधिवक्ता पर महिलाओं सहित कुछ लोगों ने हमला बोल दिया। महिलाओं ने पथराव किया व उनके साथ मौजूद लोगों ने लाठी डंडों से मारपीट की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत किया। पुलिस ने हमला करने वाले दो लोगों का शांतिभंग की धारा में चालान कर दिया। अधिवक्ता ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देते हुए 25 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता अमित कामिल ने बताया कि उन्होंने पक्का तालाब के पास बीती 10 जुलाई को बैनामे से उक्त आवासीय जमीन को खरीदा था। उन्होंने कब्जा भी ले लिया था। रविवार को वह मजदूरों से प्लॉट में मलबा हटावा रहे थे। तभी पास के मकान में मौजूद महिलाओं ने उन पर पथराव कर दिया। प्लॉट बेचने वाले प्रदीप के रिश्तेदार लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और उनके व मजदूरों के साथ मारपीट की। आरोपियों ने मजदूरों के साथ जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए मारपीट की। आरोप है कि आरोपी उनसे 25 लाख की रंगदारी मांग रहे थे और पैसा नहीं देने पर उन्होंने हमला बोल दिया। उधर, घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां महिलाओं के हाथ में लाठी डंडे मिले। पुलिस ने सभी को मौके से तितर-बितर किया और शांति बनाए रखने को कहा। पुलिस ने मौके से सात्विक पुत्र विकास और भगत सिंह पुत्र बसंता मोहल्ला हीरालाल पक्का तालाब को गिरफ्तार कर लिया और दोनों का शांतिभंग में चालान कर दिया।

■ **अधिवक्ता ने रंगदारी मांगने का लगाया आरोप**

कोर्ट से नहीं मिला स्टे

जब दोनों पक्ष थाने में पहुंचे तो वहां भी हमलावर पक्ष पुलिस के सामने कागजात पेश नहीं कर पाए। हमलावर पक्ष ने अपर सिविल जज सीनियर डिविजन मेरठ की कोर्ट के कागजात प्रस्तुत किए, लेकिन उसमें भी कोर्ट ने स्टे के लिए अपर्याप्त आधार होने की बात कहते हुए कोई स्टे का आदेश नहीं दिया। पुलिस ने हमलावर पक्ष से भविष्य में फिर किसी तरह का हमला या मारपीट नहीं करने की हिदायत दी। वहीं, अधिवक्ता की ओर से तहरीर देने के बाद दूसरे पक्ष ने भी अधिवक्ता पक्ष पर आरोप लगाते हुए तहरीर दी। उधर, पुलिस के मुताबिक एक पक्ष के पास कोर्ट के केस के आलावा कोई कागजात नहीं मिला, जबकि अधिवक्ता के पास विक्रेता के बैनामों की पूरी चेन मौजूद है।

हिस्ट्रीशीटर ने गोली मारकर की आत्महत्या

मेरठ,3 सितम्बर (देशबन्धु)। थाना टीपी नगर क्षेत्र में बीती रात हिस्ट्रीशीटर अंकित भाटी ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली । गोली सीने में मारी । बताया जा रहा है कि रात लगभग डेढ़ बजे घर के लोग सो रहे थे, तभी उसने जान दी। गोली की आवाज सुनकर परिजन जागे तो वह खून से लथपथ पड़ा था। मौके पर पहुंची टीपी नगर पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। टीपी नगर थाना पुलिस के अनुसार, बीती रात के समय अंकित भाटी ने सीने में गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मौके से तंमचे को बरामद कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया परिवार की ओर से अभी तक कोई तहरीर नहीं मिली है। फिलहाल कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। अंकित भाटी टीपी नगर थाने का हिस्ट्रीशीटर था। अंकित भाटी पर 12 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से हत्या का भी एक मुकदमा है। पुट्ष्ठा गांव में ही हत्या की थी। 5 महीने पहले ही जेल काटकर आया है। अंकित भाटी के पिता गांव में ही खेती करते हैं।

मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के लिए बैठक का हुआ आयोजन

फर्रुखाबाद,3 सितम्बर (देशबन्धु)। फर्रुखाबाद के विभिन्न मंडलों में आगामी कार्यक्रम (मेरी माटी, मेरा देश) को सफल बनाने के लिए बैठके आयोजित हुई। सदर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पश्चिम,नगर पूर्वी,फतेहगढ़ एवं बढ़पुर मंडल की बैठक भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी कार्यक्रम मेरी माटी मेरा देश को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई। जिला महामंत्री डीएस राठौर ने बताया पूरे जनपद के सभी मंडलों में ग्रामीण एवं नगर निकाय के अंतर्गत इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जाएगा इस कार्यक्रम का उद्देश्य है जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान की उनके घर पहुंच कर माटी एकत्रित करना और ऐसे बहादुर लोग जिन्होंने राष्ट्र की सेवा की उनको सम्मानित करना है आने वाला समय अमृत कल का है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में चल रही सरकार ने भारत के सैनिकों का मनोबल बढ़ाने का कार्य किया पिछले साल आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर हर घर पर तिरंगा लहराया ऐसे पल बहुत समय के बाद देखे गए। एक लंबी गुलामी के कालखंड और हजारों सैनिकों के बलिदान से स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 75 साल का पुरुषार्थ और विगत 10 साल के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के जन-जन को महान भारत की रचना से जोड़ने का पुरुषार्थ तभी सफल होगा जब महान भारत की रचना होगी इसलिए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर ग्रामीण क्षेत्र से माटी एकत्रित करना एवं नगरीय क्षेत्र से एक चुटकी चावल एकत्रित करने का कार्य करना होगा। नगरीय क्षेत्र में सभी वार्डों में संयोजक एवं सहसंयोजक नियुक्त होंगे।

छत से गिरने से युवक की दर्दनाक मौत

मेरठ,3 सितम्बर (देशबन्धु)। शराब का अधिक सेवन करना एक युवक की मौत का कारण बन गया। थाना परतापुर क्षेत्र के शताब्दी नगर में बीती रात एक युवक की रात के समय छत से गिरने से दर्दनाक मौत हो गयी। जिस वक्त युवक गिरा उस समय उसने शराब को सेवन किया हुआ था। जिसके कारण उसका पैर फिसल गया।

वही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पीएम के लिए भेज दिया है। परिजनों को मौत की सूचना पुलिस भेज दी है। रिठानी निवासी अंकित सैनी 28 वर्ष पुत्र मोहन सैनी शताब्दी नगर स्थित रंजन जिंदल की फैक्ट्री में कपड़े की पैकिंग का काम करता था। यहीं फैक्ट्री में ऊपर किराए पर एक कमरे में रहता था। अंकित काम खत्म कर फैक्ट्री की छत पर सो जाता था। शनिवार रात भी अंकित काम के बाद छत पर जाकर सो गया। सुबह देखा कि अंकित की लाश नीचे पड़ी थी।

थाने में हाई प्रोफाइल ड्रामे के बीच आपस में भिड़ीं सखियां, कार्रवाई का दिया आश्वासन

मेरठ,3 सितम्बर (देशबन्धु)। ब्लॉक परिसर में महिला सखियों के बीच हुए हाईप्रोफाइल ड्रामे के बाद थाना पुलिस ने जब कोई कार्रवाई नहीं की तो दोनों पक्ष की महिलाएं थाने में जा धमकी। हंगामा करते हुए थाने में धरने पर बैठ गई। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों की महिलाओं में जुतमपैजार हुआ। पुलिस ने किसी तरह दोनों पक्षों की महिलाओं को शांत करा कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। गांव शाहपुर-जैनपुर की महिला सखी पूनम ने एडीओ आईएसबी अमित सैनी पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए गत 18 अगस्त को रोहटा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ब्लॉक के कुछ गांव की महिला सखी व ग्राम प्रधान और कर्मचारी एडीओ के पक्ष में खड़े हो गए। उन्होंने सखी पूनम के आरोपों को निराधार एक सप्ताह पूर्व ब्लॉक पर धरना प्रदर्शन करते हुए उच्च स्तरीय जांच व मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। सीडीओ शशांक चौधरी ने तीन सदस्य कमेटी गठित कर दी थी। कमेटी ने दोनों पक्षों के बयानों को लिया।

■ **छेड़खानी के बाद पैदा हुआ तनाव, पुलिस ने बामुश्किल किया शांत**

जब दोनों पक्षों के बयान लेने के बाद कमेटी सदस्य चले गए तो इसी बीच महिला सखी पूनम एडीओ आईएसबी अमित सैनी के पक्ष में बयान देने आई अन्य गावों की महिला सखियों के बीच ब्लॉक परिसर में गाली गलौच मारपीट व जमकर पथराव हुआ। जिसमें कई महिलाएं चोटिल हो गई। घायलों का डॉक्टरी परीक्षण कराकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए थाने में तहरीर दी।

आयोजन *संस्कृत एकल गीत गायन व संस्कृत गद्य वाचन प्रतियोगिता आयोजित*

संस्कृत भाषा को बनाएं जन-जन की भाषा : मिश्र

मेरठ,3 सितम्बर (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के बृहस्पति भवन में संस्कृत एकल गीत गायन एवं संस्कृत गद्य वाचन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीसीएसयू व संस्कृत भारती मेरठ प्रान्त के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में कला संकायाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार शर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.सोमेन्द्र तोमर (ऊर्जा राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) की उपस्थिति रही। संस्कृत विभाग के समन्वयक प्रो.वाचस्पति मिश्र ने सभागार में उपस्थित प्रतिभागी।

■ **प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर किया गया सम्मानित**

■ **संस्कृत सप्ताह के मौके पर किया गया कार्यक्रम का आयोजन**

छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा को जन-जन की भाषा बनाने का आह्वान किया। संस्कृत एकल गीत गायन (वरिष्ठ वर्ग) प्रतियोगिता में जहां नेहरु स्मारक इन्टर कॉलेज की सरिता, दर्शन अकादमी से टोनी, के.एल.इन्टरनेशनल स्कूल से अनन्या शर्मा क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान वही कनिष्ठ वर्ग प्रतियोगिता में ब्रेंज एड्यूवर्ड स्कूल से दिव्यांश शर्मा, के.एल.इन्टरनेशनल स्कूल से अंश, दयावती मोदी अकादमी से आरना पांडेय क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे।

संस्कृत गद्यवाचन प्रतियोगिता में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर स्थित संस्कृत विभाग से प्राची, मेरठ कॉलेज से अजय, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर के अंकित व मेरठ कॉलेज से शुभम ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए। प्रसिद्ध समाजसेवी विनोद चौधरी के द्वारा सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार राशि के साथ मैडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के प्रान्तीय संगठन मंत्री योगेश विद्यार्थी, डॉ.सन्दीप शर्मा, डॉ. अरविन्द कुमार, डॉ. संतोष कुमारी, डॉ. नरेन्द्र कुमार, डॉ. ओमपाल, अवधेश, नीलकमल, डॉ. राकेश, रमेशचन्द, अंजलि दीक्षित, उमा दीक्षित, राजमणि, साहिल तरीका, सुमित शर्मा, मोनू तथा विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों एवं माध्यमिक विद्यालयों के साथ प्रसिद्ध पब्लिक स्कूल के संस्कृत शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्व-मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी की जयंती मनाई

मेरठ,3 सितम्बर (देशबन्धु)। जिला और शहर कांग्रेस कमेटी ने रविवार को पार्टी कार्यालय पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी की जयंती मनाई। कांग्रेसियों ने पुष्प अर्पित कर कांग्रेस को मजबूत कर कांग्रेस गठबंधन, इंडिया की केंद्र में सरकार बनाने कि सौगन्ध ली। इस दौरान भारी तादाद में कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। महानगर अध्यक्ष जाहिद अंसारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलापति त्रिपाठी एक महत्वपूर्ण भारतीय राजनेता थे। जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय और उसके बाद के काल में एक प्रमुख कांग्रेस पार्टी के नेता रहे हैं। उनका जन्म 3 अगस्त 1905 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले के कर्नपुर गांव में हुआ और उन्होंने कांग्रेस में रहते हुए प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के लिए बहुत कुछ किया है।

प्रवक्ता हरिकिशन अम्बेडकर ने कहा कि कमलापति त्रिपाठी का राजनीतिक करियर 1920 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शुरू हुआ था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ संगठन का काम किया और स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गिरोही आंदोलन में भी भाग लिया था।

जीनत अमान और शबाना आजमी को लेकर फिल्म बन टिक्की बनाएंगे मनीष मल्होत्रा

मुंबई। जानेमाने फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ,जीनत अमान और शबाना आजमी को लेकर फिल्म बन टिक्की बनाने जा रहे हैं। मनीष मल्होत्रा फिल्म प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस- स्टेज-5 प्रोडक्शन शुरू करने की जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने प्रोडक्शन हाउस की फिल्म बन टिक्की की अनाउंसमेंट की। मनीष मल्होत्रा की इस फिल्म से जीनत अमान , शबाना आजमी के साथ दिखाई देंगी। इस फिल्म में अभय देओल भी होंगे। फिल्म का निर्देशन फराज आरिफ अंसारी करेंगे।

कोविड संक्रमण को लेकर विशेषज्ञों का दावा

एक्सबीबी व ईजी वेरिएंट की तुलना में कोविड बीए.2.86 कम संक्रामक

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। विशेषज्ञों ने रविवार को तर्क दिया कि नया पाया गया बीए.2.86 कोविड उप-वेरिएंट एक्सबीबी और ईजी स्ट्रेन की तुलना में कम संक्रामक हो सकता है, जिसने पहले दुनिया भर में महत्वपूर्ण संक्रमण फैलाए थे। बीए.2.86, जो ओमिक्रॉन संस्करण से आया है, अब तक चार महाद्वीपों में कोविड के 29 मामलों से जुड़ा हुआ है।

चीनी वैज्ञानिकों के नए अप्रकाशित प्रयोगात्मक डेटा, जिनकी

- **चीनी वैज्ञानिकों के नए अप्रकाशित प्रयोगात्मक डेटा की अब तक समीक्षा नहीं**
- **एक्सबीबी.1.5 की तुलना में बीए.2.86 एंटीजेनिक रूप से भिन्न**

अब तक समीक्षा नहीं की गई है, से पता चला है कि बीए.2.86 वायरस के पिछले संस्करणों से इतना अलग है कि यह पुराने वेरिएंटों के लिए शरीर में बने एंटीबॉडी से आसानी से बच जाता है। इस मामले में यह ईजी.5 से भी आगे है।

पेकिंग विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर यूनलोंग रिचर्ड काओ ने एक्स पर लिखा कि एक्सबीबी.1.5 की तुलना में बीए.2.86 एंटीजेनिक रूप से भिन्न है। यह एक्सबीबी-संक्रमण/टीकाकरण प्रेरित एंटीबॉडी से काफी हद तक बच सकता है, हालांकि, बीए.2.86 की संक्रामकता एक्सबीबी.1.5 और ईजी.5 की तुलना में बहुत कम हो सकती है।

अमेरिका में फ्रेड हच कैंसर सेंटर के विकासवादी जीवविज्ञानी डॉ. जे.सी. ब्लूमन ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया कि एक संभावित

परिदृश्य यह है कि बीए.2.86 वर्तमान वेरिएंट की तुलना में कम संक्रामक है, और इसलिए कभी भी व्यापक रूप से नहीं फैलता है। हालांकि, इस बात की भी संभावना है कि वैरिएंट व्यापक रूप से फैल जाएगा - और हमें जानने के लिए और अधिक डेटा का इंतजार करना होगा।

आंकड़ों से पता चलता है कि अपडेटेड वैक्सीन भी इसके खिलाफ कम प्रभावी होगी। हालांकि, यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने अपने 23 अगस्त के जोखिम मूल्यांकन में कहा कि वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर, एक्सबीबी.1.5 वेरिएंट को लक्षित करने वाले अपडेट किए गए कोविड -19 टीके बीए.2.86 के खिलाफ प्रभावी होने की उम्मीद है। ये गंभीर बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने को कम करेंगे।

बीए.2.86 वैरिएंट में एक्सबीबी.1.5 से 35 से अधिक आनुवंशिक अंतर हैं, जो इस वर्ष के अधिकांश समय में प्रमुख वैरिएंट है। सीडीसी ने कहा कि यह आनुवंशिक छलांग 'लगभग वैसी ही है' जैसी कि प्रारंभिक ओमिक्रॉन संस्करण और डेल्टा संस्करण के बीच देखी गई थी।

येल मेडिसिन के हालिया बुलेटिन में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. स्कॉट रॉबर्ट्स ने कहा कि इतनी अधिक संख्या में उत्परिवर्तन उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा कि जब हम (ओमाइक्रॉन वैरिएंट) एक्सबीबी.1.5 से (एरिस) ईजी.5 तक गए, तो वह शायद एक या दो उत्परिवर्तन थे। लेकिन ये बड़े बदलाव, जो हमने डेल्टा से ओमीक्रॉन तक भी देखे, चिंताजनक हैं।

इस बीच, सीडीसी ने यह भी नोट किया कि हाल के अन्य वेरिएंट की तुलना में बीए.2.86 उन लोगों में निर्णायक संक्रमण पैदा करने में अधिक सक्षम हो सकता है जो पहले संक्रमित या टीका लगाए गए थे।

अब तक, यह अधिक गंभीर बीमारी का कारण नहीं पाया गया है। सीडीसी ने कहा, लेकिन मामलों की सीमित संख्या का मतलब है कि यह जानना बहुत जल्दी है कि क्या यह अधिक गंभीर कोविड-19 का कारण बनता है या अन्य वेरिएंट की तुलना में अधिक संक्रामक है।

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के एक शोधकर्ता बेन मुरेल ने एक्स पर लिखा कि कुल मिलाकर, यह ओमिक्रॉन के मूल उद्भव जितनी गंभीर स्थिति नहीं लगती है।

सरगुन मेहता ने मुझे एक बेहतर अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया : अलीशा परवीन

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। पारिवारिक ड्रामा 'उड़ारियां' में आलिया की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री अलीशा परवीन ने शो की निर्माता सरगुन मेहता के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। 2019 में अभिनेत्री सरगुन ने अपने पति रवि दुबे के साथ अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड शुरू किया था। एक फिल्म 'झल्ले' का भी सह-निर्माण किया था। मार्च 2021 में ड्रीमियाटा एंटरटेनमेंट ने टेलीविजन शो 'उड़ारियां' का निर्माण किया। इस शो में पहले प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता शामिल थे। शो की लीप के बाद की प्रेम कहानी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती रहती है।

अपने किरदारों के प्रति सच्चे रहते हुए नए कलाकार आलिया के रूप में अलीशा, अरमान गिल के रूप में अनुराज चहल, और आसमां ढिल्लों के रूप में अदिति भगत दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

सरगुन के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए अलीशा ने कहा कि मैं सरगुन मेहता के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक क्षण लेना चाहती हूं जो हमारे शो की निर्माता हैं। जब मैं उनसे पहली बार मिली तो उन्होंने मुझे वैसा ही रहने की सलाह दी, और मुझे विश्वास हो गया कि मैं 'उड़ारियां' की उनकी आलिया हूं। उन्होंने आगे कहा कि जब कोई आप पर इस तरह का आत्मविश्वास दिखाता है, तो आपके काम करने के तरीके में बहुत बड़ा अंतर आ जाता है। मुझे एक बेहतर अभिनेत्री बनने में प्रेरित करने के लिए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं। अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि आलिया अपने सपनों को महत्व देती है और उन्हें पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती।

आलिया, नेहमत (ट्विंकल अरोड़ा द्वारा अभिनीत) और एकम (हितेश भारद्वाज द्वारा अभिनीत) की प्यारी बेटी है, जो नेहमत को अपना सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी मानती है। शो में अरमान 25 साल का एक उत्साही लड़का है, जो आलिया के दिल में एक विशेष स्थान रखता है, और मानता है कि ऐसी कोई चीज नहीं है जिसे जुगाड़ ठीक नहीं कर सकता। यह शो कलर्स पर प्रसारित होता है।

छात्र का कमाल, मोतियाबिंद का पता लगाने के लिए ऐप बनाया

लखनऊ, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। लखनऊ के 17 वर्षीय ईशान वसंतकुमार ने एक एआई-आधारित ऐप 'रोशिनी' डेवलप किया है जो शुरुआत में ही मोतियाबिंद का

- **मोतियाबिंद जांच में ग्रामीण समुदायों की करेगा सहायता**
- **ऐप का उपयोग वाराणसी, फतेहपुर और हापुड़ में होगा**

पता लगाएगा। इस ऐप को शनिवार को उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट और स्टडी हॉल द्वारा आयोजित नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर के दौरान पेश किया गया। स्टडी हॉल स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र ईशान ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट के साथ मिलकर इस ऐप को बनाने के लिए एक साल तक काम किया। यह यूजर-फ्रेंडली है, सार्वजनिक तथा फ्रंटलाइन के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं दोनों के लिए सुलभ है जो शुरुआती मोतियाबिंद जांच में ग्रामीण समुदायों की सहायता करेगा। इसका टारगेट अनुपचारित मोतियाबिंद के कारण होने वाले अंधेपन और दृष्टि संबंधित समस्याओं को खत्म करना है। प्रारंभ में ऐप का उपयोग वाराणसी, फतेहपुर और हापुड़ में किया जाएगा। ईशान ने दावा किया है कि फिलहाल भारत में ऐसा कोई ऐप उपलब्ध नहीं है। ईशान का कहना है कि मेरे नाना-नानी दोनों मोतियाबिंद से पीड़ित थे, जिसने मुझे इस संबंध में काम करने के लिए प्रेरित किया। यूपीटीएसयू के एक डेटा वैज्ञानिक सत्य स्वरूप ने कहा कि इस ऐप के माध्यम से हम ग्रामीण भारत में मोतियाबिंद जांच में क्रांति लाना चाहते हैं। शिविर की शुरुआत एप के प्रदर्शन और प्रतिभागियों के लिए मुफ्त स्क्रीनिंग के साथ हुई।

एक असाधारण आभा की धनी थी अभिनेत्री नूतन : मौसमी चटर्जी

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' में दिग्गज अभिनेत्री मौसमी चटर्जी ने अभिनेत्री नूतन को याद करते हुए कहा कि वह अद्वितीय प्रेरणा की स्रोत थीं। अभिनेत्री मौसमी चटर्जी ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर 3' के मंच पर विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। 'डांस का ट्रिपल धमाल' विशेष एपिसोड में दो प्रतियोगी एक कोरियोग्राफर के साथ मिलकर आकर्षक प्रदर्शन से सभी को आश्चर्यचकित कर देंगे। नूतन की प्रशंसा करते हुए मौसमी ने साझा किया कि नूतन जी, एक गुरु देवी और अद्वितीय प्रेरणा के स्रोत के रूप में एक असाधारण आभा रखती थीं। उन्होंने एक सच्चे कलाकार का सार भी प्रस्तुत किया। 1969 की 'परिणीता' फेम अभिनेत्री ने कहा कि किशोर कुमार जी के साथ उनकी युग-परिभाषित भूमिकाओं से लेकर 'सरस्वती चंद्र' में उनके कालजयी प्रदर्शन तक वह एक संपूर्ण अभिनेत्री थीं। मुझे उनके भीतर के कलाकार को देखने का सौभाग्य मिला। मौसमी ने आगे कहा कि नूतन ने एक बार मेरे साथ बहुत ही अमूल्य सलाह साझा करते हुए कहा था, चाहे आप कहीं भी हों, कभी भी अपने आप से नजरें न हटाएं। किसी और जैसा बनने या उनकी यात्रा का अनुकरण करने की आकांक्षा न करें। जितना हो सके प्रामाणिक बनें और अपना रास्ता खुद बनाएं।

दो शिक्षकों ने फिर बढ़ाया पूर्वांचल विश्वविद्यालय का मान

जौनपुर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय की पूर्व संकायाध्यक्ष एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. वंदना राय और केमिस्ट्री विभाग के असिस्टेंट प्रो. डॉ मिथिलेश यादव ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा जारी विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में लगातार तीसरे वर्ष भी जगह बनाई है। इन वैज्ञानिकों की अन्तरराष्ट्रीय उपलब्धि से पूर्वांचल विश्वविद्यालय का सम्मान बढ़ा है। प्रो. वंदना राय पिछले 24 वर्षों से अधिक समय से बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में मानव आणविक अनुवांशिकी में स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों और फोलिक एसिड से सम्बंधित जींस समेत अनेक बीमारियों को प्रभावित करने वाले सिंगल न्युक्लीओटाइड पोलीमोर्फिस्म पर महिलाओं व ग्रामीण क्षेत्र की जनता के लिए कार्य कर रहीं हैं। प्रो. वंदना राय मुख्य रूप से विभिन्न जन्मजात, न्यूरोलॉजिकल, मानसिक, कैंसर तथा आयु से सम्बंधित बीमारियों पर शोध कार्य कर रही हैं। साथ ही उनके द्वारा इन बीमारियों के बारे में पूर्वांचल की जनता को लगातार जागरूक किया जा रहा हैं। प्रो. राय के 100 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकशित हो चुके हैं। उन्हें उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु शिक्षक श्री सम्मान हेतु भी चयनित किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें पूर्व में कई अन्य पुरस्कार/सम्मान प्राप्त हो चुके है। प्रो. वंदना राय को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ-साथ कई परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। वे कई देशों का शैक्षणिक भ्रमण भी कर चुकीं हैं । डॉ मिथिलेश यादव एक दशक से अधिक समय से पॉलीमर केमिस्ट्री के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, अब तक उनके 65 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ मिथिलेश यादव को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ-साथ विभिन्न एजेंसीज से कुल 30 लाख की रिसर्च ग्रान्ट प्राप्त हो चुकी है। पूर्व में डॉ. मिथिलेश 4 वर्षों तक दक्षिण कोरिया एवं 2 वर्षों तक ताइवान में शोध कार्य कर चुके हैं। वर्ष 2014 से 2017 तक डॉ यादव कोठारी पोस्ट- डॉक्टर फेलो के रूप में जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली में भी कार्य कर चुके हैं। दोनों शिक्षकों की इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान बढ़ाया है।

- **100 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकशित**

'आईजीटी 10' - अपना सिग्नेचर 'हुनर सलाम' देने के लिए क्रेन पर चढ़ी शिल्पा शेट्टी

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। एक्ट्रेस और 'इंडियाज गॉट टैलेंट' की जज शिल्पा शट्टी कुंद्रा शो में अबूझमाड़ ग्रुप को अपना सिग्नेचर 'हुनर सलाम' देने के लिए क्रेन पर चढ़ गईं। टैलेंट रियलिटी शो के रविवार के एपिसोड में भक्ति गायक अनूप जलोटा की मौजूदगी में जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाएगा।

'टॉप 14' के कंटेस्टेंट्स के परफॉर्मेंस से न केवल अनूप जलोटा, बल्कि जज शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, बादशाह और किरण खेर भी हैरान रह जाएंगे।

प्रतिभा और मनोरंजन की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए जाना जाने वाला, छत्तीसगढ़ का अबूझमाड़ ग्रुप स्टेज पर दमदार परफॉर्मेंस देंगे। उनके परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हुए, शिल्पा ने कहा कि आपने इस एक्ट के जरिए बहुत सारे स्किल्स दिखाए हैं। इसने मुझे यूरोप में परफॉर्म करने वाले 'सर्क डी सोइल' नाम के एक ट्रूप की याद दिला दी। जिस तरह से आपने आज हमारा मनोरंजन किया, वह देखकर मैं हैरान हूं। यह बेहतरीन परफॉर्मेंस था।

उनकी सराहना करते हुए, किरण ने साझा किया कि शानदार! यह एक्ट एक ही समय में कठिन और सुंदर दोनों था। जिस तरह से आप इतनी सटीकता के साथ परफॉर्म करने में सफल रहे, वह सराहनीय है! मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि वह आपको हमेशा सुरक्षित और खुश रखें। वहीं अनूप जलोटा ने कहा कि इनको छत्तीसगढ़ के 36 हीरो मिल गए। सब कुछ अद्भुत था, लेकिन छोटा बच्चा, सुरेश बेहतरीन था।

'जाने जान' के नए पोस्टर में जयदीप अहलावत का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

मुंबई, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। करीना कपूर की अपकमिंग थ्रिलर 'जाने जान' के ट्रेलर लॉन्च से पहले, एक नए पोस्टर का अनावरण किया गया है, जिसमें फिल्म के लिए एक्टर जयदीप अहलावत का ट्रांसफॉर्मेशन दिखाया गया है। एक्टर के ट्रांसफॉर्मेशन के चलते उन्हें पहचानना मुश्किल हो रहा है। तस्वीर में जयदीप को घने बालों के साथ व्हाइट शर्ट, ब्लैक पैंट और ब्लैक टाई पहने देखा जा सकता है। वह नीचे की ओर मुंह करके बैठे हैं, उनके चेहरे पर चिंता का भाव है। जयदीप अहलावत और करीना कपूर दोनों ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर जारी किया, पोस्ट को कैप्शन दिया कि कुछ सीक्रेट्स, जान लेकर ही रहेंगे। 'जाने जान' का ट्रेलर 2 दिन में रिलीज होगा। निर्देशक सुजॉय घोष ने भी अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्टर जारी करते हुए लिखा, नरेन व्यास से आपका परिचय कराते हुए बहुत उत्साहित हूं। प्यार करना कोई इनसे सीखे 'जाने जान' का ट्रेलर 2 दिन में रिलीज हो जाएगा।

वेब-सीरीज़ 'पाताल लोक' में इंस्पेक्टर हाथी राम चौधरी के रूप में नज़र आने के बाद, एक्टर के लिए यह एक बहुत ही अलग लुक है। इससे पहले भी, एक्टर ने 'राजी', 'विश्वरूपम 2' और 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी कई फिल्मों में काम किया है। 'जाने जान' एक क्राइम थ्रिलर है, जो कीगो हिगाशिनो के जापानी नोवेल 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' पर बेस्ड है। फिल्म का ट्रेलर 5 सितम्बर 2023 को रिलीज होगा, जबकि फिल्म 21 सितम्बर 2023 को नेटफ्लिक्स पर आएगी।

जन्माष्टमी पर कान्हा की जन्मभूमि में होगा ठाकुर जी का अनूठा श्रृंगार

मथुरा, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कान्हा की जन्मभूमि पर आने वाले लाखों श्रद्धालु

इस बार ठाकुर जी का अनूठा श्रृंगार देखेंगे। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि आने वाले तीर्थयात्री रजत कमल पुष्प में न केवल ठाकुर का प्राकट्य देख सकेंगे बल्कि स्वर्णमण्डित रजत कामधेनुस्वरूपा गौ प्रतिमा द्वारा ठाकुर का प्रथम अभिषेक देख सकेंगें किंतु इससे पहले मोर्छलासान में विराजमान होकर अभिषेक स्थल पर चल विगृह का दर्शन भी कर सकेंगे। इस बार सोमनाथ पुष्प बंगले में ठाकुर जी को विराजमान करने की व्यवस्था भी की गई है। कान्हा का अभिषेक श्रीकृष्ण जन्मस्थान न्यास के अध्यक्ष महन्त नृत्य गोपालदास की अध्यक्षता में 7 सितम्बर को होगा।

सचिव शर्मा के अनुसार 20 घंटे से अधिक समय तक ठाकुर के पट खुले रहेंगे। इस बार ऐसी व्यवस्था की जाएगी कि श्रद्धालुओं को दर्शन करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जन्माष्टमी की शुरूवात 7 सितम्बर को प्रात: साढे पांच बजे शहनाई वादन एव ढोल तथा नगाड़ो की बुलन्द आवाज से होगी। इसके बाद अभिषेक का कार्यक्रम एक घंटे से अधिक देर तक वैदिक मंत्रों के मध्य होगा। अभिषेक का चरणामृत उस समय श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर में मौजूद सभी भक्तों में वितरित किया जाएगा। प्रात: दस बजे से श्रद्धा कार्यक्रम होगा जिसमें देश के जाने माने कलाकार अपनी स्वरलहरी और वाद्य यंत्र के माध्यम से ठाकुर के श्रीचरणों में अपनी भवांजलि प्रस्तुत करेंगें तो जाने माने संतों का इस अवसर पर प्रवचन होगा।

उधर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि इस बार जन्मस्थान आनेवाले तीन प्रमुख मार्गों पर तीर्थयात्रियों का सामान रखने की व्यवस्था की गई है। तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इलेक्ट्रानिक सामान अपने ठहरने के स्थान पर ही रखकर दर्शन के लिए आएं। सामान रखने के स्थान पर जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा की भी व्यवस्था की जाएगी। आयुर्वेद भवन प्रांगण में खोया पाया केन्द्र बनाया जाएगा।

जनमाष्टमी कार्यक्रम का आयोजन

सचिव शर्मा के अनुसार अभिषेक का कार्यक्रम जनमाष्टमी की रात 12 बजकर 5 मिनट से 12 बजका 20 मिनट तक चलेगा तथा इसके बाद कान्हा का जन्म महाअभिषेक 12 बजकर 40 मिनट तक चलेगा। इसके बाद श्रृंगार आरती 12 बजकर 50 मिनट तक होगी तथा दर्शन खुले रहेंगे। शयन आरती 1 बजकर 25 मिनट से डेढ़ बजे तक होगी और इसके बाद दर्शन बंद हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि जन्माष्टमी पर जन्मस्थान आनेवाले प्रत्येक भक्त को प्रसाद दिया जाता है। इस बार भी निकास द्वारों पर इसकी व्यवस्था की जाएगी। चूंकि आनेवाले भक्तों की संख्या लाखों में होती है इसलिए खराब न होनेवाले प्रसाद का बनना अभी से शुरू हो गया है।

आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसरों का दावा

पोकर, रम्मी कौशल के खेल

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), दिल्ली के प्रोफेसरों ने कहा है कि कार्ड गेम पोकर और रम्मी 'कौशल' के खेल हैं, चाहे वे ऑनलाइन खेले जाएं या ऑफलाइन।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन के कैडेंस चेयर प्रोफेसर प्रो. तपन के. गांधी ने अपनी टीम के साथ हाल ही में एक व्यापक अध्ययन किया है जिसमें पुष्टि की गई है कि पोकर और रम्मी कौशल के खेल हैं। अध्ययन पोकर और रम्मी में सफलता के लिए आवश्यक संज्ञानात्मक और अन्य कौशल के महत्व को पुष्ट करता है।

इसने खेल में अनुभव और सीखने योग्य कौशल के प्रभाव और खेल में खिलाड़ी की दीर्घकालिक सफलता में इसकी भूमिका का विश्लेषण किया।

गांधी ने एक बयान में कहा कि हमारे पूरे शोध के दौरान, हमें ऐसे दिलचस्प मामले पेश किए गए, जिनसे यह स्पष्ट हो गया कि इन खेलों के लिए वास्तव में एक स्तर की जन्मजात समझ की आवश्यकता होती है, जो खिलाड़ियों की संज्ञानात्मक क्षमताओं के निर्माण में सहायता करती है।

उन्होंने कहा कि सिर्फ खेल के कौशल पहलू को सीमित नहीं करते हुए,

- **खिलाड़ी के नरम कौशल जैसे सामाजिक संकेतों को समझना, स्मृति बनाए रखना, खेलने के दौरान आगे बढ़ना आदि शामिल**

हमने यह भी देखा कि खिलाड़ी के नरम कौशल जैसे सामाजिक संकेतों को समझना, उच्च दबाव वाली स्थितियों में निर्णय लेना, स्मृति बनाए रखना और लगातार खेलने के दौरान आगे बढ़ना आदि शामिल हैं।

अध्ययन ने यह निर्धारित करने के लिए गणितीय उपकरणों का उपयोग करके एक मात्रात्मक विश्लेषण प्रदान किया कि क्या ऑनलाइन पोकर और रम्मी में दीर्घकालिक सफलता का श्रेय कौशल को दिया जा सकता है।

डेटा का विश्लेषण 2-प्लेयर, 3-प्लेयर और 6-प्लेयर प्रारूपों में 30 से 100 गेम तक फैले यूजर डेटा के एक बड़े सेट का उपयोग करके किया गया था। निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि पोकर और रम्मी दोनों में, जैसे-जैसे यूजर अधिक गेम खेलते हैं, कौशल चर में सुधार होता है। इसके अलावा, यूजर्स की जीत दरों के बीच मापा गया सहसंबंध 0.904 था, जो एक सकारात्मक संबंध को दर्शाता है और खेल में कौशल की दृढ़ता पर जोर देता है, जो लगातार समय के साथ परिणामों को आकार देने में मात्र अवसर से अधिक कौशल के महत्व पर प्रकाश डालता है। आईआईएम कोझिकोड में रणनीतिक प्रबंधन के एसोसिएट प्रोफेसर दीपक ध्यानिथी ने कहा कि पोकर और रम्मी जैसे ऑनलाइन कार्ड गेम के क्षेत्र में विश्लेषण संदेह के लिए कोई जगह नहीं छोड़ता है मौका नहीं, कौशल दीर्घकालिक सफलता के पीछे की प्रेरक शक्ति है।

उन्होंने कहा कि ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों में, कौशल सर्वोच्च है, जिससे क्रिकेट, गोल्फ आदि जैसे अन्य खेलों की तरह मुश्किल कम हो जाती है, क्योंकि खिलाड़ी चुनौती के लिए आगे बढ़ते हैं। शोध स्थापित करता है कि कौशल प्रबल होता है, जिससे गेमिंग क्षेत्र में संज्ञानात्मक कौशल की हमारी समझ समृद्ध होती है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

पावरग्रिड	2.50 प्रतिशत
एलटी	2.09 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.95 प्रतिशत
एचडीएफसी	1.01 प्रतिशत
सन फार्मा	0.89 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

रिलायंस	1.11 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.97 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.67 प्रतिशत
टाइटन	0.59 प्रतिशत
आईटीसी	0.56 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दडा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,850-4,950
दाल चना	4,850-4,950
मसूर काली	7,800-7,900
उड़द दाल	10300-10400
मूंग दाल	7,900-8,000
अरहर दाल	9700-9800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार जारी तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज भी अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

तेलंगाना के नलगोंडा में आईटी हब लगभग तैयार, जल्द होगा उद्घाटन

■ सरकार के टियर 2 शहरों में सूचना प्रौद्योगिकी का विस्तार करने को लेकर नलगोंडा में आईटी हब बन कर लगभग तैयार हो चुका है

हैदराबाद, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। सरकार के टियर 2 शहरों में सूचना प्रौद्योगिकी का विस्तार करने को लेकर नलगोंडा में आईटी हब बन कर लगभग तैयार हो चुका है। जिसका उद्घाटन जल्द ही किया जाएगा। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के.टी. रामाराव ने कहा कि नलगोंडा में आईटी हब का उद्घाटन कुछ ही हफ्तों में किया जाएगा। उन्होंने एक्स पर साझा किया, 'टियर 2 शहरों में आईटी क्षेत्र को विकसित करने के लिए तेलंगाना सरकार के प्रयास तेज गति से चल रहे हैं। वारंगल, खम्मम, करीमनगर, महबूबनगर, सिद्दीपेट और निजामाबाद के बाद अब यह नलगोंडा में तैयार हो रहा है।' नलगोंडा हैदराबाद से लगभग 200 किमी दूर है, जो एक प्रमुख वैश्विक आईटी गंतव्य है। नलगोंडा में 95 करोड़ रुपये की लागत से आईटी हब का निर्माण कार्य शुरू किया गया। कुल 14 आईटी कंपनियों ने नलगोंडा आईटी हब में कार्यालय स्थापित करने का इरादा जताया है।

एक सितम्बर को शहर में 'स्थानीय युवाओं के लिए स्थानीय प्लेसमेंट' विषय पर एक नौकरी मेला आयोजित किया गया था। 325 नौकरी रिक्तियों के लिए 12,000 से अधिक व्यक्तियों ने नौकरी मेले में भाग लिया। संबंधित कंपनियों ने नौकरी चाहने वालों का ऑनलाइन मूल्यांकन किया। स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवा इसको लेकर काफी खुश हैं, कि आईटी सुविधा उन्हें उनके गृह नगर में रोजगार प्रदान कर रही है। यह राज्य के द्वितीय श्रेणी के शहरों में खुलने वाला सातवां आईटी टावर होगा। पिछले महीने, निजामाबाद में आईटी टॉवर का उद्घाटन किया गया था। निजामाबाद आईटी टावर में पंद्रह कंपनियों ने अपना परिचालन शुरू कर दिया है। 55,000 वर्ग फुट की अत्याधुनिक इमारत का निर्माण 50 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। मंत्री केटीआर ने कहा कि इसमें 1,400 युवाओं को नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि आईटी टावर स्थानीय युवाओं को हैदराबाद और विदेशों में प्रौद्योगिकी नौकरियां हासिल करने में मदद करेगा।

नारियल कृषि-व्यवसाय और निर्यात को बढ़ावा दें : शोभा

■ 25वें विश्व नारियल दिवस समारोह का उद्घाटन किया

■ समारोह में मंत्री ने 10 नारियल उद्यमियों को सम्मानित भी किया

तिरुवनंतपुरम, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को कहा कि छोटे किसानों के लिए लाभकारी रिटर्न सुनिश्चित करने के लिए नारियल की खेती और प्रसंस्करण को एक वाणिज्यिक उद्यम के रूप में शुरू करने तथा निर्यात बाजार को बढ़ावा देने का निर्णय लिया गया है।

सुश्री करंदलाजे ने आज कासरगोड में आईसीएआर-सीपीसीआरआई के सहयोग से नारियल विकास बोर्ड द्वारा आयोजित 25वें विश्व नारियल दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने किसानों से उत्पादन, मूल्य संवर्धन और निर्यात-उन्मुख व्यापार में सुधार के लिए भारत की केंद्र सरकार की विभिन्न

विकासात्मक योजनाओं जैसे किसान सम्मान योजना, पीएम फसल भीम योजना तथा कृषि अवसंरचना कोष का उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रसंस्करण और उत्पाद विविधीकरण की ओर बढ़ने की आवश्यकता के बारे में बताया जिससे बेहतर मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए खोपरा-केंद्रित प्रसंस्करण से नीरा, वर्जिन नारियल तेल और नारियल चिप्स जैसे अन्य उत्पादों की ओर बदलाव संभव हो सके।

उन्होंने कहा किकिसान उत्पादक संगठन छोटे और सीमांत किसानों की सामूहिक शक्ति को मजबूत करके नारियल क्षेत्र में क्रांति ला सकते हैं।

समारोह में मंत्री ने 10 नारियल उद्यमियों को सम्मानित भी किया। वहीं सात उद्यमियों के साथ प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर एमओए पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गोवा और गुजरात राज्यों के 500 से अधिक प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

विदेशी मुद्रा भंडार तीन करोड़ डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर पर

मुंबई, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि कमी होने से 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन करोड़ डॉलर कम होकर 594.9 अरब डॉलर रह गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 7.3 अरब डॉलर घटकर 594.9 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 53.8 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 527.3 अरब डॉलर पर आ गयी। वहीं, इस अवधि में

स्वर्ण भंडार 53 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.4 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 1.1 करोड़ डॉलर की गिरावट आई और यह घटकर 18.2 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 1.2 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 5.1 अरब डॉलर रह गई।

ओरछा में सब-स्टेशन बनने से सुधरेगी बिजली आपूर्ति व्यवस्था

जबलपुर, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। बुंदेलखंड की धार्मिक नगरी ओरछा में बिजली लाइन और सब स्टेशन बनने से इस इलाके की बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार आएगा और लोगों को समस्याओं से छुटकारा भी मिलेगा। बताया गया है कि एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने निवाड़ी जिले के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल एवं धार्मिक नगरी ओरछा के लिये करीब 30 कि.मी. लंबाई की 132 केवी पृथ्वीपुर-ओरछा लाइन एवं 132 केवी सबस्टेशन ओरछा तैयार किया है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि करीब 34.7 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से निर्मित कर इस लाइन और सबस्टेशन को ऊर्जीकृत किया गया।

उन्होंने कहा कि नवनिर्मित 132 केवी पृथ्वीपुर- ओरछा लाइन एवं सबस्टेशन के निर्माण से ओरछा व उसके आसपास के क्षेत्रों को अब मात्र चार कि.मी. से ही 33 केवी की सप्लाई मिला करेगी, जिससे ओरछा व प्रतापपुरा क्षेत्र के करीब 11 हजार विद्युत उपभोक्ताओं के साथ ओरछा के विभिन्न पर्यटक एवं धार्मिक स्थलों को उचित गुणवत्ता की कम व्यवधान के साथ विद्युत व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। इस लाइन का निर्माण मेसर्स एलएनटी एवं उपकेंद्र का निर्माण मेसर्स श्रीम के माध्यम से किया गया है। उल्लेखनीय है कि पहले 33 केवी के फीडर की लंबाई 30 किलोमीटर होने तथा इसके पृथ्वीपुर व ओरछा के मध्य सघन व रिजर्व फॉरेस्ट के साथ नदियों व पहाड़ों के बीच से गुजरने के कारण सुधार कार्य में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब इस नये सबस्टेशन के बनने से जहां बरसात आदि प्राकृतिक कारणों से होने वाले व्यवधानों में कमी आएगी, वहीं सुधार कार्य जल्द पूरा करने में भी मदद मिलेगी। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालन अभियंता सर्वेश गौतम ने बताया कि 132 केवी ओरछा सब स्टेशन के लिए 132 केवी सबस्टेशन पृथ्वीपुर से 132 केवी लाइन बनाना चुनौतीपूर्ण था।

आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़े का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। विश्व बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की हुई लिवाली से बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत की मजबूती पर रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 500.65 अंक अर्थात 0.8 प्रतिशत की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 65387.16 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 169.5 अंक यानी 0.9 प्रतिशत चढ़कर 19435.30 अंक पर पहुंच गया।

साप्ताहिक समीक्षा

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे सप्ताहांत पर मिडकैप 717.71 अंक अर्थात 2.3 प्रतिशत उछलकर 31435.62 अंक और स्मॉलकैप 1364.57 अंक यानी 3.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर 37420.53 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, वर्तमान में, घरेलू आर्थिक प्रणाली का विस्तार जारी है। चालू वित्त वर्ष क पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) फिर से बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गया है, और पीएमआई सूचकांक भी 58.6 तक बढ़ गया है। इसके अलावा, जनवरी 2021 के बाद से नए ऑर्डर में सबसे अधिक वृद्धि हुई, जो लगभग तीन वर्षों में सबसे बड़ी वृद्धि है। चीन और अमेरिका जैसे देशों की मजबूत मांग से निर्यात नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, इस बीच रोजगार वृद्धि चार महीनों में सबसे धीमी रही। लेकिन, खरीददारी का स्तर तेजी से बढ़ा, जो 12 वर्षों में सबसे तेज वृद्धि में से एक है, जिससे मुद्रास्फीति ऊंची बनी हुई। जैसे-जैसे देश की आर्थिक प्रणाली में तेजी आ रही है, बाजार में जोखिम वाली परिसंपत्तियों की मांग बढ़ गई है, जिससे निफ्टी 50 में तेजी का रुख है। अमेरिकी अनाज का रकबा बढ़ा, जो पिछले सात वर्ष में सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है। ब्राजील की मकई की फसल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, और काला सागर क्षेत्र के देशों ने मिलकर गेहूं की कीमतें कम कर दीं। इससे बाजार में घबराहट धीरे-धीरे कम हो गई है। VIX संकेतकों से यह भी पता चलता है कि बाजार आर्थिक प्रणाली के बारे में अपेक्षाकृत आशावादी है लेकिन निकट भविष्य में जोखिम परिसंपत्तियों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

चीन के अपने संकटग्रस्त बाजार को सहारा देने के लिए उपायों की घोषणा करने के बाद विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, इंडस्ट्रियल्स, दूरसंचार, कैपिटल गुड्स और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से सोमवार को सेंसेक्स 110.09 अंक की तेजी लेकर 64,996.60 अंक और निफ्टी 40.25 अंक चढ़कर 19,306.05 अंक पर पहुंच गया। चीन के अपने संकटग्रस्त बाजार को सहारा देने के लिए उपायों की घोषणा करने से विश्व बाजार में जारी तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर कमोडिटीज, यूटिलिटीज, धातु, पावर और रियल्टी समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत मंगलवार को शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी मजबूती रही। सेंसेक्स 79.22 अंक की बढ़त लेकर 65075.82 अंक और निफ्टी 36.60 अंक बढ़कर 19342.65 अंक पर रहा। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सीडी, दूरसंचार, रियल्टी और टेक समेत चौदह समूहों में लिवाली होने के बावजूद बुधवार को सेंसेक्स 11.43 अंक की मामूली बढ़त लेकर 65,087.25 अंक और निफ्टी 4.80 अंक बढ़कर 19347.45 अंक पर सपाट बंद हुआ।

विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, यूटिलिटीज, तेल एवं गैस और सर्विसेज समेत ग्यारह समूहों में हुई बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार की पिछले लगातार तीन दिन की तेजी पर ब्रेक लग गया। सेंसेक्स 255.84 अंक लुढ़ककर 64831.41 अंक और निफ्टी 93.65 अंक की गिरावट लेकर 19253.80 अंक पर आ गया। विश्व बाजार के मजबूत रुझान के बीच चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर, अनुमान से अधिक मजबूत रहने की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को सेंसेक्स 555.75 अंक की छलांग लगाकर 65,387.16 अंक और निफ्टी 181.50 अंक उछलकर 19,435.30 अंक पर पहुंच गया।

जल्द बीते दिनों की बात हो जाएगा वर्डपैड

■ माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वह अब वर्डपैड को अपडेट नहीं करेगा

सैन फ्रांसिस्को, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि वह अब वर्डपैड को अपडेट नहीं करेगा और लगभग 30 वर्षों के बाद विंडोज के भविष्य के रिलीज से वर्ड प्रोसेसर को हटाने की योजना बना रहा है। एक विकल्प के रूप में, माइक्रोसॉफ्ट अपने पेड वर्ड प्रोसेसर 'वर्ड' की सिफारिश करेगा जो हमेशा वर्डपैड की तुलना में कहीं अधिक शक्तिशाली रहा है और 1995 से विंडोज के साथ मौजूद है। माइक्रोसॉफ्ट द्वारा शुक्रवार को प्रकाशित एक सपोर्ट नोट में लिखा है, 'वर्डपैड को अब अपडेट नहीं किया जा रहा है और विंडोज के भविष्य के रिलीज में इसे हटा दिया जाएगा। हम डॉटडॉक और डॉटआरटीएफ जैसे रिच टेक्स्ट दस्तावेजों के लिए माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और डॉटटीएक्सटी जैसे प्लेन टेक्स्ट दस्तावेजों के लिए विंडोज नोटपैड की सलाह देते हैं।' वर्डपैड को हटाने की कार्रवाई माइक्रोसॉफ्ट द्वारा घोषणा किए जाने के ठीक एक दिन बाद हुई है कि वह नोटपैड को ऑटोसेव और टैब रिट्रेक्शन जैसी सुविधाओं के साथ अपग्रेड कर रहा है।

विंडोज़ 11 में विंडोज़ नोटपैड ऐप को वर्षों में पहली बार 2018 में अपडेट किया गया था और टैब जोड़े गए थे। पिछले महीने, आईओएस और एंड्रॉयड पर बंद करने के बाद माइक्रोसॉफ्ट ने अब विंडोज 11 पर भी अपने डिजिटल सहायक कोरटाना ऐप को बंद करने की घोषणा की है। विंडोज में एक स्टैंडअलोन ऐप के रूप में कोरटाना को बंद कर दिया गया है। वहीं, टीम्स मोबाइल, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स डिस्प्ले और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स में कोरटाना के लिए सपोर्ट 2023 के अंत में समाप्त हो जाएगा।

सार संक्षेप

साइबर सुरक्षा फर्म मालवेयरबाइट्स ने की 100 कर्मचारियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को। एक बड़े पुनर्गठन की तैयारी के तहत अमेरिका स्थित साइबर सिक्योरिटी जायंट मालवेयरबाइट्स ने 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। टेकक्रंच के अनुसार, कंपनी के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, चीफ इंफॉर्मेशन ऑफिसर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर को नौकरी से निकाले जाने के कुछ ही हफ्तों बाद ये कटौती की गई है। इसके अलावा, मालवेयरबाइट्स द्वारा अपने ग्लोबल वर्कफोर्स के 14 प्रतिशत को खत्म करने के लगभग एक साल बाद यह छंटनी हुई है। कई लिंक्डइन पोस्ट से संकेत मिलता है कि इस हफ्ते कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया। मालवेयरबाइट्स के सीईओ मार्सिन क्लेज़िंस्की के अनुसार, इस हफ्ते लगभग 100 से 110 कर्मचारियों को जाने दिया गया, जिससे मुख्य रूप से कॉर्पोरेट कर्मचारी प्रभावित हुए। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कंपनी ने रणनीतिक पुनर्गठन के हिस्से के रूप में यह बदलाव किया है। इसके अलावा, क्लेज़िंस्की ने कहा कि छंटनी कंपनी को दो अलग-अलग बिजनेस यूनिट में विभाजित करने की योजना का हिस्सा थी, लेकिन उन्होंने इस बात से इनकार किया कि कंपनी का कोई भी हिस्सा बेचा जाएगा।

'स्मार्ट' चैस्टिटी केज निर्माता कंपनी पर यूजर्स के जरुरी डेटाबेस को खतरे में डालने का आरोप

सैन फ्रांसिस्को। एक सिक्योरिटी रिसर्चर ने पुरुषों के लिए एक इंटरनेट-कंट्रोल चैस्टिटी डिवाइस बनाने वाली कंपनी के डाटाबेस में बग को उजागर किया है जिससे यूजर्स के ईमेल एड्रेस, प्लेनटेक्स्ट पासवर्ड, होम एड्रेस और आईपी एड्रेस और कुछ मामलों में जीपीएस कोऑर्डिनेट भी लीक किये जा सकते हैं। टेकक्रंच के अनुसार, रिसर्चर ने दो खामियों की जांच करके 10,000 से अधिक के रिकॉर्ड वाले डेटाबेस तक पहुंच प्राप्त की। रिसर्चर ने यह देखने के लिए बग का इस्तेमाल किया कि उसे किस डेटा तक एक्सेस मिल सकता है। इसके अतिरिक्त, रिसर्चर ने 17 जून को कंपनी को खामियों के बारे में सूचित किया, और उनसे उन्हें ठीक करने और अपने यूजर्स के डाटा की सुरक्षा करने का आग्रह किया। रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलहाल, कंपनी ने अपनी खामियों को लेकर कोई समाधान नहीं किया है। रिसर्चर ने कहा, 'हर चीज का अनुचित इस्तेमाल करना बहुत आसान है। यह गैर-जिम्मेदाराना है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वे सब कुछ ठीक कर देंगे। 'यदि आपने किसी डिवाइस के लिए भुगतान किया है और अब इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं, तो मुझे खेद है। लेकिन यहां हजारों लोगों के अकाउंट हैं और मैं विश्वास पर सब कुछ छोड़ नहीं सकता।' कंपनी ने रिसर्चर की चेतावनी हटाकर 24 घंटे से भी कम समय में वेबसाइट को बहाल कर दिया। हालांकि, कंपनी ने उन खामियों पर ध्यान नहीं दिया, जो अभी भी मौजूद हैं। रिसर्चर को यूजर्स के डेटाबेस तक पहुंच की अनुमति देने वाली खामियों के अलावा, यह पता चला कि कंपनी की वेबसाइट यूजर्स के पेपाल पेमेंट्स के लॉग को उजागर करती है।

जिंसों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के प्रभाव में बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों के भाव में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा सप्ताहांत पर 61 रिंगिट उबलकर 3895 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 63.12 सेंट प्रति पौंड के पिछले स्तर पर पड़ा रहा।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 220 रुपए और मूंगफली तेल 147 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12674 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20879 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 13407 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 12088 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 9000 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11133 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

फोर्ड ने खराबी के कारण लगभग 42,000 ट्रकों को वापस मंगाया

सैन फ्रांसिस्को, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। फोर्ड मोटर ने एक मेकैनिकल इशू को लेकर अमेरिका में लगभग 42,000 सुपर ड्यूटी एफ250 और एफ350 ट्रकों को वापस बुलाने का नोटिस जारी किया है, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है। नेशनल हाइवे ट्रेफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) के अनुसार, प्रभावित मॉडलों पर लेफ्ट रियर एक्सल शाफ्ट को प्रोडक्शन के दौरान अनुचित तरीके से उपचारित किया गया होगा और वह टूट सकता है।

रिकॉल में सिंगल रियर व्हील और 10.5-इंच रियर एक्सल शाफ्ट से लैस 2023 मॉडल शामिल हैं। एनएचटीएसए ने कहा, 'टूटे हुए रियर एक्सल के चलते मोटिव पावर की हानि हो सकती है और वाहन को पार्क में रखने में असमर्थता हो सकती है। अगर पार्किंग ब्रेक नहीं लगाया जाता है, तो इसके चलते अनपेक्षित वाहन गति हो सकती है, जिससे चोट या दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है।'

नोटिस के अनुसार, अमेरिका स्थित केंटुकी

ट्रक प्लांट द्वारा वारंटी क्लेम मॉनिटरिंग के माध्यम से समस्या की पहचान करने के बाद विफलताओं को 10 अगस्त को फोर्ड के ध्यान में लाया गया। एनएचटीएसए की रिपोर्ट में कहा गया है, 'वारंटी के माध्यम से लौटाए गए दो एक्सल शाफ्ट को विफल एनालिसिस के लिए फोर्ड की मेटलर्जिकल लैब में भेजा गया था।'

उन्होंने कहा, लेबोरेटरी एनालिसिस ने निर्धारित किया कि एक्सल शाफ्ट फ्रैक्चर वाले क्षेत्र में फोर्ड की टॉर्सनल यील्ड और केस डेप्थ डिजाइन स्पेसिफिकेशन को पूरा नहीं करते हैं। वारंटी लौटाए गए प्रत्येक हिस्से में फ्लैंज से लगभग 44 मिमी की दूरी पर फ्रैक्चर हुआ था, जो अपूर्ण इंडक्शन हीट ट्रीटमेंट के क्षेत्र का संकेत देता है।' 14 अगस्त तक, सात वारंटी रिपोर्टें एक्सल शाफ्ट समस्या से जुड़ी हुई थीं। 18 अगस्त को, फोर्ड की फील्ड रिव्यू कमेटी ने एक फील्ड कार्रवाई को मंजूरी दी। जुलाई में, फोर्ड ने अमेरिका में 8,70,701 एफ-150 ट्रकों के लिए एक रिकॉल नोटिस जारी किया, जिनके इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक में वायरिंग से संबंधित समस्या हो सकती है। एनएचटीएसए को एक सेफ्टी रिकॉल रिपोर्ट में, ऑटोमेकर ने कहा कि रियर एक्सल वायरिंग हार्नेस बंडल प्रभावित वाहनों में रियर एक्सल हाउसिंग से संपर्क कर सकता है, जिससे इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक की अप्रत्याशित सक्रियता हो सकती है।

खेल जगत

जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का निधन

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। ज़िम्बाब्वे के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर हीथ स्ट्रीक का 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। हीथ की पत्नी नेडिन स्ट्रीक ने रविवार को इसकी पुष्टि की। नेडिन ने फेसबुक पर लिखा, आज सुबह के शुरुआती घंटों में रविवार, तीन सितंबर 2023 को मेरे जीवन का सबसे बड़ा प्यार और मेरे खूबसूरत बच्चों के पिता को स्वर्गदूतों के पास ले जाया गया। वह अपने अंतिम दिन घर में परिवार और निकटतम प्रियजनों के साथ बिताना चाहते थे। वह प्रेम और शांति से सराबोर थे। हमारी आत्माएं अनंतकाल के लिये एक हो गई हैं स्ट्रीकी। हम फिर मिलेंगे। साल 2000 से 2004 के बीच जिम्बाब्वे के कप्तान रहे स्ट्रीक ने अपने देश के लिये 65 टेस्ट और 189 एकदिवसीय मैच खेले। स्ट्रीक 100 टेस्ट विकेट लेने वाले ज़िम्बाब्वे के एकमात्र क्रिकेटर हैं और उन्होंने अपने 12 साल के करियर के दौरान अक्सर लड़खड़ाती गेंदबाजी इकाई को अकेले ही संभाला है।

भारत की निगाहें जीत के साथ सुपर 4 में स्थान बनाने पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 3 सितंबर (देशबन्धु)। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम की निगाहें पालीकेल (श्रीलंका) में वन डे एशिया कप क्रिकेट में शनिवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच बारिश के चलते अधूरा बेनतीजा खत्म होने के बाद अब पालीकेल (श्रीलंका) में ही नौसिखिया नेपाल से सोमवार को ग्रुप ए का मैच बड़े अंतर से जीत के साथ शीर्ष पर रह सुपर 4 में स्थान बनाने पर लगी हैं। पाकिस्तान की टीम का भारत से मैच बारिश के चलते अधूरा बेनतीजा खत्म होने से अंक बांटने और नेपाल पर पहले मैच में बड़ी जीत से आगाज करने से ग्रुप ए में दो मैच से चार अंकों के साथ सबसे पहले सुपर 4 में पहुंचने से अब शीर्ष के लिए संघर्ष रोचक हो गया है। नेपाल को अपने पहले मैच में पाकिस्तान के हाथों 238 की हार झेलनी पड़ी थी। भारत का यदि बारिश के चलते नेपाल के खिलाफ सोमवार का दूसरा मैच भी बेनतीजा रहता है तो भी भारत दो मैचों से दो अंकों के साथ सुपर 4 में पहुंच जाएगा लेकिन तब पाकिस्तान ग्रुप ए में चार अंकों पर शीर्ष पर रहेगा।

भारत और नेपाल के बीच यह पहला अंतर्राष्ट्रीय वन डे मैच बेमेल या कहें की ये शेर व मेमने की लड़ाई सरीखा ही दिखाई पड़ रहा है। नेपाल की ताकत उसके लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अकेला शतक व छह अर्द्धशतक जडने वाले बल्लेबाज कप्तान कुशल भुरतल,गुलशन झा तेज गेंदबाज ऑलराउंडर सोमपाल कामी के साथ भारत में आईपीएल में दिल्ली डेयरडेविल्स सहित कई विदेशों में कई क्रिकेट लीग मे खेल चुके लेग स्पिनर संदीप लमिछने ही हैं। नेपाल अपनी चुस्त फील्डिंग से जरूर भारत के बल्लेबाजों का इम्तिहान ले सकती है लेकिन उससे भारत को हरा उलटफेर करने की उम्मीद बेमानी

- भारत की कोशिश बुमराह,शमी व हार्दिक की धार व रफ्तार का जायजा लेने की
- नेपाल से भारत को हरा उलटफेर करने की उम्मीद बेमानी

ही है। नेपाल ने पाकिस्तान को पहले मैच में मुल्तान में शुरुआती झटके जरूर दिए थे लेकिन मेजबान टीम के कप्तान बाबर आजम और निचले क्रम में इफ्तिखार अहमद के तूफानी शतकों के सामने यह चाय की प्याली में तूफान का साबित हुआ। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ नाकामी के बाद जरूर नेपाल के खिलाफ इस मैच का उपयोग आगे सुपर 4 मैच से पहले अपनी रंगत पाने के लिए करना चाहेंगे।

खासतौर पर भारत की कोशिश अगले महीने अपने घर में शुरू होने वाले आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप की तैयारियों की मद्देनजर चोट से उबर कर अब फिट हो करीब एक साल के बाद वापसी करने वाले तुरुप के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाजों की धार-रफ्तार का जायजा लेने की होगी। बारिश की आंचमिचौनी से भारत के टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी के दौरान दो बार बाधा उसे कप्तान रोहित शर्मा के एकाग्रता खोने, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल के पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हैरिस रउफ के तूफान के खिलाफ क्षणि चूक से अच्छे आगाज के बाद चार विकेट मात्र 66 रन पर गंवाने के बाद बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन (82)और ऑलराउंडर उपकप्तान हार्दिक पांडया(87) की पांचवें विकेट की बेशकीमती 138 रन की भागीदारी की बदौलत असमतल उछाल के चलते 266 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाने में सफर रहा था। ईशान किशन ने हार्दिक के साथ मिलकर खासतौर पर नंबर पांच पर पाकिस्तान के अफरीदी, नसीम शाह और रउफ जैसे रफ्तार के सौदागर और उसके उपकप्तान लेग स्पिन ऑलराउंडर शादाब खान, सलमान आगा और बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की त्रिमूर्ति के खिलाफ जवाबी हमला बोल बड़ी शतकीय भागीदारी की उससे उन्होंने भारत टीम प्रबंधन में खासतौर पर चीफ कोच राहुल द्रविड़ के लिए एकादश के चयन को लेकर सुखद सिरदर्द पैदा कर दिया। भारत के क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट के वीरेंद्र सहवाग के साथ सबसे कामयाबी सलामी जोड़ीदार कमेंटेटर गौतम गंभीर ने कहा कि अब मध्यक्रम में विकेटकीपर व बाएं हाथथ बल्लेबाज के रूप में ईशान किशन अपनी मौजूदा फॉर्म के कारण अब केएल राहुल से बेहतर विकल्प हैं। हालांकि एनसीए के सूत्रों के हवाले से भारतीय टीम प्रबंधन के लिए एक सुखद %सिरदर्द' पैदा करने वाली खबर यह है कि फिटनेस टेस्ट से एक दिन पहले ही केएल राहुल को अब पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है लेकिन बड़ा सवाल यह होगा कि उन्हे सीधे सुपर 4 मैच में एकादश में स्थान दिया जाए?

भारत का दुनिया की नंबर एक टीम पाकिस्तान के खिलाफ मैच बारिश के चलते अधूरा बेनतीजा खत्म होने से उसे अपने चोट के बाद आयरलैंड के खिलाफ बतौर कप्तान व तेज गेंदबाज टी-20 सीरीज जिताने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी की धार देखने का मौका फिसल गया। भारत के चीफ कोच राहुल द्रविड़ के लिए खासतौर पर सही एकादश का चयन करना सबसे बड़ा सिरदर्द बना हुआ है। बेशक पाकिस्तान के खिलाफ बारिश के कारण भारत के गेंदबाजों का नंबर ही नहीं आया लेकिन मोहम्मद शमी जैसे अनुभवी और बुमराह के बतौर तेज गेंदबाज सबसे कामयाब जोड़ीदार मोहम्मद शमी को बाहर रख तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर को एकादश में शामिल करना सवाल खड़े करता है। कप्तान रोहित, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, इशान किशन, हार्दिक पांडया, रवींद्र जडेजा के रूप भारत जब सात बल्लेबाजों को अपनी प्रमुख ताकत मानता है तो उसे उन्हीं पर भरोसा करना चाहिए और बल्लेबाजी को मजबूत करने के नाम पर शार्दूल को एकादश में शामिल कर बुमराह, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद सिराज ,हार्दिक पांडया के रूप में चार तेज गेंदबाज और खालिस स्पिनर के रूप मे बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना बेहतर संयोजन है क्योंकि बाएं हाथ के लेफ्ट आर्म के रूप में सटीक व कंजूस रवींद्र जडेजा एकादश में पहले से ही हैं।

शीर्ष क्रम के फ्लॉप होने पर गावस्कर ने कहा, रोहित व विराट अपने पैरों का बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे

नई दिल्ली, 3 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले के दौरान टीम के शीर्ष क्रम के पतन से निराश हो गए, उन्होंने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन शाह आफरीदी के खिलाफ अपने पैरों का बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे। भारत 15 ओवर में 66-4 पर सिमट गया, शाहीन ने रोहित और कोहली को बोल्ड आउट किया, इसके बाद हारिस रऊफ ने श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल को आउट किया। ईशान किशन (82) और हार्दिक पांड्या (87) की सूझबूझ भरी पारियों की बदौलत भारत ने 48.5 ओवर में 266 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया।

बाएं-दाएं हाथ की बल्लेबाजी जोड़ी ने दबाव की स्थिति में आगे बढ़ते हुए पांचवें विकेट के लिए 138 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, भारत की पारी के बाद लगातार बारिश आने के कारण मैच को रद्द करना पड़ा। गावस्कर ने कहा, दोनों बल्लेबाज (रोहित और विराट) अपने पैरों का थोड़ा बेहतर इस्तेमाल कर सकते थे। रोहित शर्मा के बल्ले और पैड के बीच बड़ा गैप था। श्रेयस अय्यर थोड़ा बदकिस्मत थे। वह एक क्रैकिंग हुक शॉट था लेकिन यह सीधे फील्डर के पास गया। अगर फील्डर 5 मीटर बाएं या दाएं होता, तो यह एक बॉउंड्री होती। शुभमन गिल, कुछ अजीब कारण से , बहुत दबे हुए लग रहे थे।

गावस्कर ने इंडिया टुडे पर कहा, ऐसा नहीं लग रहा था कि वह अपना स्वाभाविक गेम खेल रहा था, ऐसा लग रहा था कि वह अपने आस-पास किसी तरह की अनिश्चितता में है। यही कारण है कि उसने लंबे समय तक अपना खाता नहीं खोला और वह शायद ही उस शुभमन गिल की तरह लग रहा था जिसे हम जानते हैं। किशन, जिन्होंने शुरुआत में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद पांचवें नंबर पर एक अपरिचित स्थिति में बल्लेबाजी की, ने जवाबी हमले के प्रयास में 81 गेंदों में 82 रन बनाए, जिसमें 101.23 की स्ट्राइक रेट से नौ चौके और दो छक्के शामिल थे, एक ऐसा प्रयास जिसने अर्जित की गावस्कर की तारीफ।

मुझे लगता है कि उन्होंने जो दिखाया वह यह था कि एक शुरुआती बल्लेबाज निचले क्रम में कहीं भी बल्लेबाजी कर सकता है। यह दूसरी तरह से आसान नहीं है, जहां मध्य क्रम का बल्लेबाज आकर बल्लेबाजी की शुरुआत कर सकता है। यह आसान नहीं है, लेकिन एक शुरुआती बल्लेबाज को निचले क्रम में कहीं भी समायोजित किया जा सकता है, और वह भारतीय बल्लेबाजी लाइन में बाएं हाथ का आयाम लाता है। यदि आप शीर्ष चार को देख सकते हैं, तो वे सभी दाएं हैं और फिर बाएं हाथ का बल्लेबाज आता है, इसलिए यह गेंदबाजों के लिए थोड़ा मुश्किल बना देता है। इसके अलावा, उसके पास तेजी लाने की अद्भुत क्षमता है। वह देखने में बहुत छोटा लगता है, लेकिन वह जोरदार शॉट मारता है। उसने कुछ बड़े छक्के मारे और जिस तरह से उसने बल्लेबाजी की वह वास्तव में प्रभावशाली थी क्योंकि आम तौर पर वह गेंदबाजी के बाद आगे बढ़ना पसंद करता है। लेकिन जब भी जरूरत पड़ी, उन्होंने सतर्क रहकर पहचान की और महसूस किया कि स्थिति क्या है।

पाकिस्तान की गेंदबाजी भारतीयों की तुलना में अधिक आक्रामक : दिनेश कार्तिक

कराची, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर से कमेंटेटर बने दिनेश कार्तिक भारत के मुकाबले पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को तरजीह देते हैं। उन्होंने नसीम शाह, हारिस रऊफ और शाहीन शाह आफरीदी की पाकिस्तानी तिकड़ी को श्रीलंकाई विकेटों पर घातक बताया। क्रिकबज से बात करते हुए कार्तिक ने कहा, शाहीन, हारिस रऊफ और नसीम लगातार 90+ गेंदबाजी कर सकते हैं और तीनों बहुत अलग हैं। शाहीन शाह, जाहिर तौर पर बाएं हाथ के पास एक कोण है और गेंद को वापस लाते हैं, नसीम शाह गेंद दोनों तरफ से स्विंग करते हैं, हारिस अपनी स्किड और खतरनाक बाउंसर के कारण पारी के अंतिम छोर पर निश्चित रूप से सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। यह पूछे जाने पर कि वह इन विकेटों पर किसे बल्लेबाजी करना पसंद करेंगे, उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजों (मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह) का सामना करना सहज पाया। उन्होंने पाकिस्तानी तिकड़ी द्वारा पिच से उत्पन्न उछाल का उल्लेख करते हुए उन्हें न खेलने का कारण बताया। कार्तिक ने कहा, मेरे लिए, वे सपाट विकेटों पर कहीं अधिक शक्तिशाली आक्रमण हैं। अगर पिच में कुछ है तो दोनों आक्रमण हर समय बहुत समान हो जाते हैं, लेकिन अगर मुझे आक्रमण खेलना होता है तो मुझे एक भावना होती है। उन्होंने आगे कहा, बुमराह, सिराज और शमी को खेलने का शायद मेरे पास बेहतर मौका है क्योंकि उन्हें जो उछाल मिलेगा वह पाकिस्तान के ये तीन अन्य गेंदबाज जो कर सकते हैं उससे थोड़ा कम होगा। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज तिकड़ी ने शनिवार रात गिरे सभी 10 विकेट झटके। हालांकि, बारिश के कारण मैच रद्द हो गया और दोनों टीमों ने एक-एक अंक बांट लिया। पाकिस्तान तीन अंकों के साथ अगले चरण के लिए क्वालीफाई कर गया।

मिराज-शान्तो के शतक, बंगलादेश ने बनाये 334 रन

लाहौर, 03 सितंबर (एजेंसियां)। मेहदी हसन मिराज़ (112) और नजमुल हुसैन शान्तो (104) के शानदार शतकों की बदौलत बंगलादेश ने एशिया कप के करो या मरो ग्रुप-बी मुकाबले में रविवार को अफगानिस्तान के सामने 335 रन का लक्ष्य रखा। बंगलादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और मिराज़ ने मोहम्मद नईम के साथ मिलकर पहले ओवर से ही मोर्चा संभाल लिया। मिराज़-नईम ने पहले विकेट के लिये 10 ओवर में 60 रन की साझेदारी की, हालांकि अफगानिस्तान ने चार गेंद के अंदर दो विकेट गिराकर मैच में वापसी की। मुजीब उर रहमान ने नईम (32 गेंद, 28 रन) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, जबकि गुलबदिन नाइब ने तौहीद हृदोय को शून्य रन पर पवेलियन भेज दिया। नईम और हृदोय के विकेट हालांकि बंगलादेश को बैकफुट पर नहीं धकेल सके। मिराज़ और शान्तो ने इसके बाद अपने-अपने शतक पूरे करते हुए 195 रन की विशाल साझेदारी कर डाली। मिराज़ 119 गेंद पर सात चौकों और तीन छक्कों के साथ

112 रन बनाकर रिटायर हर्ट हो गये, जबकि शान्तो ने 45वें ओवर में रनआउट होने से पहले 105 गेंद पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 104 रन बनाये। मुश्फिकुर रहीम (15 गेंद, 25 रन) और शाकिब अल हसन (18 गेंद, नाबाद 32 रन) ने आक्रामक बल्लेबाजी के साथ बंगलादेशी पारी को मज़बूत अंत दिया। शमीम हुसैन ने छह गेंद पर एक छक्के के साथ 11 रन बनाये। अफगानिस्तान की ओर से मुजीब ने 10 ओवर में 62 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि नाइब ने आठ ओवर में 58 रन देकर एक सफलता हासिल की। फज़लहक़ फारूक़ी छह ओवर में 53 रन देकर अफगान टीम के सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए।

डब्ल्यूबीबीएल : रेनेगेड्स में बनी रहेंगी हरमनप्रीत

मेलबर्न, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के विदेशी ड्राफ्ट में चुनी जाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थीं, जिन्हें रविवार को मेलबर्न रेनेगेड्स ने अपने पास बरकरार रखा। यास्तिका भाटिया, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा सहित कुल 18 भारतीय खिलाड़ियों का नाम डब्ल्यूबीबीएल के विदेशी ड्राफ्ट में शामिल था, लेकिन हरमनप्रीत के अलावा किसी को भी फ्रेंचाइजी नहीं मिली।

रेनेगेड्स ने प्लैटिनम श्रेणी में मौजूद हरमनप्रीत और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज को अपने पास बरकरार रखा। हरमनप्रीत ने 2021-22 सीज़न के दौरान रेनेगेड्स के लिये 12 पारियों में 58.00

की औसत और 130.96 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक और नाबाद 81 रन का शीर्ष स्कोर शामिल रहा। उन्होंने पूरे सीज़न में 7.45 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 विकेट भी चटकाये।

उल्लेखनीय है कि हरमनप्रीत ने 2016-17 सीज़न में सिडनी थंडर के साथ डब्ल्यूबीबीएल में पदार्पण किया था। रेनेगेड्स के मुख्य कोच साइमन हेल्मोट ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि हमें वे दोनों (हरमनप्रीत और हेली) मिलीं। मैं इस साल फिर से उनके साथ काम करने के लिये उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, यह निर्णय कठिन था। क्या हम तीसरे नंबर पर हरमनप्रीत को लें, या हम हेली को लें? सौभाग्य से, यह हमारे लिये कारगर साबित हुआ कि हरमनप्रीत अभी भी दूसरे दौर में उपलब्ध थीं, इसलिए हम उसे अभी भी प्लैटिनम श्रेणी के तहत प्राप्त कर सकते थे।

हरमनप्रीत डब्ल्यूबीबीएल के अलावा द हंड्रेड में लंकाशर थंडर्स, सुपरनोवाज़, मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स और ट्रेंट रॉकेट्स का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। भारत की विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वह मुंबई इंडियन्स के लिये खेलती हैं।

बाएज का विजय रथ रोक आगे बढ़े मेदवेदेव, अल्काराज, ज़्वेरेव भी जीते

न्यूयॉर्क, 3 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के दानिल मेदवेदेव ने अर्जेंटीना के सेबैस्टियन बाएज़ का विजय रथ रोकते हुए उन्हें अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में करारी शिकस्त दी। बाएज़ पिछले 12 मुकाबले जीतकर तीसरे दौर में आ रहे थे लेकिन पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन मेदवेदेव ने शनिवार को उन्हें 6-2, 6-1 7-6(6) से हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

शुरुआती दो सेट एकतरफा रूप से जीतने के बाद मेदवेदेव को तीसरे सेट में बाएज़ से कड़ी टक्कर मिली। बाएज़ ने मेदवेदेव के फोरहैंड का मज़बूती से जवाब देते हुए तीसरे सेट में 5-2 की बढ़त बना ली लेकिन इसके बाद बारिश ने

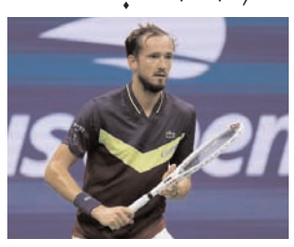

मैच में खलल डाल दिया। मेदवेदेव ने खेल दोबारा शुरू होने के बाद वापसी करते हुए 4-5 पर सर्विस हासिल की। बाएज़ के लिये लगातार अप्रत्याशित गलतियां करना भारी पड़ा और वह टाईब्रेकर में 6/6 पर गलती करके मुकाबला हार गये।

मेदवेदेव ने जीत के बाद कहा, मुझे ऐसा लगा कि हम दोनों अच्छा खेल रहे थे, यहां तक कि पहले दो सेटों में भी। मैं सही मौकों पर थोड़ा बेहतर खेला, सब कुछ मेरे हिसाब से हो रहा था। थोड़ा भाग्य का भी साथ रहा और मेरे अच्छे खेल ने भी मुझे सेट में बनाए रखा। अगले दौर में मेदवेदेव का सामना ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर से होगा। इस बीच, रूस के आंद्रे रुबलेव, जर्मनी के एलेक्जेंडर ज़्वेरेव और स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टरफाइनल में कदम रखा।

रुबलेव ने फ्रांस के आर्थर रिंडरनेक को 3-6, 6-3, 6-1, 7-5 से हराया। गत चैंपियन अल्काराज़ ने ब्रिटेन के डैन इवान्स को 6-2, 6-3, 4-6, 6-3 से मात दी। ज़्वेरेव ने बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-7(2), 7-6(8), 6-1, 6-1 से मात दी।

भारत ने पाक को पुरुष एशिया कप हॉकी 5 के फाइनल में शूटआउट में हरा खिताब जीता

नई दिल्ली, 3 सितंबर (देशबन्धु)। उपकप्तान मोहम्मद रहील के दूसरे हाफ के आखिर में दागे दो मैदानी गोल की बदौलत भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को फाइनल में सलाला(ओमान) में 2-4 से पिछड़ने के बाद चार -चार की बराबरी पाने के बाद शूटआउट में गोलरक्षक सूरज करकेरा को दो बेहतरीन बचाव से 2-0 से हरा कर पहला पुरुष हॉकी 5 एशिया कप 2023 खिताब जीत लिया। सूरज करकेरा की तारीफ करनी होग कि निर्धारित समय में दो बेहतरीन बचाव किए। मनदीप मोर की अगुआई वाली भारतीय टीम के लिए शूटआउट में मनिंदर सिंह और गुरजोत ने एक-एक गोल किया।पाकिस्तान के लियाकत अरशद और मुहम्मद मुतर्जा के गोल के प्रयास को भारत के गोलरक्षक सूरज करकेरा ने रोक कर बेकार कर दिया। भारत ने पाकिस्तान से फाइनल जीत कर उससे इलीट पूल मैच की 4-5 से हार का हिसाब चुकाया। भारत और पाकिस्तान ने फाइनल में स्थान बनाने के साथ इसमें खेलने उतरने से पहले एफआईएच 2024 पुरुष हॉकी 5 विश्व कप के लिए क्वॉलिफाई कर लिया। सेमीफाइनल में भारत ने मलयेशिया को 10-4 से तथा पाकिस्तान ने ओमान को 7-5 से हराया।

पाकिस्तान ने फाइनल में भारत के खिलाफ आक्रामक अंदाज में आगाज किया। अब्दुल रहमान ने पांचवें मिनट

में गोल कर पाकिस्तान का खाता खोला। जुगराज सिंह ने दो मिनट बाद और मनिंदर सिंह ने तीन बाद मैदानी गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। अब्दुल राणा ने 13 वें तथा जिकिरिया हयात ने अगले मिनट गोल कर पाकिस्तान को 3-2 से आगे कर दिया। अरशद लियाकत ने दूसरे हाफ के चौथे मिनट में गोल जब पाकिस्तान की बढ़त 4-2 कर दी तो तब फाइनल भारत की पहुंच से खिसकता लगा। उपकप्तान मोहम्मद रहील ने 19 वें और फिर खेल खत्म होने से चार मिनट पहले गोल कर भारत को चार-चार की बराबरी दिला दी और निर्धारित समय की समाप्ति पर स्कोर यह रहने से फाइनल शूटआउट में खिंच गया। भारत ने शूटआउट 2-0 से जीत कर खिताब अपने

■ स्ट्राइकर रहील और गोलरक्षक सूरज करकेरा रहे भारत की जीत के हीरो

नाम किया। उपकप्तान मोहम्मद रहील के हैट्रिक सहित चार तथा मनिंदर सिंह, पवन राजभर, सुखविंदर सिंह, डिप्सन टिर्की , जुगराज सिंह और गुरजोत सिंह के एक -एक गोल की बदौलत भारत ने मलयेशिया को पहले सेमीफाइनल में भी शनिवार को 10-4 से शिकस्त दी। मलयेशिया के लिए कप्तान अकीमुल्लाह ने दो तथा अबू इस्माइल व मुहम्मद दिन ने एक-एक गोल किया। भारत ने मलयेशिया को इलीट पूल मैच में 7-5 से हराया।

हॉकी इंडिया ने खिताब जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के हर सदस्य को दो-दो लाख रुपये तथा सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को एक-एक रुपये का इनाम देने की घोषणा की। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की ने भारतीय टीम को हॉकी 5 एशिया कप में स्वर्ण जीत सीधे एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 5 ओमान के लिए क्वॉलिफाई करने पर बधाई देते हुए कहा, हमारी भारतीय टीम ने हरफनमौला प्रदर्शन किया। हमारी महीनों की मेहनत रंग लाई। मैं अपनी भारतीय टीम से अब एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 5 ओमान 2024 में भी यही बढिया प्रदर्शन जारी रखने की आस करता हूं।'

सार संक्षेप

टेस्ट में पहले तटस्थ अंपायरों में से एक, पीलू रिपोर्टर का 84 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में पहले दो तटस्थ अंपायरों में से एक पीलू रिपोर्टर का रविवार को बीमारी के कारण मुंबई में निधन हो गया। 84 वर्षीय रिपोर्टर सेरेब्रल कन्फ्यूजन बीमारी से पीड़ित थे और उनके घर पर उनकी पत्नी और दो बेटियां उनकी देखभाल कर रही थीं। 1992 विश्व कप, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला गया था, 14 टेस्ट मैचों और 22 एकदिवसीय मैचों के अलावा उन टूर्नामेंटों में से एक था जिसमें रिपोर्टर ने अंपायरिंग की थी। रिपोर्टर, 1992 विश्व कप में एकमात्र भारतीय अंपायर था, जो अपने फुर्तीले संकेत के लिए जाना जाता था। 1986 में लाहौर में पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया टेस्ट मैच रिपोर्टर के लिए एक बड़ा अवसर था - यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तटस्थ अंपायर के लिए पहला उदाहरण था। उन्होंने साथी भारतीय वीके रामास्वामी के साथ उस मैच में अंपायरिंग की थी। पाकिस्तान के कप्तान इमरान खान ने घरेलू अंपायरों के कथित पूर्वाग्रह के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए बदलाव का सुझाव दिया। आईसीसी ने दो साल बाद इसे औपचारिक रूप देने से पहले 1992 में टेस्ट क्रिकेट में एक तटस्थ अंपायर का प्रयोग किया था।

ताकतवर भारतीय चौकड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में अमेरिकियों को चौंका दिया

नई दिल्ली। पिछले रविवार को हंगरी के बुडापेस्ट में एक सुखद शाम को, भारत ने इतिहास रचा जब मोहम्मद अनस, अमोज जैकब, मोहम्मद अजमल वरियाथोडी और राजेश रमेश की चौकड़ी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4×400 मीटर रिले रेस फाइनल में 2:59:92 सेकंड का समय लेकर विश्वसनीय पांचवें स्थान पर रही। चैंपियनशिप के इतिहास में यह पहली बार था कि भारत ने प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बनाई, जिसे अंततः अमेरिका (2:57:31) ने जीता, जबकि फ्रांस (2:58:45) और ग्रेट ब्रिटेन (2:58:71) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। एक दिन पहले, भारतीय चौकड़ी ने 2:59:05 का समय लेकर एशियाई रिकॉर्ड बनाया था और अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रही और फाइनल में पहुंची। ऐंठन से जूझ रहे रमेश, जिन्हें दौड़ के बाद स्ट्रेचर पर ले जाना पड़ा, एंकर लेग में लगभग अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ कदम से कदम मिलाकर शानदार प्रदर्शन कर रहे थे। वर्ल्ड्स में प्रभावशाली प्रदर्शन से उत्साहित भारतीय चौकड़ी की नजर अब 23 सितंबर से चीन के हांगझाऊ में शुरू होने वाले एशियाई खेलों में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल करने पर होगी।